



रायपुर, लखनऊ और नई दिल्ली से प्रकाशित

हमेशा सच के साथ

प्रायोजन

www.dailypioneer.com रायपुर, शुक्रवार 03 जनवरी 2025 पृष्ठ-12 वर्ष-09, अंक-133 मूल्य 3.00 ₹



विवेक न्यूज

तेज रफ्तार हाईवे ने बाइक सवार तीन युवकों को रौंदा, तीनों की मौत बलौदाबाजार। जिले के कसडोल थाना क्षेत्र में बीती रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें तीन युवकों की जान चली गई। हादसा कलमीडीह गांव के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार हाईवे ने मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवकों को रौंदा दिया। तीनों युवकों के घर ही अपनी जान गंवा बैठे। मृतकों की पहचान महाराजी अर्जुन गांव के रहने वाले राहु कर्ष (23 वर्ष), परमेश्वर पैकरा (22 वर्ष) और दुर्गेश कर्ष के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वे नए साल का जश्न मनावने के लिए तुरपुरिया गए थे और वहां से एक ही बाइक पर सवार होकर गांव लौट रहे थे। इसी दौरान रात लगभग 12 बजे यह भीषण हादसा हुआ, जिसमें तीनों की दर्दनाक मौत हो गई। सूचना मिलने पर कसडोल पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर तीनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अब मामले की जांच में जुटी हुई है। वहीं, प्रशासन ने मृतकों के परिवारों को तत्काल सहायता के रूप में 25-25 हजार रुपये की राशि दी है।

देवेन्द्र यादव की बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में भर्ती
रायपुर। बलौदाबाजार हिंसा मामले में रायपुर जेल में बंद भिलाई के कांग्रेस विधायक देवेन्द्र यादव की तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें दाउ कल्याण सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि, देवेन्द्र पिछले 5 दिनों से अस्पताल में भर्ती हैं। उनको पेट की मांसपेशी से जुड़ी बीमारी के इलाज के लिए लाया गया है। संभवतः आपरेशन की जरूरत भी पड़ सकती है।

दिल्ली के किसानों को केंद्र की कृषि योजनाओं का नहीं मिला लाभ: शिवराज
नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि केंद्र सरकार अपनी तरफ से पैसा देने के लिए तैयार है, लेकिन दिल्ली की सरकार की वजह से किसानों का उन योजनाओं का लाभ ही नहीं मिल रहा है। चौहान ने यहां कहा कि दिल्ली के किसान उनसे मिलने थे और बताया कि उन्हें कई योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र अपने आप पैसा नहीं भेजता है। राज्य के प्रस्ताव पर केंद्र योजनाओं का पैसा भेजता है और दिल्ली से कई योजनाओं के लिए केंद्र सरकार के पास कोई प्रस्ताव आ ही नहीं, इसलिए उन योजनाओं का लाभ नहीं मिला।

वसुधैव कुटुम्बकं और देशभक्ति का पाठ पढ़ाती है हमारी सनातन परम्परा : मुख्यमंत्री विष्णुदेव

प्रायोजन संवाददाता < जगदलपुर
www.dailypioneer.com

कोई भी देश तभी मजबूत रह सकता है जब उसकी बुनियाद मजबूत हो। हमारे देश की बुनियाद हमारी सनातन परंपराओं में है। सनातन परंपरा हमें वसुधैव कुटुम्बकं की सीख देती है और देशभक्ति का पाठ पढ़ाती है। अपने देश और राज्य की तस्वीर के लिए बहुत जरूरी है कि हम अपनी युवा पीढ़ी को भी सनातन परंपरा के वही संस्कार प्रदान करें जो हमें अपने शिक्षकों और अभिभावकों से मिले हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बस्तर प्रवास के दौरान जगदलपुर के समीप ग्राम कंगोली में श्री वेदमाता गायत्री महाविद्यालय के भूमिपूजन समारोह

को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि गायत्री मंत्र हमारी सनातन परंपरा का सबसे महत्वपूर्ण मंत्र है। यह मंत्र हमें सम्मार्ग की ओर चलने के लिए प्रेरित करता है। विद्या भारती संस्थान में विद्यार्थियों को श्रेष्ठ शिक्षा के साथ-साथ देशभक्ति के संस्कार भी दिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि मानव जीवन में शिक्षा का विशेष महत्व है और इसी ध्येय के साथ प्रदेश सरकार शिक्षा के साथ-साथ कौशल विकास पर भी जोर दे रही है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयारी के लिए बनाए गए यूथ हॉस्टल के



341 पीएमश्री स्कूल स्थापित किए गए हैं जहां गुणवत्ता युक्त शिक्षा के लिए सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। साथ ही प्रदेश के विद्यार्थियों को जरूरी सुविधाएं और अनुकूल वातावरण प्रदान करने नालंदा परिसर भी बड़े शहरों में स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने नई शिक्षा नीति और दिल्ली में प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयारी के लिए बनाए गए यूथ हॉस्टल के

संबंध में भी जानकारी दी। कार्यक्रम को प्रदेश के उप मुख्यमंत्री अरूण साव, वन मंत्री केदार कश्यप, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकम वामी ने भी संबोधित किया। मुख्यमंत्री साय ने विद्याभारती संस्था के विकास के लिए 50 लाख रुपए प्रदान करने की घोषणा भी की। इस अवसर पर लोकसभा क्षेत्र कांग्रेस के सांसद भोजराज नाग ने विद्याभारती संस्था के प्रदेश में स्थित विभिन्न संस्थाओं के विकास के लिए सांसद निधि से हर वर्ष एक करोड़ रुपए दिए जाने तथा जगदलपुर विधायक किरणदेव सिंह ने जगदलपुर स्थित संस्था के विकास के लिए 10 लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान करने की

घोषणा की। कार्यक्रम में संस्था प्रमुख राजबहादुर सिंह राणा, संस्थान के महामंत्री नरेन्द्र तनेजा एवं रामदत्त चक्रधर ने संस्था के उद्देश्यों और गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। मुख्यमंत्री साय ने सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में आयोजित यज्ञ में सम्मिलित होकर वैदिक मंत्रोच्चारण की भी विधि-विधानपूर्वक आहुति दी और बस्तर सहित प्रदेशवासियों की प्रगति व खुशहाली के लिए कामना की। उन्होंने प्रांगण में सागौन के पौधे रोपे। इस अवसर पर दत्तेवाड़ा विधायक चैतराम अटामी, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, विद्यालय के आचार्यगण और बड़ी संख्या में विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

राज्यपाल डेका को मुख्यमंत्री साय ने दी नए वर्ष की शुभकामनाएं

राज्यपाल रमेश डेका से राजभवन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भेंट कर नववर्ष की शुभकामनाएं दी और राज्य हित से जुड़े विषयों पर चर्चा की। डेका ने भी उन्हें नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री साय ने राज्यपाल को जशपुर जिले के स्थानीय उत्पाद भेंट किए। राज्यपाल डेका और मुख्यमंत्री साय ने एक दूसरे को राजकीय गमछा पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह भी उपस्थित थे।



सीएम ने कहा- चुनाव में देरी हो सकती है, टलेगा नहीं

नगरीय निकाय चुनाव को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि चुनाव में देरी हो सकती है, लेकिन यह टलेगा नहीं। मुख्यमंत्री ने बताया कि देरी के कारण नगरीय निकायों में प्रशासक की नियुक्ति कठिनी पड़ी है। मुख्यमंत्री जगदलपुर के लिए रवाना होने से पहले मीडिया से चर्चा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में बस्तर के लिए 350 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया जाएगा। इसके अलावा, बस्तर को लेकर सरकार मांझी समाज से भी सलाह लेगी। मुख्यमंत्री ने बस्तर के विकास को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि एक साल के भीतर बस्तर में शांति स्थापित करने में सरकार सफल रही है। इसके अलावा, क्षेत्र के विकास के लिए नियत नैलानार योजना चलाई जा रही है। वहीं, नगरीय निकाय चुनाव में देरी और प्रशासकों की नियुक्ति को लेकर विपक्ष ने सरकार पर विरोध किया है। कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि यह बीजेपी का अलोकतांत्रिक चरित्र है। उन्होंने कहा कि समय पर चुनाव कराना सरकार का संवैधानिक दायित्व था, लेकिन चुनाव में देरी कर प्रशासकों की नियुक्ति की गई है।

राजेंद्र आर्लेकर ने केरल के राज्यपाल के रूप में ली शपथ

वार्ता < तिरुवनंतपुरम
www.dailypioneer.com

राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने राजभवन में आयोजित एक विशेष समारोह में केरल के नए राज्यपाल के रूप में शपथ ली। केरल उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश नितिन मधुकर जामदार ने राज्यपाल को सुबह 10.30 बजे शपथ दिलाई। राज्यपाल ने भगवान के नाम पर शपथ ली और राज्य के 23वें राज्यपाल बन गए। समारोह में मुख्यमंत्री पिनाराय विजयन, विधानसभा अध्यक्ष एएन शमोसरी, विपक्ष के नेता वीडी सतीसन, वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं एआईसीसी कार्यसमिति के सदस्य रमेश चेत्रिथला, मंत्री, सांसद, विधायक, मुख्य सचिव, वरिष्ठ भारतीय



प्रशासनिक सेवा (आईएसएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी, रक्षा अधिकारी, वरिष्ठ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के नेता भी शामिल हुए। आर्लेकर अपनी पत्नी अनचा आर्लेकर के साथ हवाई अड्डे पहुंचे, जहां मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

बिहार के नये राज्यपाल बने आरिफ मोहम्मद खान

पटना। आरिफ मोहम्मद खान ने बिहार के नये राज्यपाल के तौर पर शपथ ले ली है। राजभवन के राजेंद्र मंडपम हॉल में आयोजित एक समारोह में पटना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के विनोद चंद्रन ने आरिफ मोहम्मद खान को शपथ दिलाई है। नये राज्यपाल आरिफ के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उप मुख्यमंत्री स्मिता चौधरी, विजय कुमार सिन्हा समेत अन्य कई राजनीतिक हस्तियां मौजूद थीं। आरिफ इससे पहले केरल के राज्यपाल थे और अब वह बिहार के नए राज्यपाल बन गए हैं। अब वह राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर की जगह जिम्मेदारी संभालेंगे। आर्लेकर को केरल का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।



निर्वाचन आयोग समय पर कराए निकाय-पंचायत चुनाव : डॉ. महंत

प्रायोजन संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

विधानसभा नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने छत्तीसगढ़ की पंचायतों (तीनों स्तर) तथा नगरीय निकायों (नगर पंचायत, नगर पालिका परिषद तथा नगर पालिका निगम) का निर्वाचन समय पर कराए जाने के लिये राज्य निर्वाचन आयोग को पत्र लिखा है। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि, भारत का संविधान के अनुच्छेद 243- के तथा 243-जेड ए के अन्तर्गत छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग का गठन किया गया है। इस आयोग का यह बंधनकारी संवैधानिक कर्तव्य है कि अनुच्छेद 243-इ और 243-यू के अनुसार समय पर निर्वाचन कराए। पंचायतों तथा नगर पालिकाओं की अतिरिक्त निर्वाचन के पश्चात् आयोजित प्रथम अधिवेशन के लिए नियत तारीख से पांच वर्ष होती है और इस विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति के पूर्व नया निर्वाचन पूर्ण किया ही जाना चाहिए। छत्तीसगढ़ की विधानसभा निर्वाचित पंचायतों की अवधि माह फरवरी 2025 की विभिन्न तारीखों में समाप्त होने जा रही है। किंतु छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग के द्वारा अब तक इनके गठन हेतु निर्वाचन की प्रक्रिया प्रारंभ ही नहीं की गई है। इससे यह स्पष्ट है कि संविधान के आदेशात्मक प्रावधानों का स्पष्ट उल्लंघन हो

रहा है जिसके लिए छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग ही पूरी तरह से उत्तरदायी है। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि, उच्चतम न्यायालय के दो निर्णयों राईट पेटीसन (सी) नं.278 ऑफ 2022 डिवाइडेड अंश में 10, 2020 तथा पेटीसन (एस) फोर स्पेशल लीव टू अपील (सी) नं.(एस) 26468 टू 26469/2024 11.11.2024 का उदाहरण है। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा है कि, अब और अधिक विधायक किये बिना पंचायतों तथा नगरीय निकायों के गठन के लिए निर्वाचन की प्रक्रियाओं को तत्काल प्रारंभ करें।

डॉ. महंत और कांग्रेस वयों नहीं जाना चाहते कोर्ट?

नगरीय निकाय चुनाव को लेकर नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत और कांग्रेस लगातार सिर्फ बयानबाजी करते नजर आ रहे हैं। इसके पहले भी महंत ने राज्यपाल को पत्र लिखकर मामले में सुर्खियां बटोरने की कोशिश की। उसके बाद उन्होंने संवैधानिक कर्तव्यों का हवाला देते हुए निर्वाचन आयोग को भी पत्र लिखा है। लेकिन महंत और कांग्रेस ने अब तक कोर्ट का दरवाजा नहीं खटखटाया। यदि वास्तव में यह पूरा मामला संविधान के उल्लंघन के दायरे में आता है तो महंत और कांग्रेस उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय के पास जाने से कतार क्यों रहे हैं? क्या डॉ. चरणदास महंत निकाय चुनाव को लेकर सिर्फ राजनीतिक स्वार्थ साधना चाहते हैं या फिर वास्तव में वह समय पर चुनाव कराने के पक्षधर हैं। इसको लेकर अब सवाल उठने लगे हैं।

डॉ. महंत और कांग्रेस वयों नहीं जाना चाहते कोर्ट? नगरीय निकाय चुनाव को लेकर नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत और कांग्रेस लगातार सिर्फ बयानबाजी करते नजर आ रहे हैं। इसके पहले भी महंत ने राज्यपाल को पत्र लिखकर मामले में सुर्खियां बटोरने की कोशिश की। उसके बाद उन्होंने संवैधानिक कर्तव्यों का हवाला देते हुए निर्वाचन आयोग को भी पत्र लिखा है। लेकिन महंत और कांग्रेस ने अब तक कोर्ट का दरवाजा नहीं खटखटाया। यदि वास्तव में यह पूरा मामला संविधान के उल्लंघन के दायरे में आता है तो महंत और कांग्रेस उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय के पास जाने से कतार क्यों रहे हैं? क्या डॉ. चरणदास महंत निकाय चुनाव को लेकर सिर्फ राजनीतिक स्वार्थ साधना चाहते हैं या फिर वास्तव में वह समय पर चुनाव कराने के पक्षधर हैं। इसको लेकर अब सवाल उठने लगे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल तृता धरना स्थल पर जाकर शिक्षकों की मांग का समर्थन किया

साय सरकार ने साल के पहले दिन सहायक शिक्षकों पर अत्याचार किया : भूपेश बघेल

प्रायोजन संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि नये साल के पहले दिन भाजपा सरकार ने युवाओं के ऊपर अत्याचार किया है। 2897 शिक्षकों को बर्खास्त किया गया, सरकार इनकी बहाली बारे में कोई निर्णय नहीं ले रही है। पूरे प्रदेश में साय सरकार अकेली ऐसी सरकार है जिसने 2897 नियमित कर्मचारियों को पदमुक्त कर दिया। आज तक देश का किसी भी राज्य सरकार ने इतनी बड़ी संख्या में एक साथ अपने कर्मचारियों को बर्खास्त नहीं किया है। यह कोई ठेका या सिविल कर्मचारी नहीं है। बघेल ने कहा इन शिक्षकों को सरकार ने भर्ती निकाल कर प्रक्रिया पूरी करने बाद नियुक्ति दिया था। अब अदालत के बाद गतिरोध आ रहा है तो सरकार इस

मामले का समाधान निकाल डीएए प्रशिक्षित शिक्षकों के लिये अलग भर्ती निकाले तथा इन पहले से नियुक्ति पा चुके 2897 शिक्षकों की सेवा आगे सुनिश्चित रखने की व्यवस्था करें। इन शिक्षकों की भर्ती कांग्रेस सरकार के दौरान ही हुआ था ऐसा नहीं है भाजपा सरकार बनने के बाद भी तीसरी और चौथी काउंसिलिंग 9 फरवरी 2024 तथा 7 मार्च 2024 को हुई थी तथा इनकी नियुक्तियां हुई थी। अधिसूचनाक शिक्षक बस्तर और सरगुजा संभाग के है तथा दूरस्थ क्षेत्रों में पदस्थ है। 2897 में से 70 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति वर्ग से आते हैं। सरकार के पास शिक्षा विभाग में ही अनेकों ऐसे पद है जहां समान वेतनमान पर इन 2897 शिक्षकों की नियुक्ति की जा सकती है। प्रयोगशाला सहायक,

उच्च श्रेणी शिक्षकों के रूप में इनकी नियुक्तियां की जा सकती है। बीएड सहायक शिक्षकों के समायोजन का कोई प्रयास भाजपा सरकार ने नहीं किया। सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय ने समायोजन का प्रस्ताव मांगा लेकिन युवा विरोधी यह सरकार खामोश रही। जानबूझकर पड़व्यंत्रपूर्वक न्यायालय में बीएड प्रशिक्षित सहायक शिक्षकों का पक्ष सही ढंग से नहीं रखा गया, अब सेवा समाप्ति का नोटिस जारी करके कमेटी बनाने का ढोंग कर रहे है यह हजारों युवाओं के साथ भयावह है। 33000 शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया सरकार रोक कर रखी है। इन पदों पर इन शिक्षकों को समायोजित किया जा सकता है। सरकार इनके मामले में तत्काल निर्णय लेकर इनका समायोजन करे।

ये सरकार पूरा धान नहीं खरीदना चाहते

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों का पूरा धान नहीं खरीदना चाहती है। धान खरीदी केन्द्रों पर गणह की कमी है, उठाव नहीं हो पा रहा, मिलने से गतिरोध खत्म नहीं हो रही है। किसानों को नुकसान भी नहीं दिया जा रहा, एकमुष्ट 3100 भुगतान का वादा की हवा निकल गई है। दूरस्थ क्षेत्रों में बारदानी की बहुत ज्यादा कमी है। सरकार पूरा धान नहीं खरीदना पड़े इसके लिये बहाना बना रही है। सरकार बताये कि केंद्र सरकार इस वर्ष सेंट्रल पूल में कितना चावल लेने वाली है, अभी तक आंकड़ा सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया?

सरकार चुनाव में जाने से डर रही

नगर निगमों में प्रशासक नियुक्त किये जाने के सरकार के फैसले पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि भाजपा सरकार चुनाव में जाने से डर रही है, इसीलिये पहले चुनाव की अवधि बढ़ाने की अधिसूचना लाये फिर विधेयक पारित कराया अब प्रशासन बैठठा दिये। सरकार को मालूम है कि चुनाव होगा तो भाजपा का स्पूड्डा साफ हो जायेगा, इसीलिये चुनाव में जाने से डर रहे है। एक साल में ही साय सरकार अलोकप्रिय हो गयी। युवा, किसान, महिला, आदिवासी सभी सरकार से नाराज है। चारो तरफ भ्रष्टाचार हो रहा, कानून व्यवस्था बर्दाहन, आपराधिक घटनाएं बढ़ गयी है। महिला पुलिस अधिकारी भी सुरक्षित नहीं है।

केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन ने छत्तीसगढ़ के लिए विभिन्न शहरी विकास परियोजनाओं की समीक्षा की

प्रायोजन संवाददाता < बिलासपुर
www.dailypioneer.com

आवास और शहरी मामलों के राज्य मंत्री तोखन साहू ने आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय शहरी मामलों के संस्थान के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में छत्तीसगढ़ में चल रही और आगामी शहरी विकास परियोजनाओं की प्रगति और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की गई। बैठक में आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय की कई प्रमुख परियोजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। इन परियोजनाओं का उद्देश्य शहरी समस्याओं का समाधान करना, सतत विकास को बढ़ावा देना और छत्तीसगढ़ के शहरों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है। चर्चा की गई प्रमुख परियोजनाओं में शामिल हैं। इस परियोजना का उद्देश्य रायपुर और बेमेतरा में शैली एक्विफरों के प्रबंधन और स्थिरता को बढ़ाना है। यह परियोजना स्थानीय अधिकारियों और हितधारकों की क्षमता को मजबूत करते हुए जल संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन के लिए प्रयासरत है। इसका मुख्य उद्देश्य बेहतर ज्ञान और क्षमता को धरातल पर कार्यात्मक रूप में बदलना है, जिससे क्षेत्र में दीर्घकालिक जल सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

छत्तीसगढ़ में क्रिमिनल सिडिकेट बनाकर शराब घोटाले को दिया अंजाम : साव

प्रायोजन संवाददाता < जगदलपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ में अरबों का शराब घोटाला हुआ है। एक क्रिमिनल सिडिकेट बनाकर शराब घोटाले को अंजाम दिया गया। ईडी इस मामले की जांच कर रही है और जांच में कई तथ्य सामने आ रहे हैं। ये बातें उप-मुख्यमंत्री अरूण साव ने जगदलपुर में पत्रकारों से कही। बस्तर जिला मुख्यालय जगदलपुर में विभिन्न कार्यक्रम में शामिल हुए। आगे उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि, कांग्रेस सरकार के द्वारा जो राज्य के खजाने को लूटा गया था, वह अब धीरे-धीरे उजागर हो रहा है। एजेंसी सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। शराब घोटाले में जो लोग भी संलिप्त होंगे, वो सब जनता के सामने बेनकाब होंगे। आगामी नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव में कांग्रेस की स्थिति को लेकर साव ने कहा कि, राजनीतिक दल को अपनी गतिविधि करने का अधिकार है। लेकिन जिस प्रकार से विधानसभा, लोकसभा और रायपुर दक्षिण के चुनाव में जनता ने कांग्रेस को नकारा, वैसे ही निकाय और पंचायत चुनाव में जनता का हक छीनने वाली कांग्रेस को घर बिताने के लिए तैयार है।

छत्तीसगढ़ में क्रिमिनल सिडिकेट बनाकर शराब घोटाले को दिया अंजाम : साव

प्रायोजन संवाददाता < जगदलपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ में अरबों का शराब घोटाला हुआ है। एक क्रिमिनल सिडिकेट बनाकर शराब घोटाले को अंजाम दिया गया। ईडी इस मामले की जांच कर रही है और जांच में कई तथ्य सामने आ रहे हैं। ये बातें उप-मुख्यमंत्री अरूण साव ने जगदलपुर में पत्रकारों से कही। बस्तर जिला मुख्यालय जगदलपुर में विभिन्न कार्यक्रम में शामिल हुए। आगे उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि, कांग्रेस सरकार के द्वारा जो राज्य के खजाने को लूटा गया था, वह अब धीरे-धीरे उजागर हो रहा है। एजेंसी सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। शराब घोटाले में जो लोग भी संलिप्त होंगे, वो सब जनता के सामने बेनकाब होंगे। आगामी नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव में कांग्रेस की स्थिति को लेकर साव ने कहा कि, राजनीतिक दल को अपनी गतिविधि करने का अधिकार है। लेकिन जिस प्रकार से विधानसभा, लोकसभा और रायपुर दक्षिण के चुनाव में जनता ने कांग्रेस को नकारा, वैसे ही निकाय और पंचायत चुनाव में जनता का हक छीनने वाली कांग्रेस को घर बिताने के लिए तैयार है।

छत्तीसगढ़ में क्रिमिनल सिडिकेट बनाकर शराब घोटाले को दिया अंजाम : साव

प्रायोजन संवाददाता < जगदलपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ में अरबों का शराब घोटाला हुआ है। एक क्रिमिनल सिडिकेट बनाकर शराब घोटाले को अंजाम दिया गया। ईडी इस मामले की जांच कर रही है और जांच में कई तथ्य सामने आ रहे हैं। ये बातें उप-मुख्यमंत्री अरूण साव ने जगदलपुर में पत्रकारों से कही। बस्तर जिला मुख्यालय जगदलपुर में विभिन्न कार्यक्रम में शामिल हुए। आगे उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि, कांग्रेस सरकार के द्वारा जो राज्य के खजाने को लूटा गया था, वह अब धीरे-धीरे उजागर हो रहा है। एजेंसी सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। शराब घोटाले में जो लोग भी संलिप्त होंगे, वो सब जनता के सामने बेनकाब होंगे। आगामी नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव में कांग्रेस की स्थिति को लेकर साव ने कहा कि, राजनीतिक दल को अपनी गतिविधि करने का अधिकार है। लेकिन जिस प्रकार से विधानसभा, लोकसभा और रायपुर दक्षिण के चुनाव में जनता ने कांग्रेस को नकारा, वैसे ही निकाय और पंचायत चुनाव में जनता का हक छीनने वाली कांग्रेस को घर बिताने के लिए तैयार है।

एसपी सिंह ने ली प्रेसवार्ता कहा, ऑपरेशन शंखनाद हमारी कामयाबी 109 आरोपी गिरफ्तार, यातायात प्रबंधन हमारी कमी 343 की हुई मौत

2025 में यातायात प्रबंधन में सुधार को बताया अपनी प्राथमिकता, ट्रेफिक सेंस विकसित करेंगे

पायनियर संवाददाता < जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

जिला के पुलिस कप्तान शशि मोहन सिंह ने नए वर्ष के दूसरे दिन बीते वर्ष में किए गए उल्लेखनीय कार्यों को लेकर प्रेसवार्ता का आयोजन किया जिसमें उन्होंने जशपुर पुलिस की एक ओर जहां उपलब्धियों को गिनाया वहीं उन्होंने पुलिस की जहां चुक हुई और काम करने में कमी रह गई उसके बारे में भी खुलकर बातचीत करते हुए नए वर्ष में कमियों को दूर कर उत्साह के साथ काम करने की बात कही। एसपी सिंह ने कहा, ऑपरेशन शंखनाद के तहत 109 पशु तस्करो को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया और उनसे 704 पशुधन को मुक्त कराते हुए 3.5 करोड़ रुपए कीमत की वाहनों को जब्त कर राजसात की कार्रवाई की गई। वहीं उन्होंने जिले की सबसे बड़ी समस्या सड़क दुर्घटना में हो रही मौत को बताते हुए कहा, वर्ष 2024 में 343 लोगों की मौत सड़क हादसे में हुई है जोकि गंभीर समस्या है। उन्होंने कहा, 2025 में यातायात व्यवस्था को ठीक करने में उनका प्रमुख जोर



होगा। इस दौरान एसपी अनिल सोनी, यातायात जिला प्रभारी के साथ ही कोतवाली प्रभारी रविशंकर तिवारी भी उपस्थित रहे। ऑपरेशन शंखनाद, की कार्रवाई - इस अभियान के तहत गौ तस्करी के कुल 61 प्रकरणों में 109 आरोपियों को गिरफ्तार कर कुल 704 नग गौ-वंश तस्करी से बचाया गया है, साथ ही गौ-तस्करी में प्रयुक्त विभिन्न प्रकार के कुल 35 वाहन कीमत लगभग ₹. 3,50,00,000 /- (तीन करोड़ पचास लाख ₹.) को जब्त किया जा चुका है, जिसमें से 16 वाहन राजसात हो चुके हैं। प्रमुख वारदातों के आंकड़े-वर्ष 2024 में हत्या के कुल 56 प्रकरण दर्ज हुये जिसमें गिरफ्तार प्रकरण 54 में कुल 73 आरोपी गिरफ्तार हुये, वर्ष 2023 में हत्या के 71 एवं वर्ष 2022 में 64 प्रकरण दर्ज हुये थे, वर्ष 2024 में हत्या का प्रयास के कुल 13 प्रकरण दर्ज हुये जिसमें गिरफ्तार प्रकरण 12 में कुल 22 आरोपी गिरफ्तार हुये, वर्ष 2023 में 15 एवं वर्ष 2022 में 16 प्रकरण दर्ज हुये थे। वर्ष 2024 में चोरी के कुल 141 प्रकरण दर्ज हुये जिसमें गिरफ्तार प्रकरण 45 में कुल 122 आरोपी गिरफ्तार हुये, वर्ष 2023 में 168 एवं वर्ष 2022 में 200 प्रकरण दर्ज हुये थे। वर्ष 2024 में लूट के कुल 08 प्रकरण दर्ज हुये जिसमें गिरफ्तार प्रकरण 04 में कुल 07 आरोपी गिरफ्तार हुये, वर्ष 2023 में 08 एवं वर्ष 2022 में 14 प्रकरण दर्ज हुये थे। वर्ष 2024 में दुष्कर्म के कुल 137 प्रकरण दर्ज हुये जिसमें गिरफ्तार प्रकरण 129 में कुल 170 आरोपी गिरफ्तार हुये, वर्ष 2023 में 118 एवं वर्ष 2022 में 172 प्रकरण दर्ज हुये थे। वर्ष 2024 में मानव तस्करी के कुल 04 प्रकरण दर्ज हुये जिसमें गिरफ्तार प्रकरण 03 में कुल 07 आरोपी गिरफ्तार हुये, वर्ष 2023 में 04 एवं वर्ष 2022 में 06 प्रकरण दर्ज हुये थे। 2025 की प्रमुख कार्ययोजना-1- जिले में रोड

एक्सीडेंट के मामले में मृत्यु दर को कम करने हेतु यातायात जन जागरूकता अभियान के तहत नशा मुक्ति, रोड इंजीनियरिंग, ट्रैफिक व्यवस्था, ब्लैक स्पॉट का चिन्हंकन, हेलमेट जागरूकता, शराब पीकर वाहन चलाने वाले व्यक्ति के विरुद्ध अधिक से अधिक कार्यवाही इत्यादि। 2- किराएदारों की सूची के आधार पर किरायेदारों के पहचान की कार्यवाही का अभियान। 3- प्रकरण दर्ज होने के बाद तुरंत जांच के माध्यम से फरार आरोपियों की सूची जिले के थाना/चौकी से तैयार कराकर टीम गठित कर अधिक से अधिक फरार आरोपियों की गिरफ्तारी की कार्यवाही। 3- सायबर अपराध के दर में कमी लाने हेतु जन जागरूकता अभियान। 4- जिले में चलित थाना के माध्यम से जनता का शिकायत का त्वरित निराकरण।

जशपुर पुलिस द्वारा टीम भावना से कार्य करने पर अपराधों में कमी आई है। एक्सीडेंट के मामले में भी, भविष्य में इस पर वृद्ध कार्ययोजना बनाकर कार्यवाही की जाएगी।

शशि मोहन सिंह, एसपी जशपुर

बालक बालिकाओं के शौचालय मरम्मत कार्य भ्रष्टाचार की भेंट अधिकारियों पर बंदरबांट करने का आरोप

पायनियर संवाददाता < गरियाबंद
www.dailypioneer.com

बालक बालिकाओं के खस्ताहाल शौचालय को दुरुस्त करने के लिए राज सरकार द्वारा करीब 6 माह पहले लाखों रुपए शिक्षा समग्र विकास विभाग को जारी किया लेकिन जारी राशि का कई हिस्सा अधिकारियों के बीच बंदरबांट होने के चलते मरम्मत कार्य भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया शायद यही वजह है कि बालक बालिकाओं की शौचालय अपने बंदर हाल में आंसू बहा रहा है जिसे ना कोई देखने वाला है और ना ठीक करने वाला जानकारी अनुसार समग्र शिक्षा अंतर्गत एक एक शौचालय को 40 40 हजार की लागत से करीब 6 माह पहले जिला भर के 74 बालक और 38 बालिकाओं के शौचालय को मरम्मत के लिए शासन ने लाखों रुपए आवंटित किया बाकि बंदर स्थिति में पड़ी कौरी सीट छत खिड़की रंग रोमन सहित अन्य को ठीक किया जाए लेकिन अपरोस की बात है कि जारी अनुसार बिजकुल भी मरम्मत नहीं हो पाया जिसका प्रमुख कारण शासन से प्राप्त राशि की अधिकारियों के बीच बंदरबांट को माना जाता है तभी आज भी नए शौचालय की बंद से बंदर वाली तस्वीर नहीं बदल गई मालूम वर्तमान में भी बालक बालिकाओं को टूटी फूटी खिड़की सीट और खड़की प्लास्टर के बीच शौच



विपरते कहते है कि सरकार अपने ओर से पैसा कर्मचारी अब मुहैया करा रही है लेकिन स्थानीय अधिकारियों द्वारा लेकर लापरवाही बरता जाता है ऐसे में किस तरह स्वच्छ भारत अभियान की कल्पना किया जा सकता है। जांच के लिए शिकायत की तैयारी : स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ मालकों में भी थूक पालिस मरम्मत को लेकर नाराजगी है क्योंकि छोटे छोटे बालक बालिकाओं को दुर्गन्ध टूटी फूटी शौचालय से निजाद दिलाने के लिए शासन ने लाखों रुपए जारी किया मगर वह राशि अधिकारियों के बीच ही सिमट के रह गया ऐसे में बच्चों को आगामी दिनों में भी पुनः दुर्गन्ध और खस्ताहाल शौचालय में शौच करना मजबूरी होगा ऐसे में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से खानापूर्ति शौचालय मरम्मत को शिकायत करते एंजसी और जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही की मांग किया जाएगा क्योंकि शिक्षा विभाग प्रदेश के मुखिया विष्णुदेव साय के पास होने के चलते जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा प्रदेश के मुखिया विष्णुदेव साय की छवि को धूमिल करने में भी कोई कसर नहीं छोड़ने की बात सामने आ रही है इसके अलावा काजब को मरम्मत को धरातल में उतारते बच्चों को सहूलियत पहुंचाने के लिए शिकायत दर्ज करने को बात कह रहे है।

नया साल के उपलक्ष्य में प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला जुरगुम के छात्रों को कराया गया न्योता भोजन

पायनियर संवाददाता < जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने गृह ग्राम बगिया में आश्रम शाला के बच्चों को अपने जन्मदिवस पर न्योता भोजन कराने की जो शुरुआत की थी इसका एक सकारात्मक संदेश समाज के बीच गया है। इसी परिप्रेक्ष्य में नया साल के पहले दिन 01 जनवरी 2025 को विकासखंड बगीचा के प्राथमिक शाला एवं माध्यमिक शाला जुरगुम के 136 छात्र-छात्राओं को न्योता भोजन परोसकर इस दिन को यादगार बनाया गया। प्राथमिक शाला जुरगुम के 75 एवं माध्यमिक शाला जुरगुम के 61 बच्चों को भजिया, टमाटर की चटनी, पुड़ी, छोला, दाल फ्राई, आलू गोभी मटर की सब्जी तथा अण्डा करी परोसा गया। सभी बच्चों



को शाला प्रांगण के आंगन में बारी-बारी से न्योता भोजन कराया गया। बच्चे नए साल के उपलक्ष्य में स्वादिष्ट तथा रुचिपूर्ण भोजन पाकर अत्यंत प्रसन्न थे। इस दौरान विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी बगीचा एम. आर. यादव, सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं और विद्यालय के अन्य कर्मचारी मौजूद थे। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना में समुदाय की भागीदारी जोड़ते हुए न्योता भोजन की अन्तुष्टि पहल की गई है। सामुदायिक जन भागीदारी पर आधारित इस कार्यक्रम का आयोजन

कलेक्टर ने अनुपस्थित पाए जाने वाले अधिकारी, कर्मचारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के लिए निर्देश

पायनियर संवाददाता < बेमेतरा
www.dailypioneer.com

कलेक्टर रणबीर शर्मा ने कलेक्टरट परिसर के विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सरकारी कार्यप्रणाली की समीक्षा की और कार्यालयों की व्यवस्थाओं का जांच लिया। उन्होंने कर्मचारियों को कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों और कर्मचारियों से जनहित में तेजी से कार्य करने को कहा, ताकि जनता को सेवाओं का लाभ समय पर मिल सके। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कर्मचारियों के कार्यालय में आने और जाने के समय का निरीक्षण किया। उन्होंने उपस्थिति रिकार्ड की जांच की और यह सुनिश्चित किया कि सभी कर्मचारी समय पर कार्यालय में उपस्थित रहें। इसके साथ ही, उन्होंने लंच ब्रेक की अवधि और उसके दौरान कर्मचारियों की उपस्थिति को भी



जांचकी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि लंच ब्रेक के बाद सभी कर्मचारी समय पर वापस कार्यस्थल पर उपस्थित हों, ताकि सरकारी कामकाज में कोई रुकावट न हो। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों की उपस्थिति पंजी का भी अवलोकन किया। उन्होंने उपस्थिति पंजी में दर्ज कर्मचारियों के समय पर आने और जाने की जानकारी ली। कलेक्टर ने यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि सभी कर्मचारी नियमित रूप से अपनी उपस्थिति सही समय पर दर्ज करें। उन्होंने यह भी कहा कि अनुशासनहीनता या देरी पर सख्त कार्रवाई की जाएगी, ताकि

मेजन फ्रेश के 'सुपर वैल्यू डेज' में 1 जनवरी से 7 जनवरी तक अविश्वसनीय बचत के साथ करें नए साल की शुरुआत

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

नया साल नएपन और जश्न की भावना अपने साथ लेकर आता है और यह अपने त्योहारों और सर्दियों के लिए जरूरी सामान खरीदने का बिजकुल सही समय है। अमेजन फ्रेश के सुपर वैल्यू डेज में 1 जनवरी से 7 जनवरी तक खैक्स, पेयपदार्थ, पर्सनल केयर, बेबी केयर और पेट्री स्टैपल सहित कई तरह के उत्पादों पर 50% तक की छूट का आनंद लें। आपके पसंदीदा समय पर स्लॉटेड डोरस्टेप डिस्कोवरी को सुनिश्चित के साथ डेव, आशीर्वाद, फॉर्च्यून, हिमालय, और नेस्ले जैसे विश्वसनीय ब्रांड्स को आजमाएं और अपने घर को इस मौसम के लिए अच्छे तरह तैयार करें। ग्राहक हों या पुराने, हर कोई बेहतरीन डील और वैल्यू ऑफर का आनंद लेसकता है, जिससे आने वाले सीजन

के लिए बड़ी बचत सुनिश्चित होगी। प्राइम ग्राहक 45% तक की छूट के साथ-साथ फ्लैट 400 ₹. कैशबैक और वीकेंड पर फलों और सब्जियों पर अतिरिक्त 50 ₹. कैशबैक का आनंद ले सकते हैं। साथ ही मुफ्त डिस्कोवरी भीपा सकते हैं। सभी नए ग्राहक 45% तक की छूट के साथ, 400 ₹. का फ्लैट कैशबैक और मीट, सीफूड और अंडों पर 60 ₹. का अतिरिक्त कैशबैक पा सकते हैं। सुपर सेवर्स पर 50% तक की छूट के साथ सर्दियों में आरामदायक गर्मी का आनंद लें, जो आपके सर्दियों केमौसम को और भी खास बना देगा। 1 जनवरी से 4 जनवरी तक आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट और डेबिट कार्ड से खरीदारी पर अतिरिक्त 10% की बचत का लाभ लें, जिससेयह खरीदारी और बचत करने का सबसे सही समय बन जाएगा।

बौद्ध समाज द्वारा डा.अंबेडकर सांस्कृतिक भवन में शहीदों को आदरांजलि दी गई



पायनियर संवाददाता < दक्षीराजहरा
www.dailypioneer.com

1 जनवरी 1818 को भीमा कोरेगांव महाराष्ट्र में महारों और पेशवाओं के भीषण संग्राम हुआ था जिससे 500 महार सैनिकों ने 28000 पेशवाओं की सेना को नेस्तनाबूत कर भारत को जाति मुक्त और लोकतांत्रिक बनाने की दिशा में पहला ऐतिहासिक कदम बढ़ाया था। इस ऐतिहासिक जीत को याद करते हुए छत्तीसगढ़ बौद्ध समाज पुराना बाजार दक्षीराजहरा द्वारा डा.अंबेडकर सांस्कृतिक भवन में शहीदों को आदरांजलि दी गई। जिसमें छत्तीसगढ़ बौद्ध समाज के अध्यक्ष रवि बारसागड़े, उपाध्यक्ष भूपेश

सहारे, पूर्व उपाध्यक्ष बिसन कांडे, सत्या पवार, मनीष बरसागड़े, महिला मंडल अध्यक्ष आशा नोनहरे, उपाध्यक्ष मंजु मेश्राम, सचिव प्रीती मेश्राम, किरण नोनहरे, चित्ररेखा सहारे, दुर्गा बरसागड़े, यामिनी नोनहरे, मंजु बांबेधर, मुस्कान बांबेधर, आंचल मेश्राम, पविता चुनारकर, सरस्वती सुखदेवे, रिकी उके एवम भविष्य में बहुजन महापुरुषों की महान विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए हमारे बाल धम्म सभा के बच्चे उपस्थित रहे। साथ ही रवि कुमार बारसागड़े जी द्वारा उपस्थित सभी बौद्ध उपासक एवं उपासिकाओं का सादर आभार व्यक्त किया गया।

सीआरआई पंपस ने हासिल की एक बड़ी उपलब्धि: एमएसडीसीएल, मुंबई, महाराष्ट्र से 25,000 सोलर पंपिंग सिस्टम के लिए 754 करोड़ रुपयों का ऑर्डर प्राप्त किया

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

सीआरआई पंपस ने अपनी प्रतिबद्धता को स्थिरता और अक्षय ऊर्जा समाधान की दिशा में एक और महत्वपूर्ण मुकाम पर पहुंचाते हुए बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कंपनी को आधिकारिक तौर पर महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, मुंबई, महाराष्ट्र द्वारा 25,000 सोलर पंपिंग सिस्टम की आपूर्ति के लिए शामिल किया गया है। इस ऑर्डर का मूल्य 754 करोड़ रुपये है और यह मागेल त्याला सौर कृषि पंप योजना का हिस्सा है। इस नियुक्ति के साथ, सीआरआई पंपस अक्षय ऊर्जा समाधानों को अपनाने को बढ़ावा देने, महाराष्ट्र के कृषि परिदृश्य को सशक्त बनाने और एक हरित एवं अधिक स्थायी भविष्य में योगदान देने के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए, सीआरआई ग्रुप के चेयरमैन जी. सौंदरराजन ने कहा, हमारे लिए यह सम्मान की बात है कि एमएसडीसीएल ने इन सोलर पंपिंग सिस्टम की आपूर्ति के लिए हमें चुना है। यह बड़ा ऑर्डर नवाचार और ऊर्जा-कुशल, टिकाऊ पंपिंग समाधानों के विकास में सीआरआई की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। हमारी मजबूत निष्पानन क्षमताओं, गहन उद्योग विशेषज्ञता और



ओर तेजी से बढ़ रहा है, सीआरआई पंपस पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्थायी भविष्य सुनिश्चित करने वाले सौर पंपिंग सिस्टम प्रदान करने के प्रति पूरी तरह समर्पित है। 170,000 से अधिक सोलर पंपिंग सिस्टम और IoT-सक्षम स्मार्ट पंप की सफल स्थापना के साथ, सीआरआई पंपस ने स्थायी नवाचार में नए मानक स्थापित करना जारी रखा है। अपनी उन्नत पंपिंग तकनीकों के माध्यम से, सीआरआई पंपस ने ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरणीय स्थिरता में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। जिनमें लगभग 5,200 मिलियन यूनिट किलोवाट ऊर्जा की बचत और 4.13 मिलियन टन कार्बन उत्सर्जन में कमी शामिल है।

अमेजन फ्रेश के 'सुपर वैल्यू डेज' में 1 जनवरी से 7 जनवरी तक अविश्वसनीय बचत के साथ करें नए साल की शुरुआत

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

नया साल नएपन और जश्न की भावना अपने साथ लेकर आता है और यह अपने त्योहारों और सर्दियों के लिए जरूरी सामान खरीदने का बिजकुल सही समय है। अमेजन फ्रेश के सुपर वैल्यू डेज में 1 जनवरी से 7 जनवरी तक खैक्स, पेयपदार्थ, पर्सनल केयर, बेबी केयर और पेट्री स्टैपल सहित कई तरह के उत्पादों पर 50% तक की छूट का आनंद लें। आपके पसंदीदा समय पर स्लॉटेड डोरस्टेप डिस्कोवरी कीसुविधा के साथ डेव, आशीर्वाद, फॉर्च्यून, हिमालय, और नेस्ले जैसे विश्वसनीय ब्रांड्स को आजमाएं और अपने घर को इस मौसम के लिए अच्छे तरह तैयार करें। चाहे आप नए ग्राहक हों या पुराने, हर कोई बेहतरीन डील और वैल्यू ऑफर का आनंद लेसकता है, जिससे आने वाले सीजन के लिए बड़ी बचत सुनिश्चित होगी। प्राइम ग्राहक 45% तक की छूट के साथ-साथ फ्लैट 400 ₹. कैशबैक और वीकेंड पर फलों और सब्जियों पर अतिरिक्त 50 ₹. कैशबैक का आनंद ले सकते हैं, साथ ही मुफ्त डिस्कोवरी भीपा सकते हैं। सभी नए ग्राहक 45% तक की छूट, 400 ₹. का फ्लैट कैशबैक और मीट, सीफूड और अंडों पर 60 ₹. का अतिरिक्त कैशबैक पा सकते हैं। सुपर सेवर्स पर 50% तक की छूट के साथ सर्दियों में आरामदायक गर्मी का आनंद लें, जो आपके सर्दियों केमौसम को और भी खास बना देगा। 1 जनवरी से 4 जनवरी तक आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट और डेबिट कार्ड से खरीदारी पर अतिरिक्त 10% की बचत का लाभ लें, जिससे यह खरीदारी और बचत करने का सबसे सही समय बन जाएगा।

सैमसंग को भारत में एसी बिजनेस पर पूरा भरोसा, 2025 में लॉन्च करेगा नए विंड्री मॉडल

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

भारत के प्रमुख कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने 2025 में एयर कंडीशनर के एक दर्जन से अधिक मॉडल लॉन्च करने की योजना बनाई है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार दक्षिण कोरिया की उपकरण बनाने वाली प्रमुख कंपनी अपने उपभोक्ताओं की संख्या बढ़ाना चाहती है और भारत में रूम एसी सेगमेंट में एक पसंदीदा ब्रांड बनना चाहती है। सैमसंग के नए एसी मॉडल कंपनी के मालिकाना हक वाले बीस्पोक एआई समाधानों से पावर्ड होंगे और इसके द्वारा उन उपभोक्ताओं को लक्षित किया जाएगा जो प्रीमियम एसी खरीदना चाहते हैं। विश्लेषकों का कहना है कि रिफ्रिजरेटर और वॉशिंग मशीन की श्रेणियों में सैमसंग की बीस्पोक एआई रेंज के घरेलू उपकरणों को भारतीय बाजार में बहुत अच्छे रिस्पॉन्स मिला है और यह सैमसंग को रूम एयर कंडीशनर सेगमेंट में विस्तार करने के लिए एक मजबूत शुरुआत देता है। कंपनी की योजना से अवगत डीलरों ने कहा कि सैमसंग की नई एसी रेंज शक्तिशाली एयर कंडीशनर को लेकर उपभोक्ताओं की मांग को पूरा करेगी। इस रेंज में तेज और आरामदायक कूलिंग, ऊर्जा की बचत, सहूलियत और ड्यूरेबिलिटी को खूबसूरती के साथ मिलाया गया है। भारतीय रूम एयर-कंडीशनर (आरएसी) उद्योग उल्लेखनीय विकास के लिए तैयार है और कई विश्लेषकों ने 2025 में बिक्री की मात्रा में 20% से अधिक की वृद्धि का अनुमान लगाया है।

कबीरधाम बंशा प्रदेश का पहला जिला जहां सड़क सुरक्षा अनुभव कक्ष स्थापित उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सड़क सुरक्षा अनुभव कक्ष का किया उद्घाटन

पायनियर संवाददाता < कवठा
www.dailypioneer.com

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने परिवहन कार्यालय में राज्य का पहला सड़क सुरक्षा अनुभव कक्ष का उद्घाटन किया। यह कक्ष उपमुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में कबीरधाम जिले में स्थापित किया गया है, जो प्रदेश का पहला जिला बना है जहां इस प्रकार का अनुभव कक्ष स्थापित किया गया है। इस उद्घाटन समारोह में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कक्ष के सभी पहलुओं का अवलोकन किया और इसकी कार्यप्रणाली पर विस्तार से जानकारी ली। सड़क सुरक्षा अनुभव कक्ष का उद्देश्य नागरिकों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इस कक्ष में विभिन्न प्रकार की सड़क सुरक्षा संबंधित जानकारी और सामग्री प्रस्तुत की गई है, जिसमें वाहन चालकों को दुर्घटनाओं से बचाने के उपाय, ट्रैफिक नियमों के पालन, और सुरक्षित ड्राइविंग



के बारे में बताया गया है। कक्ष में विभिन्न वर्चुअल अनुभव, वीडियो, और मॉडल्स के कार्यप्रणाली पर विस्तार से जानकारी ली। सड़क सुरक्षा अनुभव कक्ष का उद्देश्य नागरिकों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इस कक्ष में विभिन्न प्रकार की सड़क सुरक्षा संबंधित जानकारी और सामग्री प्रस्तुत की गई है, जिसमें वाहन चालकों को दुर्घटनाओं से बचाने के उपाय, ट्रैफिक नियमों के पालन, और सुरक्षित ड्राइविंग के बारे में बताया गया है। कक्ष में विभिन्न वर्चुअल अनुभव, वीडियो, और मॉडल्स के कार्यप्रणाली पर विस्तार से जानकारी ली। सड़क सुरक्षा अनुभव कक्ष का उद्देश्य नागरिकों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इस कक्ष में विभिन्न प्रकार की सड़क सुरक्षा संबंधित जानकारी और सामग्री प्रस्तुत की गई है, जिसमें वाहन चालकों को दुर्घटनाओं से बचाने के उपाय, ट्रैफिक नियमों के पालन, और सुरक्षित ड्राइविंग

गलत का भेद सिखाया जाता है। माताओं की भूमिका बच्चों को जीवन के उचित और अनूचित कार्यों के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण होती है। इसी प्रकार यह सत्र समाज में सुरक्षा और नियमों के प्रति एक सकारात्मक सोच विकसित करेगा। उन्होंने कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रक्रिया को निरंतर जारी रखा जाए, ताकि हर व्यक्ति सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक हो सके। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने सड़क सुरक्षा अनुभव कक्ष के शुभारंभ में कहा कि अब ड्राइविंग लाइसेंस बनाने आने वाले व्यक्तियों को एक विशेष ऑडियो, वीडियो सत्र से गुजरना होगा। यह सत्र आवेदनकर्ताओं को ट्रैफिक नियमों और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक व्यक्ति ट्रैफिक

नियमों, चालान प्रक्रिया, और सुरक्षित वाहन संचालन के महत्व को गहराई से समझे। ऑडियो, वीडियो सत्र पूरा करने के बाद, प्रतिभागियों को एक प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। यह प्रमाण पत्र यह दर्शाएगा कि उन्होंने सड़क सुरक्षा के नियमों को समझ लिया है। यह सत्र लोगों को सड़क पर सही निर्णय लेने और सुरक्षा उपायों को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित करेगा। इससे न केवल ट्रैफिक नियमों के पालन में सुधार होगा, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं की संख्या भी कम होगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि विभागीय प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और जागरूकता बढ़ाने के लिए यह कदम उठाया गया है। यह सुनिश्चित करेगा कि ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने वाला हर व्यक्ति सड़क पर जिम्मेदारी से वाहन चलाए। उन्होंने कहा कि संपूर्ण छत्तीसगढ़ में इस प्रक्रिया की शुरुआत कवायों से की गई है। इसे पूरे राज्य में लागू किया जाएगा।

दैनिक राष्ट्रीय पायनियर के वार्षिक कैलेंडर का बीएमओ डॉ. रोशन बरियार ने किया विमोचन



मनोर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के स्टाॅप भी रहे मौजूद, कैलेंडर की सरहना की

पायनियर संवाददाता < जशपुर/मनोरा
www.dailypioneer.com

जिला स्तर पर भी राष्ट्रीय दैनिक पायनियर अखबार के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन किया जा रहा है। इसी कड़ी में वर्ष 2025 के कैलेंडर का प्रकाशन किया गया है। इसी कड़ी में वर्ष 2025 के कैलेंडर का प्रकाशन किया गया है।

वाहन चलाते समय यातायात नियमों का करे पालन : अग्रवाल

यातायात सुरक्षा अभियान अंतर्गत 31 जनवरी 2025 तक होंगे विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम

पायनियर संवाददाता < गरियाबंद
www.dailypioneer.com

कलेक्टर दीपक अग्रवाल एवं पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने गरियाबंद पुलिस द्वारा संचालित सड़क सुरक्षा माह वर्ष 2025 का शुभारंभ किया। इसके तहत सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा की थीम पर यातायात नियमों का पालन और सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया गया। यह अभियान 01 जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2025 तक चलेगा। अभियान का शुभारंभ पुलिस लाइन गरियाबंद से हेलमेट रैली निकालकर किया गया। रैली में कलेक्टर - एसपी सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं पुलिस के



जवानों ने हेलमेट पहन कर बाइक चलाते हुए लोगों को यातायात नियमों का पालन करने का संदेश दिया। यह रैली पुराने एसपी कार्यालय पर समाप्त हुई। यहां पर स्कूली बच्चों एवं आमजनों को यातायात नियमों के बारे में जानकारी

दी गई। इस अवसर पर अग्रवाल ने कहा कि सड़क सुरक्षा माह का मुख्य उद्देश्य वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करने के लिए लोगों को जागरूक करना है। जिससे सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ेगी एवं दुर्घटनाओं में कमी

आयेगी। उन्होंने लोगों को वाहन चलाते समय सड़क सुरक्षा संबंधी नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही स्कूली बच्चों को अपने घर एवं आसपास के लोगों को भी सड़क सुरक्षा के संबंध में जानकारी देने की बात कही। सड़क

सुरक्षा माह के शुभारंभ अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जितेंद्र चंद्रकर, एसडीओपी सुनिशा सिन्हा, आरटीओ प्रभारी रविंद्र ठाकुर, रक्षित निरीक्षक सनत ठाकुर, थाना प्रभारी ओमप्रकाश यादव सहित अन्य अधिकारी - कर्मचारी मौजूद रहे।

अल्ट्राटेक रावन सी एस आर द्वारा एसएचजी लीडर मीट का आयोजन

पायनियर संवाददाता < बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

संयंत्र प्रमुख राजेश शंकर तथा एफएच - एचआर करन मिश्रा के मार्गदर्शन में अल्ट्राटेक रावन सी एस आर द्वारा स्वयं सहायता समूह के नेतृत्वकर्ताओं का सम्मेलन का आयोजन सी एस आर परिसर ऑडिटोरियम में किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के 15 गैंगों के नेतृत्वकर्ता के अलावा अल्ट्राटेक रावन प्रशासनिक प्रमुख सजीव मिश्रा एच. आर प्रमुख सुधीर पंडा की गरिमायुगी उपस्थिति थीं।

इस अवसर पर नववर्ष की अग्रिम बधाई के साथ कार्यक्रम की शुरुवात की गयी इस कार्यक्रम में रंगारंग संस्कृतिक कार्यक्रम के अलावा विभिन्न मूठों पर महिला समूह लीडरों ने अपना विचार प्रस्तुत किया। संयंत्र प्रबंधन से संजीव मिश्रा ने समूह की महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों के साथ साथ



सामाजिक गतिविधियों तथा सेवा कार्य में शामिल होने की प्रेरणा दी वहीं पंडा ने समूह के सदस्यों के नेतृत्व विकास की क्षमता को सराहा तथा भविष्य में भी सफ़्त नेतृत्वकर्ता के रूप में तत्पर रहने की प्रेरणा दी तथा कहा की समाज के अन्दर व्याप्त बुराइयों को दूर करने में महिलाओं को संगठित होकर आगे आना चाहिये। अल्ट्राटेक रावन सी एस आर प्रमुख विनोद श्रीवास्तव ने समाज में संगठित होकर सामाजिक समरसता बढ़ाने की प्रेरणा दी। वहीं सी एस आर अधिकारी ज्योत्सना पति तथा रंजय पाण्डे के कार्यक्रम में उपस्थित रही। कार्यक्रम में 150 से अधिक महिला

समूह लीडरों की भागीदारी थी। समूह के नेतृत्वकर्ताओं द्वारा सड़क सुरक्षा कानूनी जानकारी तथा आय अर्जक गतिविधियों पर भी चर्चा की गयी। जिसमें प्राची पाण्डे ने कानूनी साक्षरता तथा सीएसआर प्रशिक्षण के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा रंगारंग नृत्य प्रस्तुति के साथ साथ नारी की विभिन्न भूमिका पर झांकी निकाली गयी। सीएसआर टीम के सदस्य द्वारिका वर्मा, सुरेंद्र कुमार यादव, जानकी यादव, हेमलता धुव, ताराचंद वर्मा, रमा वर्मा, टोपेवर्मा मानिकपुरी, पुर्णिमा साहू, बबिता वर्मा एवं सुधा वर्मा ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया।

एसपी कार्यालय के सामने होगा धरना-प्रदर्शन : आशीष

पायनियर संवाददाता < धमतरी
www.dailypioneer.com

बसपा जिलाध्यक्ष आशीष रात्रे ने बताया कि 23 दिसंबर को बिरेश्वर चौकी क्षेत्र के अन्तर्गत एक गांव की कालेज छात्रा सिहाद कालेज जाने के लिए घर से निकली थी। लेकिन देर रात तक घर नहीं लौटने पर उक्त छात्रा के परिजनों द्वारा 24 दिसंबर को बिरेश्वर चौकी में गुमशुदगी दर्ज कराई गई। 26 दिसंबर को धमतरी एसपी से परिवार के लोगों व्दारा मुलाकात किया गया। लेकिन आज दिनांक तक कालेज छात्रा का कोई पता



नहीं चला है जिससे परिवार वाले सदमे में है। पीड़ित परिवार वालों ने 2 जनवरी को एक आवेदन एसपी धमतरी को देते हुए कहा कि यदि जल्द से जल्द उक्त छात्रा

पूर्व विधायक की जयंती सेवा दिवस के रूप में मनाया गया

सिविल अस्पताल में मरीजों को किया गया फल वितरण

पायनियर संवाददाता < कुरुद, धमतरी
www.dailypioneer.com

का पता नहीं लगाया गया तो वे एसपी कार्यालय के सामने प्रदर्शन करेंगे। परिजनों के समर्थन में बसपा जिलाध्यक्ष आशीष रात्रे ने कहा कि इस पर यदि कार्यवाही नहीं हुई तो वे धमतरी एसपी कार्यालय के सामने प्रदर्शन करेंगे। श्री रात्रे ने बताया कि पूर्व में भी चौकी क्षेत्र के अन्तर्गत एक नाबालिग स्कूली छात्र को अज्ञात महिला व्दारा स्कूल के सामने से स्कूटी में बैठकर नागपुर ले गये थे जिसे पुलिस, परिवार वालों के सहयोग से तत्काल वापस लाया गया था।

कांग्रेस भवन कुरुद में कांग्रेस पार्टी के द्वारा कुरुद के पूर्व विधायक स्व.डॉ. चंद्रहास साहू की 89वें जयंती पर श्रद्धांजली अर्पित की गई। साथ ही सिविल हॉस्पिटल कुरुद में मरीजों को फल वितरण करके सेवा दिवस के रूप में मनाया गया। कांग्रेस भवन में कांग्रेसजनों ने स्व. डॉक्टर साहब की तस्वीर पर तिलक वन्दन व श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए शत.शत नमन किया। उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष शर्मा और वरिष्ठ कांग्रेस रामेश्वर साहू ने कहा कि स्व. डॉक्टर साहब हमारे प्रेरणास्रोत रहे हैं। वे अपने समय में कुरुद विधानसभा क्षेत्र में विधायक के रूप में जनसेवा करते हुए एक



मिसाल पेश किए। वे गरीबों के सच्चे मसीहा, सेवा एवं सादगी के प्रतीक, कुरुद विधानसभा में मरीजों के एवं चिकित्सा स्टाफ को फल बिरिस्किट वितरण करके सेवा दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष तपन चंद्रकर, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष राजकुमारी दीवान, पूर्व मंडी अध्यक्ष नीलम चंद्रकर, कांग्रेसी प्रहलाद चंद्रकर, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष रमेश्वर साहू, ब्लॉक अध्यक्ष आशीष शर्मा, युकां विधानसभा अध्यक्ष पाण्डे देवव्रत

सभी शत.शत नमन करते हैं। कार्यक्रम की अंतिम कड़ी में पश्चात सिविल हॉस्पिटल कुरुद में मरीजों के एवं चिकित्सा स्टाफ को फल बिरिस्किट वितरण करके सेवा दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष तपन चंद्रकर, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष राजकुमारी दीवान, पूर्व मंडी अध्यक्ष नीलम चंद्रकर, कांग्रेसी प्रहलाद चंद्रकर, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष रमेश्वर साहू, ब्लॉक अध्यक्ष आशीष शर्मा, युकां विधानसभा अध्यक्ष पाण्डे देवव्रत

समूह लीडरों की भागीदारी थी। समूह के नेतृत्वकर्ताओं द्वारा सड़क सुरक्षा कानूनी जानकारी तथा आय अर्जक गतिविधियों पर भी चर्चा की गयी। जिसमें प्राची पाण्डे ने कानूनी साक्षरता तथा सीएसआर प्रशिक्षण के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा रंगारंग नृत्य प्रस्तुति के साथ साथ नारी की विभिन्न भूमिका पर झांकी निकाली गयी। सीएसआर टीम के सदस्य द्वारिका वर्मा, सुरेंद्र कुमार यादव, जानकी यादव, हेमलता धुव, ताराचंद वर्मा, रमा वर्मा, टोपेवर्मा मानिकपुरी, पुर्णिमा साहू, बबिता वर्मा एवं सुधा वर्मा ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया।

समूह लीडरों की भागीदारी थी। समूह के नेतृत्वकर्ताओं द्वारा सड़क सुरक्षा कानूनी जानकारी तथा आय अर्जक गतिविधियों पर भी चर्चा की गयी। जिसमें प्राची पाण्डे ने कानूनी साक्षरता तथा सीएसआर प्रशिक्षण के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा रंगारंग नृत्य प्रस्तुति के साथ साथ नारी की विभिन्न भूमिका पर झांकी निकाली गयी। सीएसआर टीम के सदस्य द्वारिका वर्मा, सुरेंद्र कुमार यादव, जानकी यादव, हेमलता धुव, ताराचंद वर्मा, रमा वर्मा, टोपेवर्मा मानिकपुरी, पुर्णिमा साहू, बबिता वर्मा एवं सुधा वर्मा ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया।

हुसैनी के निधन पर पत्रकारों ने दी श्रद्धांजली



पायनियर संवाददाता < धमतरी
www.dailypioneer.com

ज्याउल हुसैनी के निधन पर कचहरी चौक स्थित मीडिया सेंटर में पत्रकारों द्वारा उन्हें भावभीन श्रद्धांजली अर्पित कर उनकी सेवाओं को याद किया। इस अवसर पर पत्रकार दीपक लाखोटिया, सुधीर गुप्ता, सुनील शर्मा, एम ए फहीम, रंजीत

छाबड़ा, भोजराज साहू, मुकेश जैन, प्रेम मंगेंद्र, आशीष बंगानी, त्रिलोकी देवांगन, पवन साहू, रितेश यादव, शमशाद खान, अवधेश साहू, डोमन साहू, योगेश साहू, रामकृष्ण सिंह ठाकुर, संजय कौशिक सहित अनेक पत्रकारों ने वरिष्ठ पत्रकार ज्याउल हुसैनी के असामयिक निधन पर दुःख प्रकट किया।

प्राथमिक शाला बड़ेटेमरी में न्यौता भोज आयोजित



पायनियर संवाददाता < भंडरपुर
www.dailypioneer.com

विकासखंड शिक्षा अधिकारी जेआर डहरिया, विकासखंड स्रोत समन्वयक डॉ. पूर्णानंद मिश्रा, एबीईओ

बद्रीविशाल जोल्हे, विनोद शुक्ला, लोकेश्वर सिंह कंवर, संकुल नोडल प्राचार्य शरद प्रधान के मार्गदर्शन में बसना विकासखंड के संकुल केन्द्र बड़ेटेमरी अंतर्गत

शासकीय प्राथमिक शाला बड़ेटेमरी में प्रधान पाठक वारिशा कुमार और सहा. शिक्षक नीलम कुमार, मथामणि साहू ने स्वप्रेरित होकर समस्त छात्रों को न्यौता भोज कराया गया। जिससे मिर्च, केक, चॉकलेट, पानी, बोतल और गुलाब जामुन वितरण कर न्यौता भोज कराया गया, साथ ही शासन द्वारा प्रदत्त मिलेट्स बार भी ससाह में तीन दिवस छात्रों को वितरण किया जा रहा है, जिससे समस्त छात्रों को मध्याह्न भोजन के साथ पूरक पोषण भी प्राप्त हो सके। शाला परिवार की ओर से सभी पालकों को ऐसे कार्यक्रम करने हेतु प्रेरित किया गया, जिससे मध्याह्न भोजन के साथ ही साथ अतिरिक्त पोषण प्राप्त हो सके।

पराजय के भय से निकाय चुनाव टालने का षडयंत्र कर रही भाजपा : विनोद चंद्रकर

सरकार की कार्यशैली से प्रदेश में भारी जनाक्रोश

पायनियर संवाददाता < शहासमुंद
www.dailypioneer.com

पूर्व संसदीय सचिव व पूर्व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्रकर ने कहा कि प्रदेश में व्याप्त अपराजकता व सरकार के कार्यशैली से जनता में गहरी नाराजगी व आक्रोश व्याप्त है। प्रदेश के समस्त निकाय क्षेत्रों में साय सरकार के खिलाफ माहौल निर्मित हो गए हैं और निकाय चुनावों में भाजपा की संभावित पराजय के भय से सरकार निकाय चुनाव में अनावश्यक विलंब कर रही है। राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि निकाय चुनाव टालने का



मतलब है कि राज्य सरकार निर्वाचित प्रतिनिधि से जिम्मेदारी हटाकर निकायों को अप्सरशाही के हवाले करना चाहती है। ऐसा करके सरकार निकायों में अगले चुनाव तक घन उगाही का काम अधिकारियों के माध्यम से करने की साजिश कर रही है। आरक्षण प्रक्रिया में मनमानी पूर्वक बदलाव कर चुनाव को बाधित कर रहे हैं। अध्यक्ष व महापौर के लिए आरक्षण की प्रक्रिया अकारण ही 10 दिन आगे बढ़ा दिया गया। इससे स्पष्ट हो रहा है कि भाजपा सरकार नगरीय निकाय चुनाव की प्रक्रिया में जाने से डर रही, लगातार बहाने कर

रही है। छा की जनता साय सरकार के कामकाज से बेहद नाराज है, बिगड़ती कानून व्यवस्था, धान खरीदी में कुप्रबंधन, आरक्षक भर्ती टोपटाला, महतारी वंदन योजना में भ्रष्टाचार, अपराध, अपराधियों और भ्रष्टाचारियों को संरक्षण से यह सरकार जनता का भरोसा खो चुकी है, इसलिए चुनाव टाला जा रहा है। चंद्रकर ने कहा है कि कांग्रेस के दबाव में बैलेट पेपर पर चुनाव कराने सरकार मजबूर हुआ है। केवल स्थानीय निकाय ही नहीं, हर चुनाव बैलेट पेपर से होना चाहिए। विश्वसनीयता के लिए पारदर्शिता आवश्यक है। लोकतंत्र पर आम जनता का भरोसा कायम रहे इसके लिए बैलेट पेपर से चुनाव आवश्यक है।

ओबीसी समाज की बैठक 6 जनवरी को

पायनियर संवाददाता < महासमुंद
www.dailypioneer.com

निकाय, पंचायतसंस्था निर्वाचन 2025 के नगरीय निकायों के ओ. बी. सी. आरक्षण में राज्य सरकार द्वारा षडयंत्र पूर्वक कटौती कर रही है। ओ. बी. सी. आरक्षण संसोधन अध्यादेश 2024 लाकर, पूर्व के नियम में 25 त पिछड़ा वर्ग आरक्षण को कटौती कर दिया गया है और एस टी/एस सी को जहाँ उनकी जनसंख्या के अनुपात में 50 प्रतिशत आरक्षण मिलता है उसकी तुलना में पिछड़ा वर्ग को कोई आरक्षण नहीं मिलेगा। शेष 50 त सीट



सामान्य वर्ग (आनक्षित) हो जायेगा। इस तरह छत्तीसगढ़ प्रदेश के ग्राम पंचायतों के वार्ड से लेकर सरपंच, जनपद पंचायत सदस्य, जिला पंचायत सदस्य, जनपद पंचायत अध्यक्ष, जिला पंचायत अध्यक्ष और नगरीय निकायों में पार्षद नगर पंचायत अध्यक्ष, नगर पालिका अध्यक्ष नगर निगम सदस्य, महापौर सभी पदों पर पदों पर निर्वाचन के लिए ओबीसी वर्ग को वंचित कर दिया गया है। वर्तमान पारित

अध्यादेश में अधिसूचित और अनुसूचित (पेसा) क्षेत्र आदिवासी इलाका बस्तर सरगुजा संभाग के सभी सीटों को 100 त आरक्षण एस टी/एस सी को मिल रहा है ओ बी सी वर्ग के लिये यहा पर आरक्षण शून्य हो गया है। जबकि पूर्व नियम के अनुसार वहाँ पर भी 25 त पिछड़ा वर्ग को आरक्षण मिलता था शेष 75 त सीट एस टी / एस सी को मिलता था। इस संबंध में प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जिला पंचायत

सदस्य जागेश्वर जुगनू चन्द्राकर ने बताया कि स्थानीय पंचायत निकायों के नये आरक्षण के विरोध में दिनांक 06/01/2025 दिन सोमवार को दोपहर 12.00 बजे श्री राम जानकी मंदिर गांधी चौक महासमुंद म एक बैठक आयोजित किया जाएगा ततपश्चात एक प्रतिनिधिमंडल महासमुंद जिला कलेक्टर को छत्तीसगढ़ के राज्यपाल एवं राज्य के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देकर मांग की जावेगी कि इन संस्थानों में पूर्व के नियम के अनुसार 25 त आरक्षण ओबीसी वर्ग को दिया जाये।

शराब पीने की सुविधा उपलब्ध कराने वाले होटल ढाबों और अवैध चखना सेंटर्स पर हुई कार्रवाई

पायनियर संवाददाता < बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

जिला बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस द्वारा आपरेशन विश्वास के तहत अवैध गतिविधियों में लिप्त आरोपियों, शांति भंग करने वाले असामाजिक तत्वों एवं जुआ, सट्टा का संचालन करने वाले तथा अवैध रूप से शराब बिक्री करने वाले आरोपियों की धरपकड़ कार्यवाही लगातार जारी है। इसी क्रम में जिला बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस टीम द्वारा 01.01.2025 को सायं के समय क्षेत्र अंतर्गत शराब भट्टे के पास अवैध रूप से चखना सेंटर का संचालन करने वाले, सड़क मार्ग के किनारे स्थित होटल, ढाबा, टेला आदि में पीने, बैठने



की सुविधा उपलब्ध करारक अवैध रूप से शराब पिलाने वाले कुल 04 आरोपियों के

विरुद्ध कार्यवाही किया गया है। पकड़े गए सभी 04 आरोपियों के विरुद्ध आबकारी एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत विधिवत कार्रवाई किया गया है। इस दौरान थाना भाटापारा शहर द्वारा 02 एवं थाना पलारी एवं सिमगा द्वारा 01-01 आरोपी के विरुद्ध कार्यवाही किया गया है। आरोपी कमलेश साहू उम्र 42 साल निवासी हथनीपारा वार्ड भाटापारा थाना भाटापारा शहर, जयकरण साहू उम्र 39 साल निवासी नेहरू वार्ड भाटापारा थाना भाटापारा शहर, लुकेश्वर चंद्राकर उम्र 38 साल निवासी ग्राम वटगन थाना पलारी, रविंद्र बंजारे उम्र 28 साल निवासी ग्राम लिमतरा थाना सिमगा के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

श्री गणपति महायज्ञ की तैयारियों को लेकर हुई बैठक, वृक्षारोपण भी किया गया

पायनियर संवाददाता < बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

जिला मुख्यालय में 16 जनवरी से 26 जनवरी तक होने वाले ग्यारह दिवसीय श्री गणपति महायज्ञ को लेकर यज्ञ स्थल दशरथा मैदान में यज्ञ समिति के सदस्यों एवं नगर के प्रबुद्ध जनों धर्मप्रेमियों ने बैठक कर महायज्ञ की तैयारी तथा उससे जुड़े सभी कार्यक्रमों पर चर्चा के साथ यज्ञ स्थल में निर्माणधीन यज्ञ मंडप का जायजा लिया एवं यज्ञ स्थल को सुंदर हराभरा बनाने वृक्षारोपण पौधरोपण भी किया

गया। महायज्ञ में आयोजित कार्यक्रम में प्रथम दिवस 16 जनवरी को बेटी पूजा कलश पूजा का कार्यक्रम प्रातः 9 बजे से प्रारम्भ हो जाएगा दोपहर 1 बजे संगीतमय कलशयात्रा गायक दीपक केशरवानी के साथ के पश्चात प्रसाद वितरण द्वितीय दिवस 17 जनवरी से प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक यज्ञ पुनः दोपहर 2 बजे से संध्या 6 बजे तक यज्ञ तत्पश्चात आरती उसके बाद कथा प्रवचन भजन जैसे मनमोहक ज्ञानवर्धक मंचीय कार्यक्रम प्रसाद वितरण तृतीय दिवस 18 जनवरी से रात्रि 9 बजे तक



प्रतिदिन आयोजित होना है जिसमें 17-18 जनवरी आराध्या देवी जी

कथावाचिका उरला छग 19 जनवरी संध्या परमपूज्य शंकराचार्य जी के

शिय श्री इंदुभवादे जी महाराज एवं मदकू द्वीप के महंत श्री राम स्ववरु दास जी महाराज का आशीर्वाचन सुनने का सौभाग्य क्षेत्रवासियों को प्राप्त होगा 20 जनवरी अशोक शास्त्री जी धमतरी 21 जनवरी छत्तीसगढ़ भाटापारा के प्रसिद्ध भजन गायक दीपक केशरवानी के अलावा 22 जनवरी श्याम सेवा मंडल द्वारा श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठ अयोध्या के एक वर्ष पूर्ण होने पर बाहर से आये भजन गायकों के मधुर भजनसंगीत 23-24 जनवरी वृंदावन से अदिति

कीशोरी जी द्वारा कथावाचन 25 जनवरी सुंदरकांड पाठ समिति रावन द्वारा संगीतमय सुंदरकांड का पाठ झांकी के साथ एवं 26 जनवरी महायज्ञ के अंतिम दिवस पूर्णाहुति पश्चात दोपहर 1 बजे कलश विजसन यात्रा गायक दीपक केशरवानी के साथ उसके पश्चात भोग भंडारा प्रसादी वितरण के साथ महायज्ञ का समापन होगा। समिति के सदस्यों ने सभी क्षेत्रवासियों से कलशयात्रा समेत सभी कार्यक्रमों में सहभागिता हेतु विश्व कल्याण सर्वजन हितार्थ होने जा रहे

इस परमपुण्य महायज्ञ की सकारात्मक ऊर्जा का लाभ लेने तथा तन मन धन से यथोचित सहयोग करने का आह्वान किया है। बैठक में पूर्व नगर अध्यक्ष अशोक जैन टेशुलाल धुरंधर योगेश अग्रवाल समिति के संरक्षक प. द्वारिका प्रसाद शास्त्री महेंद्र वर्मा मोतीराम वर्मा श्यामसुंदर केशरवानी सुरेंद्र जायसवाल प्यारेलाल सेन प्रेमनारायण केशरवानी मोरखज श्रीवास्तव खोडश राम कश्यप समिति के अध्यक्ष विवेक आनंद विनोद सचिव सपन केशरवानी सह सचिव

विनय गुप्ता कोषाध्यक्ष लक्ष्मंद अग्रवाल सह कोषाध्यक्ष संजयनारायण केशरवानी व्यवस्थापक शिवप्रकाश तिवारी कृष्णांनंद अग्रवाल कार्यकारिणी सदस्य अभिषेक निवारी राजेश केशरवानी नीलम दीक्षित महेश ठाकुर गजेन्द्र देवांगन नवनील अग्रवाल आयुष बरनवाल अशोक गुप्ता लाला ठाकुर कृष्णा राजपूत वीरेंद्र शर्मा कृष्णकुमार वर्मा अक्षर अग्रवाल योगेश शुक्ला दीप बाजपेयी प्रमोद शुक्ला गागीशंकर बाजपेयी रवि यादव राहुल सोनी इत्यादि अन्य उपस्थित रहे।

कबीरधाम जिले के किसानों की सामाजिक-आर्थिक उन्नति भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाने का महत्वपूर्ण योगदान

कलेक्टर ने किया भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाने का निरीक्षण



पायनियर संवाददाता < कवर्वा
www.dailypioneer.com

भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना में पेराई सत्र 2024-25 सुचारु रूप से जारी है। इसी क्रम में कलेक्टर एवं प्राधिकृत अधिकारी गोपाल वर्मा ने कारखाने का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रशासनिक भवन में गन्ना किसानों को जारी पंचियों और भुगतान प्रक्रिया की जानकारी ली। कलेक्टर वर्मा ने

कारखाना प्रबंधन को निर्देशित किया कि किसानों की सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए कारखाने का संचालन सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर वर्मा ने गन्ना विक्रय के लिए पहुंचे किसानों से चर्चा की और उनकी समस्याओं को सुना। इसके बाद उन्होंने मिल सेक्शन, पावर जनरेशन सेक्शन, और प्रोसेसिंग सेक्शन का निरीक्षण किया। उन्होंने कारखाने के अधिकारियों

और कर्मचारियों को पेराई सत्र 2024-25 के निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करने के निर्देश दिए। भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाने के प्रबंध संचालक जीएस शर्मा ने निरीक्षण के दौरान अवगत कराया कि अब तक कारखाने द्वारा रिपोर्टेड डेढ़ लाख मीट्रिक टन गन्ने की पेराई कर 1 लाख 29 हजार क्विंटल शक्कर का उत्पादन किया जा चुका है।

कारखाने द्वारा पेराई सत्र 2024-25 में 14.13 करोड़ का भुगतान

एमडी शर्मा ने बताया कि भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाने द्वारा पेराई सत्र 2024-25 में अब तक गन्ना किसानों को 14.13 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। 30 नवंबर 2024 तक गन्ना विक्रय करने वाले किसानों को 2.88 करोड़ रुपए का भुगतान 315.10 रुपए प्रति क्विंटल की दर से किया गया है। कलेक्टर ने निर्देशानुसार गन्ना किसानों को नियमित रूप से भुगतान किया जाएगा।

आयुक्त के निरीक्षण के दौरान नाली में कचरा डालते पाया, पहले साफ कराया उसके बाद लगाया फाइन



पायनियर संवाददाता < भिलाई
www.dailypioneer.com

नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र निरीक्षण के दौरान आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने देखा कि किराना दुकान के सामने एवं अन्य दुकान के सामने नाली में कचरा डाला गया है। प्लास्टिक पानी का गिलास, कुकुरे, चिप्स, गुटका, पान का रैपर आदि का हाथ के पैकेट पानी पाउच नाली में पड़ा था। जो उसे दुकानदार द्वारा बेचे गए ग्राहकों द्वारा फेंका गया था। वह अपने दुकान के सामने डस्टबिन भी नहीं रखा था। आयुक्त पहले सब साफ करवाये, उसके बाद कार्टवाइ के निर्देश दिए। जोन क्रमांक 01 अंतर्गत नाली में कचरा डालने एवं प्रतिष्ठान में

डस्टबिन नहीं पाये जाने वालों पर कार्यवाही की गई। वार्ड क्रं. 17 नेहरू भवन एवं वार्ड क्रं.18 कांटेक्टर कालोनी क्षेत्र का निरीक्षण किये। निरीक्षण के दौरान दुकानदार संचालकों द्वारा सिंगलयूज प्लास्टिक रखने एवं अनुज्ञति लाईसेंस नहीं रखने वाले पर कार्यवाही की गई। प्रमुख रूप से शासकीय उचित मूल्य दुकान, राजकुमार साहू, आकाश कुमार गुप्ता, अर्जुन साव, देव टेलर्स एवं रूखमणी देवी वाले पर चालानी कार्यवाही करते हुए कुल 4600 रुपये अर्थदण्ड वसूला गया। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं, कि जो भी व्यापारी सिंगलयूज प्लास्टिक में खादय सामग्री विक्रय

कर रहे है या व्यवसाय परिसर, फल ठेला के आस-पास गंदगी फैला रहे है या फिर गोला एवं सूखा कचरे को अलग-अलग डस्ट बिन में नही डाल रहे है। उनके पास जाकर उनसे चालानी कार्यवाही कर अर्थदण्ड वसूला जाए। व्यापारियों को बार-बार समझाइस देने के बाद भी कचरा पृथक कर नहीं दे रहे है एवं सिंगलयूज प्लास्टिक पर खादय पदार्थ बेच रहे है, और शहर की साफ-सफाई में जो व्यापारी सहयोग नही कर रहे है। उन पर अर्थदण्ड की कार्यवाही लगातार की जा रही है। कार्यवाही के दौरान जोन प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना, कमलेश द्विवेदी, संतोष हरमुख आदि उपस्थित रहे।

कर्मचारी घर-घर जाकर बना रहें हैं बुजुर्गों का आयुष्मान कार्ड, 98 वर्ष बुजुर्ग का बनाया आयुष्मान कार्ड

सरकार की योजना का लाभ हर जरूरतमंद को मिलें: कमिश्नर

पायनियर संवाददाता < दुर्ग
www.dailypioneer.com

शहर में घर घर जाकर आयुष्मान कार्ड बनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को पात्र जरूरतमंदों तक पहुंचाना है। नगर निगम कमिश्नर सुमित अग्रवाल द्वारा घर-घर आयुष्मान कार्ड शिबिर आयोजन को प्रभावी बनाने के लिए दीनदयाल अंत्योदय योजना, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन व मितानियों की टीम सहित अन्य कर्मचारियों की टीम गठित की गई है। यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी पात्र हितग्राही इन योजनाओं से दूर न रहे। बुजुर्गों एवं असमर्थ लोगों को उनके घर जाकर योजनाओं का लाभ देने के निर्देश दिए हैं। जिसके तहत घर पहुंचकर



आयुष्मान कार्ड बनाया गया है। कसारीडीह निवासी अवधधर्म चन्द्राकर 98 साल के बुजुर्ग के घर जाकर आयुष्मान कार्ड बनाया गया। शिबिर में सभी पात्र लाभार्थियों को योजनाओं की जानकारी प्रदान की जा रही है। कमिश्नर ने कहा कि सरकार की योजना का लाभ हर जरूरतमंद को मिलें। शिबिर में सभी पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से

जुड़ी पूरी जानकारी प्रदान कर लाभार्थियों के नाम सूचीबद्ध कर योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ देने का प्रयास किया जा रहा है। योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ लोगों का नया आयुष्मान कार्ड बनाया जाना है। इसके बाद वरिष्ठ नागरिक पंजीकृत किसी भी अस्पताल में पांच लाख तक निःशुल्क उपचार करवा सकेंगे।

स्वच्छता पर ध्यान, गंदगी फैलाने वाले 8 लोगों पर लगाया जुर्माना निगम क्षेत्र में सफाई व्यवस्था की नियमित हो रही मॉनिटरिंग

पायनियर संवाददाता < दुर्ग www.dailypioneer.com

स्वच्छता सर्वेक्षण के मद्देनजर नगर निगम प्रशासन द्वारा सफाई पर फोकस किया जा रहा है। निगम क्षेत्र में सफाई व्यवस्था की नियमित हो रही मॉनिटरिंग। इस क्रम में निगम कमिश्नर सुमित अग्रवाल ने वार्ड 54 पोर्टिया इलाके का निरीक्षण किया। इस दौरान होटल व पान ठेला दुकानदार द्वारा नाली व सड़क पर गंदगी फैलाने के कारण 8 लोगों से 200-200 कुल 1600 रुपये जुर्माने की कार्यवाही की गई। साथ ही दुकान के बाहर किराने कचरा फैलाने पर भी जुर्माना की कार्यवाही की गई। इस तरह चार दुकानदार पर जुर्माना लगाया गया। निगम कमिश्नर अग्रवाल के निर्देश पर स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेन्द्र मिश्रा के मार्गदर्शन में



स्वास्थ्य विभाग की टीम ने भी शहर के वार्ड 54 पोर्टिया क्षेत्र में भ्रमण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। कार्यवाही के दौरान स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने दुकानदारों को नियमित रूप से साफ-सफाई रखने और

गोला-सूखा कचरा अलग-अलग कर देने की समझाइश दी। स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि गंदगी फैलाने पर शहर में मार्केट क्षेत्र सहित विभिन्न स्थानों पर लगातार चालान की कार्यवाही लगातार जारी गई है।

निगम भिलाई एवं रिसाली क्षेत्र में 3 व 4 जनवरी को पेयजल आपूर्ति पूर्णतः रहेगी बाधित

पायनियर संवाददाता < भिलाई www.dailypioneer.com

नगर पालिक निगम भिलाई के 66 एम.एल.डी. जलशोधन संयंत्र से निगम भिलाई एवं रिसाली क्षेत्र में जलप्रदाय किया जाता है। 66 एम.एल.डी. जलशोधन संयंत्र के नगर निगम भिलाई क्षेत्र में स्थित उच्चस्तरीय जलागार को भरने वाली राईजिंग पाईप लाईन यातायात पुलिस थाना नेहरू नगर के परिसर में लिकेज हो गया है। जिसके कारण 24 घंटे पानी का बहाव हो रहा है। पाईप लाईन 800 एम.एम. डायमा का होने के कारण संधारण में लगभग 24 घंटे लगने की संभावना है। पाईप लाईन संधारण हेतु आवश्यक सामग्री संधारित कर ली गई है। पाईप लाईन संधारण 03.01.2025 को किया जायेगा। जिससे 04.01.2025 एवं 05.01.2025



को नगर निगम भिलाई के नेहरू नगर, स्मृति नगर, फरीद नगर, स्लॉटर हाउस, खहरिया एवं नगर निगम रिसाली के रूआबाधा, नेवाड़, मरोदा, रिसाली उच्चस्तरीय जलागारों में जलप्रदाय पूर्णतः बाधित रहेगी। संधारण कार्य पूर्ण होने पश्चात पूर्व की भांति जल प्रदाय किया जायेगा।

सभी व्यवस्थाओं को गरिमापूर्ण तरीके से करें सुनिश्चित कलेक्टर अग्रवाल ने अधिकारियों को सौंपे दायित्व

पायनियर संवाददाता < गरियाबंद
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का गरियाबंद जिले में प्रवास कार्यक्रम 05 जनवरी 2025 को संपादित है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जिला प्रवास के दौरान विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का लोकार्पण शिलान्यास करेंगे। इसी तारतम्य में कार्यक्रम की सभी तैयारियों के लिए कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने विभागीय अधिकारियों को दायित्व सौंपे हैं। प्रस्तावित कार्यक्रम हेतु जिला पंचायत सीईओ मती रीता यादव को नोडल अधिकारी एवं अपर कलेक्टर प्रकाश सिंह राजपूत को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। कलेक्टर ने कार्यक्रम के संबंध में की जाने वाली तैयारियों की जानकारी देने आज विभागीय अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने कार्यक्रम की सभी तैयारियां गरिमापूर्ण तरीके से सुनिश्चित करते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं समय में पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही मुख्यमंत्री प्रवास कार्यक्रम के लिए दिये गए दायित्वों का

मुख्यमंत्री प्रवास कार्यक्रम की सभी तैयारियां समय पर करें पूर्ण : कलेक्टर अग्रवाल



गंभीरतापूर्वक निर्वहन करने के भी निर्देश दिये। इस दौरान पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा, डीएफओ लक्ष्मण सिंह, जिला पंचायत सीईओ मती रीता यादव, अपर कलेक्टर प्रकाश राजपूत, संयुक्त कलेक्टर राकेश गोलखर सहित अन्य जिला अधिकारियों मौजूद रहे। कलेक्टर द्वारा अधिकारियों को सौंपे गए दायित्व आदेशानुसार पार्किंग, वाहन व्यवस्था, ट्रैफिक रूट चार्ट, कानून व्यवस्था, ब्लड रूफ व्यवस्था, कारकेट का दायित्व पुलिस विभाग को सौंपा गया है। इसी प्रकार वन

विभाग को हेलीपैड, सम्पूर्ण कार्यक्रम एवं सुरक्षा व्यवस्था हेतु बांस-बल्ली उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी दी गई है। लोक निर्माण विभाग को कार्यक्रम स्थल गरिमामय टैट के सम्पूर्ण व्यवस्था, मंच के समीप पृथक से हिलारिहियों स्टाॅल से मुख्य मंच तक आने हेतु सीढ़ी, रैम का आवश्यकतानुसार निर्माण तथा समस्त कार्यक्रम स्थल पर आवश्यकतानुसार समतलीकरण की जिम्मेदारी दी गई है। मंच की गरिमामय सजावट, साज-सज्जा, फूल, माला, बुके इत्यादि का

व्यवस्था एवं मंच तथा 'डी' क्षेत्र में गमले की समुचित व्यवस्था करने की जिम्मेदारी उद्यानिकी विभाग को दी गई है। लोक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग को लोकार्पण एवं भूमिपूजन की तैयारियों का दायित्व दिया गया है। शिक्षा विभाग को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन, बैच एवं अन्य कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन की संपूर्ण व्यवस्था उद्योगकों की व्यवस्था की जिम्मेदारी दी गई है। विद्युत यांत्रिकी विभाग को कार्यक्रम स्थल पर साउंड सिस्टम मंच एवं आसपास लाइट का सिस्टम की व्यवस्था एलईडी स्क्रीन लगवाना आपातकालीन जनरेटर सहित मंच व दर्शक दीर्घा में प्रकाश की व्यवस्था, कार्यक्रम पर एक दिवसीय पूर्व साउंड सिस्टम एवं एलईडी स्क्रीन की जांच पड़ताल कर पूर्णता रिपोर्ट प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी दी गई है। कार्यक्रम स्थल पर जीवन रक्षक दवाइयों के साथ चिकित्सा दल में एंजुलेंस नियुक्त करने

एवं उपचार की व्यवस्था सहित स्वास्थ्य शिबिर के आयोजन की जिम्मेदारी स्वास्थ्य विभाग को दी गई है। पीएचई विभाग को कार्यक्रम स्थल एवं पब्लिक एरिया पर स्वच्छ पेयजल तथा अन्य जगहों पर पेयजल व्यवस्था करने की जिम्मेदारी स्वास्थ्य विभाग को दी गई है। ग्राम मजकूद से पुलिस लाइन एवं कार्यक्रम स्थल पर साफ सफाई की व्यवस्था एवं अलग-अलग स्थान पर डस्टबिन उपलब्ध कराने हेतु नगर पालिका को दायित्व सौंपा गया है। कलेक्टर अग्रवाल ने कार्यक्रम स्थल की तैयारी, हेलीपैड व्यवस्था, टेंट, साफ-सफाई, मंच की तैयारी, सामग्री वितरण, सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य जरूरी व्यवस्थाओं की तैयारी शुरू कर सभी कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिये। कार्यक्रम में हिलारिहियों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित कर समर्थियों का वितरण किया जायेगा। विभागीय स्टाॅल लगाए जायेंगे।

कर वसूली अमला को स्पष्ट निर्देश डिलाई कोताही बर्दास्त नहीं की जाएगी

पायनियर संवाददाता < दुर्ग
www.dailypioneer.com

नगर पालिक निगम। कमिश्नर सुमित अग्रवाल के निर्देश पर राजस्व विभाग कम्परा नंबर 3 में राजस्व अधिकारी आरके बोरकर द्वारा पदभार लेते ही एक्शन मोड पर दिखे। उन्होंने बैठक में समस्त सहायक राजस्व निरीक्षकों व राजस्व उप निरीक्षकों की ली क्लाशाकर वसूली की समीक्षा की। साथ ही बड़े बकायेंदारों से कड़ाई कर करों की वसूली के निर्देश दिए। राजस्व अधिकारी आरके बोरकर ने वार्डवार वसूली एवं डिमांड की जानकारी ली। लेकर डिमांड के विरुद्ध वसूली करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सहायक राजस्व निरीक्षकों की डिमांड के विरुद्ध मकान की संख्या एवं सम्पत्ति करदाता के संबंध में मांग पंजी से मिलान करें। साथ ही वसूली में तेजी लाने जोर लगाए व शतप्रतिशत वसूली के निर्देश दिये। राजस्व



अधिकारी आरके बोरकर एवं सहायक राजस्व अधिकारी शुभम गोहर ने समीक्षा में समस्त सहायक राजस्व निरीक्षकों व राजस्व उप निरीक्षकों से उनके प्रभारित वार्डों की वार्डवार वसूली की जानकारी ली। लेकर डिमांड के विरुद्ध वसूली करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सहायक राजस्व निरीक्षकों की डिमांड के विरुद्ध मकान की संख्या एवं सम्पत्ति करदाता के संबंध में मांग पंजी से मिलान करें। साथ ही वसूली में तेजी लाने जोर लगाए व शतप्रतिशत वसूली के निर्देश दिये। राजस्व

है तो खूद टैक्स वसूली में साथ चलने की बात कही। उन्होंने कहा कि वसूली की प्रगति की जानकारी ली जावेगी, वसूली में कोताही बर्दास्त नहीं की जाएगी। समीक्षा बैठक में नामांतरण के प्रकरणों का त्वरित निराकरण करे और भवन पूर्णता के आधार पर संपत्तिकर अधिरोपित करें। जिससे करों में वृद्धि हो सके। उन्होंने कहा कि जल विभाग से सामंजस्य कर नये घरों से जलकर की वसूली करे। बैठक के मौके पर समस्त सहायक राजस्व निरीक्षकों व राजस्व उप निरीक्षकों मौजूद रहे।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने वनांचल ग्राम दलदली में 33/11 केव्ही विद्युत उपकेन्द्र का किया भूमिपूजन

पायनियर संवाददाता < कवर्वा
www.dailypioneer.com

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आज कबीरधाम जिले के सुदूर वनांचल ग्राम दलदली (दरई) में 33/11 के.व्ही. विद्युत उपकेन्द्र के निर्माण कार्य की आधारशिला रखी। उन्होंने विधिवत भूमि पूजन कर इस महत्वपूर्ण परियोजना की शुरुआत की, जो इस क्षेत्र के लिए बिजली संकट के समाधान के साथ-साथ विकास की नई संभावनाओं के द्वार खोलेंगी। यह विकास कार्य मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास मद के माध्यम से किया जाएगा। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम धुर्वे, नितेश अग्रवाल, काशीराम उडके, मोहन धुर्वे, मोती बैगा सहित लाभान्वित ग्रामों के पंच, सरपंच क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि और संकेडो की संख्या में ग्रामीणजन और पंडरिया



विद्युत संभाग के कार्यपालन अभियंता केके झा विद्युत विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार विकास को केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित न रखते हुए, सुदूर गांवों और वनांचल तक ले जाने के लिए कृतसंकल्पित है। उन्होंने कहा कि यह उपकेन्द्र न केवल बिजली

की समस्या को दूर करेगा, बल्कि क्षेत्र के विकास की रफ्तार को भी तेज करेगा। लंबे समय से इस इलाके के लोग लो-वोल्टेज और बार-बार बिजली आपूर्ति बाधित होने जैसी समस्याओं से जूझ रहे थे। इस नई परियोजना के पूरा होने के बाद यह समस्या हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि तरेगांव से निकलने वाली 11

के.व्ही. भरतपुर फीडर के जरिए करीब 70 किलोमीटर लंबी लाइन के माध्यम से 24 गांवों को बिजली आपूर्ति हो रही है, लेकिन लंबी दूरी और दुर्गम इलाकों के कारण बार-बार समस्याएं उत्पन्न होती थीं। अब इस नए विद्युत उपकेन्द्र के निर्माण से तीन नए 11 के.व्ही. फीडर टू मुंडादादर, धनवाही और बनगौरा फीडर के माध्यम से बिजली का सुचारु वितरण सुनिश्चित होगा। इस परियोजना पर 3.20 करोड़ रुपए की लागत आयेगी और इससे करीब 1170 उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह उपकेन्द्र केवल बिजली आपूर्ति का साधन नहीं है, बल्कि यह वनांचल क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास का आधार बनेगा। इससे गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और लघु उद्योगों को भी नई ऊर्जा मिलेगी।

न्यायालय तहसीलदार सरायपाली जिला-महासमुंद्र (छ.ग.)

// ईशतहार //

सर्वसाधारण जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक टीकाराम बरिहा पिता शोभाराम बरिहा जाति बिड़वार निवासी ग्राम लुकापारा तहसील सरायपाली द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया है कि ग्राम लुकापारा दिनांक 20/08/2008 को आवेदक के दादी मां धुरी की मृत्यु हो जाने से मृतक व्यक्ति का मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को किसी प्रकार का आक्षेप/दावा हो अथवा आवेदन प्रस्तुत करना हो तो वे स्वयं या अपने अधिभाषक के माध्यम से दिनांक 03/01/2025 को उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 19/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार सरायपाली

न्यायालय तहसीलदार सरायपाली जिला-महासमुंद्र (छ.ग.)

// ईशतहार //

सर्वसाधारण जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक टीकाराम बरिहा पिता शोभाराम बरिहा जाति बिड़वार निवासी ग्राम लुकापारा तहसील सरायपाली द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया है कि ग्राम लुकापारा दिनांक 24/04/2019 को आवेदक के पिता शोभाराम बरिहा की मृत्यु हो जाने से मृतक व्यक्ति का मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को किसी प्रकार का आक्षेप/दावा हो अथवा आवेदन प्रस्तुत करना हो तो वे स्वयं या अपने अधिभाषक के माध्यम से दिनांक 03/01/2025 को उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 19/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार सरायपाली

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग दन्तेवाड़ा, जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

ई मेल पता :- ee-res.Dantewada@nic.in

// संशोधन सूचना क्रमांक-1 //

क्रमांक/01/लेखा.ग्रा.या.सेवा/2025, दन्तेवाड़ा दिनांक-01/01/2025

इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित निविदा सूचना क्रमांक - 1277 / व.ले.लि. / ग्रा.या.सेवा /2024, दन्तेवाड़ा दिनांक 23.12.2024 द्वारा जारी निविदा को अपरिहार्य कारणों से निविदा तिथि में आंशिक संशोधन किया जाता है तथा निविदा की अन्य सामान्य शर्तें यथावत रहेंगी। जो निम्नानुसार है:-

पूर्व निविदा तिथि	संशोधित निविदा तिथि
(01) निविदा डाकनलॉड करने की अंतिम तिथि 04.01.2025	(01) निविदा डाकनलॉड करने की अंतिम तिथि 07.01.2025
(02) निविदा प्राप्ति का तिथि 10.01.2025	(02) निविदा प्राप्ति का तिथि 13.01.2025
(03) निविदा खोलने का तिथि 13.01.2025	(02) निविदा खोलने का तिथि 14.01.2025

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग दन्तेवाड़ा
जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

G-242505028/3

संपादकीय

चेन्नै बलात्कार कांड शर्मनाक स्थिति

चेन्नै के अना विश्वविद्यालय बलात्कार कांड में पीड़िता को दोषी ठहराने तथा प्रक्रियागत कर्मियों से शर्मनाक स्थिति पैदा हुई है। इससे तत्काल सुधार की आवश्यकता स्पष्ट होती है। अना विश्वविद्यालय में 19 वर्षीय लड़की के साथ बलात्कार ने एक बार फिर पूरे देश को शर्मिन्दा किया है। इससे जेंडर-आधारित हिंसा तथा प्रक्रियागत व्यवस्थाओं की कमियां स्पष्ट होती हैं। इस भयानक घटना में कानून लागू करने वाली एजेंसी की संवेदनशीलता से लोगों में तेजी से गुस्सा भड़का और जवाबदेही की मांग की गई। आरोप है कि 23 दिसंबर को गुणशेखरन ने वीडियो जारी करने की धमकी दे कर विश्वविद्यालय परिसर में एक छात्रा से बलात्कार किया। आरोपी ने पीड़िता को एक घंटे तक कब्जे में रखा तथा अपराध की वीडियो रिकार्ड की। चेन्नै पुलिस कमिश्नर ए. अरुण का कहना है कि तेजी से कार्रवाई कर उन्होंने आरोपी को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया, पर मद्रास उच्च न्यायालय ने मामले से निपटने में पुलिस की भयानक कमियां उजागर की हैं। यह खुलासा खासकर चिन्ताजनक था कि पुलिस वेबसाइट पर प्रकाशित प्रथम सूचना रिपोर्ट-एफआईआर में पीड़िता के विस्तृत विवरण सामने आए जिससे पीड़िता को शर्मनाक स्थिति और मानसिक पीड़ा का सामना करना पड़ा। उच्च न्यायालय ने इस पर पुलिस की खिंचाई की। जस्टिस एस.एम. सुब्रमण्यम तथा जस्टिस वी. लक्ष्मीनारायण की पीठ ने एफआईआर में प्रयोग भाषा की आलोचना करते हुए इसे 'महिला-ट्रेपी'

तथा पीड़िता को दोषी ठहराने की सोच का प्रतीक बताया। अदालत ने कहा कि ऐसी कमियों से पीड़िता के मूलाधिकारों का उल्लंघन हुआ है, जबकि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 में गरिमा की गारंटी दी गई है। इन कमियों को संबोधित करने के लिए अदालत ने एक विशेष जांच टीम-एसआईटी गठित करने का आदेश दिया जिसमें वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी मामले की जांच करेंगे। उसने तमिलनाडु सरकार को पीड़िता को 25 लाख रुपये अंतरिम मुआवजे के साथ उसे सुरक्षा देने का आदेश दिया। अदालत ने उचित ही ऐसे मामलों से निपटने में पुलिस की संवेदनशीलता तथा पेशेवर ढंग से काम करने पर जोर दिया है। यह कोई अलग-थलग घटना न होकर हमें भारत में व्यापक रूप से फैली यौन हिंसा की समस्या का प्रतीक है। समानता और गरिमा की संवैधानिक गारंटियों के बावजूद महिलाओं को व्यवस्थागत भेदभाव और हिंसा का सामना करना पड़ता है। पीड़िता को दोषी ठहराने की सामाजिक प्रवृत्ति के साथ संस्थागत संवेदनशीलता से उसकी पीड़ा बढ़ जाती है। उच्च न्यायालय ने महत्वपूर्ण सवाल पूछा है कि 'एक महिला क्यों आजादी से घूम-फिर नहीं सकती है, अपनी इच्छा से कपड़े क्यों नहीं पहन सकती है तथा बिना किसी आलोचना के किसी पुरुष से बात क्यों नहीं कर सकती है?' यह सवाल ऐसे समाज पर प्रहार है जो अभी भी पितृसत्ता में जकड़ा हुआ है। अदालत ने उचित ही बिना दोषारोपण के राज्य और समाज को महिलाओं की सुरक्षा करने का जिम्मेदार ठहराया है। इस घटना ने अना विश्वविद्यालय परिसर में सुरक्षा की कमी भी उजागर की है। बाहरी लोगों को आने जाने की बेलगाम अनुमति देने वाले विश्वविद्यालय ने आरोपी को परिसर में प्रवेश में आने से नहीं रोका। पुलिस के दृष्टिकोण पर भी सवाल हैं क्योंकि उसने बिना किसी जांच के अन्य संदिग्धों की संलिता को खारिज कर दिया है। अदालत ने राज्य से यह जांच करने को कहा है कि क्या प्रक्रियाओं के दौरान नियमों का उल्लंघन किया गया। इस प्रकरण से व्यवस्था में सुधार की तत्काल आवश्यकता उजागर होती है। कानून लागू करने वाली एजेंसियों को यौन हिंसा के मामलों में संवेदनशीलता बरतनी चाहिए। मोडिब्या को भी ऐसे मामलों की रिपोर्टिंग में संयम बरतना चाहिए, ताकि पीड़िता का कष्ट और न बढ़े।

सरकार को पीड़िता को 25 लाख रुपये अंतरिम मुआवजे के साथ उसे सुरक्षा देने का आदेश दिया। अदालत ने उचित ही ऐसे मामलों से निपटने में पुलिस की संवेदनशीलता तथा पेशेवर ढंग से काम करने पर जोर दिया है। यह कोई अलग-थलग घटना न होकर हमें भारत में व्यापक रूप से फैली यौन हिंसा की समस्या का प्रतीक है। समानता और गरिमा की संवैधानिक गारंटियों के बावजूद महिलाओं को व्यवस्थागत भेदभाव और हिंसा का सामना करना पड़ता है। पीड़िता को दोषी ठहराने की सामाजिक प्रवृत्ति के साथ संस्थागत संवेदनशीलता से उसकी पीड़ा बढ़ जाती है। उच्च न्यायालय ने महत्वपूर्ण सवाल पूछा है कि 'एक महिला क्यों आजादी से घूम-फिर नहीं सकती है, अपनी इच्छा से कपड़े क्यों नहीं पहन सकती है तथा बिना किसी आलोचना के किसी पुरुष से बात क्यों नहीं कर सकती है?' यह सवाल ऐसे समाज पर प्रहार है जो अभी भी पितृसत्ता में जकड़ा हुआ है। अदालत ने उचित ही बिना दोषारोपण के राज्य और समाज को महिलाओं की सुरक्षा करने का जिम्मेदार ठहराया है। इस घटना ने अना विश्वविद्यालय परिसर में सुरक्षा की कमी भी उजागर की है। बाहरी लोगों को आने जाने की बेलगाम अनुमति देने वाले विश्वविद्यालय ने आरोपी को परिसर में प्रवेश में आने से नहीं रोका। पुलिस के दृष्टिकोण पर भी सवाल हैं क्योंकि उसने बिना किसी जांच के अन्य संदिग्धों की संलिता को खारिज कर दिया है। अदालत ने राज्य से यह जांच करने को कहा है कि क्या प्रक्रियाओं के दौरान नियमों का उल्लंघन किया गया। इस प्रकरण से व्यवस्था में सुधार की तत्काल आवश्यकता उजागर होती है। कानून लागू करने वाली एजेंसियों को यौन हिंसा के मामलों में संवेदनशीलता बरतनी चाहिए। मोडिब्या को भी ऐसे मामलों की रिपोर्टिंग में संयम बरतना चाहिए, ताकि पीड़िता का कष्ट और न बढ़े।

सरकार को पीड़िता को 25 लाख रुपये अंतरिम मुआवजे के साथ उसे सुरक्षा देने का आदेश दिया। अदालत ने उचित ही ऐसे मामलों से निपटने में पुलिस की संवेदनशीलता तथा पेशेवर ढंग से काम करने पर जोर दिया है। यह कोई अलग-थलग घटना न होकर हमें भारत में व्यापक रूप से फैली यौन हिंसा की समस्या का प्रतीक है। समानता और गरिमा की संवैधानिक गारंटियों के बावजूद महिलाओं को व्यवस्थागत भेदभाव और हिंसा का सामना करना पड़ता है। पीड़िता को दोषी ठहराने की सामाजिक प्रवृत्ति के साथ संस्थागत संवेदनशीलता से उसकी पीड़ा बढ़ जाती है। उच्च न्यायालय ने महत्वपूर्ण सवाल पूछा है कि 'एक महिला क्यों आजादी से घूम-फिर नहीं सकती है, अपनी इच्छा से कपड़े क्यों नहीं पहन सकती है तथा बिना किसी आलोचना के किसी पुरुष से बात क्यों नहीं कर सकती है?' यह सवाल ऐसे समाज पर प्रहार है जो अभी भी पितृसत्ता में जकड़ा हुआ है। अदालत ने उचित ही बिना दोषारोपण के राज्य और समाज को महिलाओं की सुरक्षा करने का जिम्मेदार ठहराया है। इस घटना ने अना विश्वविद्यालय परिसर में सुरक्षा की कमी भी उजागर की है। बाहरी लोगों को आने जाने की बेलगाम अनुमति देने वाले विश्वविद्यालय ने आरोपी को परिसर में प्रवेश में आने से नहीं रोका। पुलिस के दृष्टिकोण पर भी सवाल हैं क्योंकि उसने बिना किसी जांच के अन्य संदिग्धों की संलिता को खारिज कर दिया है। अदालत ने राज्य से यह जांच करने को कहा है कि क्या प्रक्रियाओं के दौरान नियमों का उल्लंघन किया गया। इस प्रकरण से व्यवस्था में सुधार की तत्काल आवश्यकता उजागर होती है। कानून लागू करने वाली एजेंसियों को यौन हिंसा के मामलों में संवेदनशीलता बरतनी चाहिए। मोडिब्या को भी ऐसे मामलों की रिपोर्टिंग में संयम बरतना चाहिए, ताकि पीड़िता का कष्ट और न बढ़े।

भारत में वनों की स्थिति रिपोर्ट में वन क्षेत्र में वृद्धि रेखांकित की गई है, पर इसमें कुछ चिन्ताजनक प्रवृत्तियां भी सामने आती हैं जिनमें जंगलों में लगने वाली आग शामिल है।

कोटा श्रीराज

(लेखक, पर्यावरण पत्रकार हैं)

भारत में वनों की स्थिति रिपोर्ट, 2023-आईएसएफआर प्रकाशित हुई है। केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय वन सर्वेक्षण-एफएफएसआई द्वारा यह रिपोर्ट हर दो साल में प्रकाशित होती है, पर इस बार यह एक साल देरी से आई है। यह रिपोर्ट एक अच्छी खबर की तरह है क्योंकि इसमें भारत के वन एवं वृक्षाच्छादन क्षेत्र में 2021 से 1,289 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि दर्ज की गई है और यह 2023 में कुल भौगोलिक क्षेत्रफल के 25.17 प्रतिशत तक पहुंच गया है। इससे भारत का वन क्षेत्र 7,15,342.61 वर्ग किलोमीटर हो गया है। लेकिन इस रिपोर्ट में भारत में वनों की स्थिति में कुछ चिन्ताजनक आयाम भी प्रदर्शित हैं।

निकट अतीत में खासकर पहाड़ी राज्यों में जंगलों में आग लगने की घटनायें चिन्ताजनक रूप से बहुत तेजी से बढ़ी हैं। जंगलों की आग से हेक्टरों घने जंगल नष्ट हुए हैं, पहले से ही संकटग्रस्त इकोसिस्टम पर दबाव बढ़ा है तथा हिमालयी क्षेत्र की जैवविविधता को अप्रूपणीय नुकसान हुआ है। आईएसएफ रिपोर्ट में खासकर हिमाचल, उत्तराखंड व जम्मू कश्मीर में जंगलों की आग में वृद्धि प्रदर्शित की है। रिपोर्ट में विजिवल इन्फ्रेड इमेजिंग रेडियोमीटर सूट-वीआईआईआरएस से मिला डेटा प्रदर्शित किया गया है। इसके अनुसार हिमाचल प्रदेश में जंगलों की आग में चिन्ताजनक रूप से 1,339 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि जम्मू कश्मीर में 2,822 प्रतिशत वृद्धि के साथ स्थिति और चिन्ताजनक है। हालांकि उत्तराखंड की स्थिति बेहतर है और यहां आग लगने की घटनाओं में केवल 293 प्रतिशत वृद्धि हुई है।

ऐसे में सवाल उठता है कि महत्वपूर्ण जंगलों को राख में बदलने से रोकने के लिए सरकार क्या कर रही थी। दूसरी ओर रिपोर्ट में तेजी से गायब होते वन क्षेत्र का भी उल्लेख है। 2003 से 2023 के बीच 24,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में घने जंगल गायब हो गए। ज्यादा चिन्ताजनक यह तथ्य है कि यह नुकसान परिस्थितिकीय रूप से संवेदनशील पश्चिमी घाटों तथा नीलगिरि क्षेत्रों में हुआ है।



पश्चिमी घाटों को यूनेस्को विश्व विरासत जैवविविधता हॉटस्पॉट घोषित किया गया है जहां 58.22 वर्ग किलोमीटर जंगलों का नुकसान हुआ है। दूसरी ओर नीलगिरि में 123 वर्ग किलोमीटर की भारी कमी आई है। रिपोर्ट में पूर्वोत्तर क्षेत्र में 327.30 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र कमी दर्ज की गई है। दुःख की बात है कि घने जंगलों में अप्रूपणीय नुकसान को अधिकारियों ने चिन्ताजनक नहीं माना है, जबकि पहाड़ी जिलों में वनाच्छादन कुल भौगोलिक क्षेत्र का केवल 40 प्रतिशत रह गया है जो वन नीति द्वारा निर्धारित 66.6 प्रतिशत से कम है।

यह स्थिति बहुत चिन्ताजनक है क्योंकि भूखसलों और बाढ़ों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है जिसका कारण पहाड़ों पर जंगलों का कटना है। मृदा स्वास्थ्य, परिस्थितिकीय स्थिरता तथा भूखसलों व बाढ़ों से निपटने की क्षमता पहाड़ों पर उपयुक्त वनाच्छादन पर निर्भर करती है। द्विवाषिक आईएसएफ रिपोर्ट की शुरुआत 1991 से हुई थी और इसने देश को अपनी वन संपदा के आंकलन तथा भारत के वनीकरण प्रयासों की सफलता और समस्याओं के आंकलन का अवसर दिया है। लेकिन इस साल की रिपोर्ट की विशेषज्ञों ने आलोचना की है। उन्होंने इसकी कमियों की ओर संकेत करते हुए डेटा को 'बढ़ा-चढ़ा कर पेश करने' की बात कही है। उदाहरण के लिए, अनेक विशेषज्ञों ने बांस प्लांटेशनों, नारियल के बागों तथा अन्य बागों को वनाच्छादन क्षेत्र में शामिल करने की

ऐसा लगता है कि आईएसएफ रिपोर्ट जल्दी से तैयार की गई है और इसमें भारत का वनाच्छादन अधिक दिखाया गया है। इसका संबंध भारत में वनाच्छादन तथा वृक्षाच्छादन क्षेत्र बढ़ाने के लक्ष्य से है, ताकि इससे 2030 तक 2.5 बिलियन से 3 बिलियन टन अतिरिक्त कार्बनडाईआक्साइड अवशोषण को संभव बताया जा सके।

आलोचना की है क्योंकि इनका संबंध कृषिवानिकी से है और इनका पर्यावरण में कोई खास योगदान नहीं है। विशेषज्ञों की राय वनाच्छादन क्षेत्र में शामिल करने की

यूकेलिप्टस, अकेशिया व आम, नारियल, सुयाड़ी, चाय व काफ़े क्षेत्रों में छायादार पेड़ों को शामिल करने से वृक्षाच्छादन क्षेत्र में 1,289 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि हुई है। लेकिन यथार्थ यह है कि इन श्रेणियों के पेड़ों को वाणिज्यिक उद्देश्यों से उगाया जाता है और उनको उचित समय पर काट लिया जाता है। इनसे परिस्थितिकीय या जैवविविधता का मूल्य नहीं बढ़ता है, वन्यजीव संरक्षण नहीं होता है तथा वे प्रभावी 'कार्बन सिंक' का काम भी नहीं करते हैं। इसके साथ ही रिपोर्ट में वन क्षेत्रों या सरकारी रिकार्डों में वन के रूप में दर्ज क्षेत्रों के बीच कोई संबंध नहीं दिखाया गया है जिससे वनाच्छादन क्षेत्र में वृद्धि पर समस्या पैदा होती है।

इसके साथ ही विशेषज्ञों ने कहा है कि रिपोर्ट ने लाफार्म मामले में सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का पालन नहीं किया है जिसमें वन मानचित्रों के डिजिटलीकरण, दर्ज वन क्षेत्रों-आरएफए के जियो-रेफरेंसिंग तथा वन क्षेत्रों में परिवर्तन के दस्तावेजीकरण का आदेश दिया गया था। इन तत्वों की अनुपस्थिति के कारण रिपोर्ट की विश्वसनीयता कमजोर हो जाती है। बांधों, सड़कों, रेलवे व अन्य स्थाई निर्माणों के कारण वन भूमि का नुकसान हमेशा के लिए होता है, लेकिन इसे रिकार्डों से नहीं हटाया जाता है और इस प्रकार डेटा बढ़े दिखते हैं। भारत ने 'गैर वन प्रयोग' के कारण खुले व छिपे वन क्षेत्रों का 30,808 वर्ग किलोमीटर, मध्यम घने वनों का 14,073 वर्ग किलोमीटर तथा घने वनों का 1,816 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र खोया है।

ऐसा लगता है कि आईएसएफ रिपोर्ट, 2023 जल्दी से तैयार की गई है और इसमें भारत का वनाच्छादन अधिक दिखाया गया है। इसका संबंध भारत में वनाच्छादन तथा वृक्षाच्छादन क्षेत्र बढ़ाने के लक्ष्य से है, ताकि इससे 2030 तक 2.5 बिलियन से 3 बिलियन टन अतिरिक्त कार्बनडाईआक्साइड अवशोषण को संभव बताया जा सके। सरकार को वास्तविक वृक्षा गणना के आधार पर सही आंकड़े पेश करने चाहिए तथा इनमें प्लांटेशनों और बागों को नहीं शामिल करना चाहिए। सरकार को उन क्षेत्रों को भी वनक्षेत्रों से हटा देना चाहिए जिनको गैर-वन प्रयोग के लिए स्थाई रूप से दे दिया गया है। आईएसएफ रिपोर्ट भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका प्रयोग केन्द्र और राज्य सरकारों प्राथमिक सूचना स्रोत के रूप में करती है।

इसके साथ ही राज्य वन विभागों के पेशेवर अपने दायित्वों के प्रभावी वहन के लिए इस रिपोर्ट पर निर्भर करते हैं। भारत में वन संसाधनों के बारे में जानकारीयों और डेटा से वन संबंधी नीतियां, कार्यक्रम और विधायन बनाने में सहायता मिलती है। आईएसएफ रिपोर्टों के महत्वपूर्ण चरित्र को देखते हुए सरकारों को हालिया रिपोर्ट पर पुनः विचार कर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इसके बारे में उठे सवालों और संदेहों को विशेषज्ञों द्वारा प्रभावी ढंग से संबोधित किया जाए। सरकार की जिम्मेदारी है कि वह जीवन व सटीक डेटा के आधार पर रिपोर्टें जारी कर इनकी विश्वसनीयता बनाए रखे।

डरावने विचारों से मुक्ति

डरावने विचार अक्सर हमारे दिमाग पर हावी हो जाते हैं, जिससे सबसे खराब स्थिति के बारे में जुनून पैदा हो जाता है।

अजित कुमार बिश्नोई (लेखक, आध्यात्मिक उपदेशक हैं)

हम अक्सर डरावने विचारों से ग्रस्त हो जाते हैं। जुनून शब्द को अक्सर अनुचित विचार या भावना के साथ लगातार परेशान करने वाले व्याकुलता के रूप में परिभाषित किया जाता है। हम यहीं नहीं रुकते; हम सबसे बुरे के बारे में सोचते हैं। ऐसा होने की संभावना क्या है? लेकिन यह हमें इस सामान्य दोष से नहीं रोकता है, हम इसे स्वच्छ करने करते हैं। इसके आगे झुकने के कई कारण हैं। हमारे पास कई आसक्ति हैं। हम अच्छे परिणाम जैसी किसी चीज के लिए बेताब हैं, और कुछ जैसे कि हमें बीमार नहीं पड़ना चाहिए। दुर्भाग्य से, ये हमारे पिछले कर्मों (कर्मों) के आधार पर देवीय प्राधिकरण द्वारा तय किए जाते

हैं। इसमें हमारी कोई भूमिका नहीं है, और वे अपने निर्धारित समय पर प्रकट होते हैं। सौभाग्य से, वे बहुत कम ही सबसे बुरे होते हैं जिनके बारे में हम सोचते हैं। यदि ऐसा होता, तो जीवन नारकीय होता, जो कि ऐसा नहीं है। यह पृथ्वी ग्रह दुख का स्थान है (भगवद गीता 8.15) ठीक है, लेकिन किसी भी मानक से यह एकाग्रता शिविर नहीं है। लेकिन हमारी कल्पना की कोई सीमा नहीं है। अगला सबसे बड़ा अपराधी है सहन करने के लिए तैयार न होना। हम जीरो टॉलरेंस चाहते हैं। क्या यह संभव है? मौसम की तरह सब कुछ बदल रहा है। बुरे कर्मफल (बुरे कर्मों के परिणाम) निश्चित रूप से प्रकट होंगे क्योंकि यह कोई वैक्यूट नहीं है, हमारे पास निश्चित रूप से कई बुरे कर्मों वाला अतीत है। हम यहीं कैसे हैं, स्वर्ग में भी नहीं? हमें लगता है कि हम बुद्धिमान हैं, लेकिन शायद ही कोई इस गलती से बच पाता है। हाँ, हमें डरना चाहिए, क्योंकि यह हमें मूर्खतापूर्ण कार्य करने से बचाता है, लेकिन अत्यधिक भय गलत आकलन के



कारण होता है। उचित परिश्रम की आवश्यकता है। चौथा अपराधी लालच है। हमारी इच्छाएँ खुली हुई हैं। क्या यह बुद्धिमानी है? साक्ष्य बताते हैं कि बहुत अधिक

लालची होने के कारण पतन होता है। लेकिन लालची बनना और फिर परिणामों से डरना बिल्कुल भी समझदारी नहीं है। अत्यधिक तनाव भी भयभीत विचारों का कारण बनता है, खासकर

स्वास्थ्य के बारे में। इस संभावना को कम करने के लिए इससे बचना बेहतर है। हम नियंत्रण करना चाहते हैं और असमर्थ हैं। हम मूर्खतापूर्ण कार्य करते हैं और फिर सबसे बुरे से डरते हैं। यही कारण है कि हमें भी है, जो कोई भयग्रस्त विचारों के अधीन कर देना, स्वयं को ही अपना शत्रु बनाना है। भगवान कृष्ण ने इसके बारे में चेतावनी दी है (4.6)। इसी प्रकार, बुद्धि से इस प्रवृत्ति को रोकने की अपेक्षा की जाती है, लेकिन फिर, हम स्वयं को नुकसान पहुंचाने में कुछ आँचिल्य पाते हैं। यह हमारे ज्ञान पर भी एक दुखद टिप्पणी है, जिस पर हमें इतना गर्व है। जैसा कि हम समझते हैं, आत्मा की बहुत सीमाएँ हैं; उसे ईश्वर की शरण में रहना चाहिए। यही एकमात्र सार्थक समाधान है। मुझे इतना कठोर होने के लिए खेद है, लेकिन मानसिक

रोगों का प्रसार इसी ओर संकेत करता है। ईश्वर सृष्टि को नियंत्रित करता है (9.10) और इसलिए उसे इससे निपटने के लिए मार्गदर्शन और सहायता करनी होती है। अपने आप में, हम वास्तव में बहुत असहाय हैं। यह कैसे काम करता है? यह बहुत सरल है, लेकिन बहुत लंबा अभ्यास है, क्योंकि यह समस्या हमारे स्वभाव से जुड़ी है। मैं यही कहना हूँ। विशेषज्ञों द्वारा प्रभावी ढंग से संबोधित किया जाएँ। सरकार की जिम्मेदारी है कि वह जीवन व सटीक डेटा के आधार पर रिपोर्टें जारी कर इनकी विश्वसनीयता बनाए रखे।

सीरिया और इस्लामिकस्टेट : सावधानी और सतर्कता की जरूरत

प्रो बंदिनी कुमारी सीरिया में हाल ही में महत्वपूर्ण राजनीतिक और सैन्य परिवर्तन हुए हैं। 8 दिसंबर 2024 को विद्रोही गुटों ने राष्ट्रपति बशरअल-असद के 24 वर्षीय शासन को समाप्त कर दिया, जिससे वे रूस भागने पर मजबूर हुए। इस तख्तापलट के बाद, हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएएम) विद्रोही गुट ने मोहम्मदअल-बशीर को अंतरिम प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। चिन्ताजनक बात यह है कि कुछ कट्टरपंथियों द्वारा इन घटनाओं को इस्लामिक स्टेट (ISIS) की जीत के रूप में चित्रित करने या उन्हें व्यापक, देवीय स्वीकृत अभियान के हिस्से के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया जा रहा है और मध्य तक एशिया के युवाओं से अपील की जा रही है कि वे इस अभियान में शामिल हों। यह व्याख्या झूठी, भ्रामक और एक खतरनाक जाल है, जो युवाओं और संवेदनशील दिमाग के व्यक्तियों को गुमराह करने के लिए बना रहा है। मध्य पूर्व में कई अन्य लोगों की तरह, सीरियाई संघर्ष बहुआयामी है, जिसमें विभिन्न गुट नियंत्रण, प्रभाव और अस्तित्व के लिए

होड़ कर रहे हैं। आईएसआईएस के अवशेषों सहित कुछ चरमपंथी समूह इन घटनाक्रमों को अपने तथाकथित 'खिलाफत' के हिस्से के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश कर रहे हैं, और उसकी व्याख्या अपने कुत्सित उद्देश्यों को पूरा करने के लिए कर रहे हैं जो उनकी कट्टरपंथी विचारधारा में निहित एक अवधारणा है। गौरतलब है कि इस्लामिक शासन और 'खिलाफत' की वास्तविक अवधारणा को विकृत करके मध्य एशिया के तमाम कट्टरपंथी समूह अपने अपने राजनीतिक मंसूबों के लिए युवाओं को बलि का बकरा बना रहे हैं। इस्लामिक शासन की अवधारणा इस्लाम के धार्मिक और सामाजिक सिद्धांतों पर आधारित है। इसे आमतौर पर 'इस्लामी राज' या 'खिलाफत' के रूप में जाना जाता है। इस्लामिक शासन प्रणाली में परामर्श का सिद्धांत लागू होता है। इसे 'शूरा' कहा जाता है, जहां शासक और प्रजा के बीच विचार-विमर्श किया जाता है। यह लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का आधार है। दृष्टष्टुट के तहत तथाकथित 'इस्लामिक स्टेट' विनाशा, उत्पीड़न और आतंकवाद पर बनाया गया था। यह एक राजनीतिक इकाई थी

जिसने इस्लाम के मूल सिद्धांतों का उल्लंघन किया जैसे न्याय, दया और मानवीय सम्मान के लिए सम्मान। मुसलमानों में शांति और समृद्धि लाने के बजाय, दृष्टष्टुट ने पीड़ा, रक्तपात और विभाजन लाया। इस्लाम के नाम पर आतंकवाद, सांप्रदायिक हिंसा और क़रूरता की इसकी रणनीति ने न केवल आस्था को कमजोर किया है, बल्कि दुनिया भर के कई मुसलमानों का मोहभंग भी किया है। वे विजयी खिलाफत और चरमपंथी अब सीरिया में हो रहे घटनाक्रम को तथाकथित इस्लामिक स्टेट की जीत के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहे हैं। उनका उद्देश्य भावनाओं को भड़काकर और खुद को इस्लाम के 'सच्चे' रक्षक के रूप में पेश करके मुस्लिम युवाओं को अपने साथ जोड़ना है। वे विजयी खिलाफत के पुनर्जन्म की तस्वीर पेश करने के लिए लड़ाई, नारे और यहां तक कि 'जिहाद' के संदर्भों का उपयोग कर सकते हैं। हालांकि, यह कथा इस्लाम क्या सिरखाता है और जिहाद की अवधारणा का वास्तव में क्या अर्थ है, इस बारे में गलत समझ का आधार है। इस्लामी परंपरा में जिहाद मुख्य रूप से व्यक्तिगत सुधार और समाज में न्याय और धार्मिकता को

बनाए रखने का प्रयास है। यह बेवजह हिंसा या आतंकवाद के माध्यम से सत्ता स्थापित करने का आह्वान नहीं है। सच्चा जिहाद उत्पीड़न, अन्याय और अत्याचार से लड़ने के बारे में है, और यह कई रूपों में किया जा सकता है- शिक्षा, दान, शांतिपूर्ण प्रतिरोध या अपने समुदाय को आक्रामकता से बचाने के माध्यम से। यह कभी भी ऐसे समूह में शामिल होने के बारे में नहीं है जो धार्मिक कर्तव्य की आड़ में हिंसा और अराजकता को बढ़ावा देता है। सीरियाई संघर्ष और इसी तरह के संकटों को खिलाफत की स्थापना के रूप में पेश करने का कट्टरपंथी प्रयास बेहद भ्रामक है। ऐसे आंदोलनों में शामिल होने वाले युवा खुद को एक वैचारिक जालझंझा हुआ पा सकते हैं जो हिंसा, विनाश और व्यक्तिगत नुकसान की ओर ले जाता है, यह सब इस्लामिकी विकृत समझ के नाम पर होता है। इस्लाम का सच्चा मार्ग वह है जो शांति, न्याय और मानवता की भलाई को बढ़ावा देता है, न कि निरर्थक संघर्ष या सांप्रदायिक हिंसा को। मुस्लिम युवाओं को खुद को शिक्षित करने, ज्ञानी विद्वानों से मार्गदर्शन प्राप्त करने और इस्लाम की सच्ची शिक्षाओं को

समझने की आवश्यकता है। इस्लाम ज्ञान प्राप्त करने, न्याय के लिए प्रयास करने और समाज में सकारात्मक योगदान देने को प्रोत्साहित करता है। इस्लाम में हिंसा या विनाश का महिमामंडन नहीं किया गया है। शांति को बढ़ावा देना और सभी रूपों में चरमपंथ के खिलाफ खड़ा होना हर मुसलमान की जिम्मेदारी है। मुस्लिम युवाओं को याद रखना चाहिए कि सफलता का सच्चा मार्ग कुरान और सुन्नत की शिक्षाओं का पालन करने, न्याय और धार्मिकता की दिशा में काम करने और हर इंसान की गरिमा को बनाए रखने में निहित है। इस तरह, वे समाज में सकारात्मक योगदान दे सकते हैं, अपने विश्वास की रक्षा कर सकते हैं और उन लोगों द्वारा बिछाए गए खतरनाक जाल से दूर रह सकते हैं जो अपने चरमपंथी एजेंडे के लिए उनका शोषण करना चाहते हैं। -लेखिका समाज शास्त्र की प्रोफेसर हैं और उत्तर प्रदेश के डिग्री कॉलेज में कार्यकर्ता हैं। इस कॉलम में अपने विचार या प्रतिक्रिया भेजने के लिए हमारे ई-मेल pioneer.editorial@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

नववर्ष पर जिले की महिला अधिकारियों ने लिया लक्ष्य हासिल करने और मिले चुनौतियों का सामना करने का संकल्प

पायनियर संवाददाता < बालोद
www.dailypioneer.com

साल 2024 बीत गया है, जो कि हम सभी को अच्छे और बुरे, दोनों पल देकर गया है। बीते वर्ष सभी ने कुछ न कुछ संकल्प लिए थे, जिनमें से कुछ संकल्प पूरे भी हुए, कुछ नहीं भी हुए। जिनके नहीं हुए उन्हीं नए वर्ष से उसी संकल्प और प्रण के साथ आगे बढ़कर पूरा करने की ठानी है। जीवन में बेहतर संकल्प लेकर जीवन को नई दिशा देने के साथ अच्छे रास्ते पर चलकर खुद को और बेहतर किया जा सकता है। साल 2025 आ गया है और नए वर्ष से नई उमंगें व उत्साह जुड़ा होता है। बालोद जिले में भी लोगों ने अपने निजी व कार्य क्षेत्र में संकल्प लिया है। जिले के विभिन्न विभागों के कई प्रमुख महिला अधिकारियों ने लक्ष्य को हासिल करने, मिले चुनौतियों का सामना करने, अपने कार्य में शत प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने संकल्प लिया है। महिलाएं हर क्षेत्र में अहम भूमिका निभाकर अपनी



Monika Thakur (Addl. S.P.)

नए वर्ष में यही प्रयास रहेगा कि क्राइम को कम करना, लोगों और पुलिस के बीच अगर कहीं कुछ दूरियां हैं, तो उसे कम करना, ताकि लोग अपनी बात पुलिस के समक्ष खुलकर रख सकें। साईबर जागरूकता के माध्यम से लोगों को साइबर अपराध के बारे में बताना, यातायात नियमों के बारे में समझाना, अभी सड़क सुरक्षा सप्ताह भी चल रहा है, यातायात जागरूकता रथ गांव गांव जाकर ट्रेफिक नियमों के बारे में ग्रामीणों को बताएगा, उन्हें जागरूक करेगा। महिला व बच्चों से सम्बंधित अपराधों के बारे में स्कूल व कॉलेज में जाकर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, ये सभी जागरूकता कार्यक्रम जो चल रहे हैं, वह निरंतर चलता रहेगा।



काबलियत का लोहा मनवा रही हैं। गृहश्री से लेकर समाजसेवा और नैकरीपेशा में अपने कुशल नेतृत्व का परिचय दे रही हैं। यह महिलाओं का हौसला और जज्बा ही जो परिवार को संभालने के साथ-साथ समाजसेवा और नैकरी कर मुकाम हासिल कर रही हैं। नए वर्ष पर जिले की महिला अधिकारियों से नईदिनिया से बातचीत की और महिला सशक्तिकरण के लिए अहम भूमिका निभाने का संकल्प लिया।



और अपनी कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने के लिए प्रतिदिन समर्पित रह सकूँ। एक लोक सेवक के रूप में जनता की जरूरतों, समस्याओं का निदान करने का प्रयास कर सकूँ। कोशिश है कि हर छोटी बातों के लिए किसानों को भटकना न पड़े, पटवारियों को कड़ें निर्देश है कि तय सीमा में ही सारे कार्य वे संपादित करें, बेवजह ग्रामीणों को भटकना न पड़े।

नए साल में रिसोल्यूशन, लेना जिसे हम आम भाषा में बोलते हैं प्रण लेना। हर साल में कुछ न कुछ प्रण लेती हूँ, जिससे नए वर्ष में और बेहतर बन सकूँ। लेकिन हर वर्ष मेरे द्वारा जो प्रण लिया जाता है, वो पूरा नहीं होता कुछ प्रण अधूरे रहते हैं तो कुछ पूरे होते हैं। इन सब से जो मैंने सीखा है वह ये कि प्रकृति की जो ऊर्जा है, वो आपके अंदर एक नई ऊर्जा को संचालित करती है। हम प्रण लेते हैं या नहीं इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। जिंदगी निरंतर चलती है और आपको नए नए चुनौतियां का सामना करने के काबिल बनानी है, साथ ही एक बेहतर व्यक्ति बनाने के लिए प्रकृति हमें नए ढांचे में ढालती है। जो बहुत महत्वपूर्ण है।

'2024 में मेरे द्वारा अनुशासित रहने का संकल्प लिया गया, जो पूरा भी हुआ, एवं 2025 में मेरा यह संकल्प है कि बतौर लोक सेवक के रूप में अपनी दिनचर्या में ऐसी आदतों को शामिल करूँ, जिससे भविष्य में आने वाले हर उतार चढ़ाव के लिए मैं संयम और धैर्य के साथ आगे बढ़ सकूँ और अपनी कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने के लिए प्रतिदिन समर्पित रह सकूँ। एक लोक सेवक के रूप में जनता की जरूरतों, समस्याओं का निदान करने का प्रयास कर सकूँ। कोशिश है कि हर छोटी बातों के लिए किसानों को भटकना न पड़े, पटवारियों को कड़ें निर्देश है कि तय सीमा में ही सारे कार्य वे संपादित करें, बेवजह ग्रामीणों को भटकना न पड़े।

नए साल में रिसोल्यूशन, लेना जिसे हम आम भाषा में बोलते हैं प्रण लेना। हर साल में कुछ न कुछ प्रण लेती हूँ, जिससे नए वर्ष में और बेहतर बन सकूँ। लेकिन हर वर्ष मेरे द्वारा जो प्रण लिया जाता है, वो पूरा नहीं होता कुछ प्रण अधूरे रहते हैं तो कुछ पूरे होते हैं। इन सब से जो मैंने सीखा है वह ये कि प्रकृति की जो ऊर्जा है, वो आपके अंदर एक नई ऊर्जा को संचालित करती है। हम प्रण लेते हैं या नहीं इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। जिंदगी निरंतर चलती है और आपको नए नए चुनौतियां का सामना करने के काबिल बनानी है, साथ ही एक बेहतर व्यक्ति बनाने के लिए प्रकृति हमें नए ढांचे में ढालती है। जो बहुत महत्वपूर्ण है।



वर्ष 2024 में मेरे द्वारा व्यक्तिगत जीवन में 12 पुस्तक पढ़ने एवं पौधरोपण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसमें मैं 4 पौधे रोपण करने में और 10 पुस्तक पढ़ने में सफल रही। एवं मेरे पूरे परिवार के सदस्यों ने भी कलेक्ट्रेट परिसर में पौधरोपण किया। एसडीएम सर के मार्गदर्शन में कलेक्ट्रेट को हरा भरा कर प्रयास किया गया। बतौर लोकसेवक के रूप में अपनी दिनचर्या में योग्य, एक्सरसाइज, मेडिटीएशन करती हूँ। आगे भी यह निरंतर जारी रहेगा। खनि, अधिकारी के रूप में अपनी टीम के सहयोग से विगत वर्ष शासन द्वारा दिए गए राजस्व लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल हुई। इस वर्ष की मेरा यही लक्ष्य है कि मैं अपने टीम के सहयोग व साथ से लक्ष्य को प्राप्त कर सकूँ।

मौनिकी साहू, जिला खनि, अधिकारी,

प्राचीन प्रतिष्ठित मां महामाया मंदिर कुम्हारी का स्वामित्व माँ महामाया मंदिर कमिटी को सौंपा गया



पायनियर संवाददाता < कुम्हारी
www.dailypioneer.com

उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ के विद्वान न्यायाधीश ने माँ महामाया मंदिर ट्रस्ट कमिटी के पक्ष में 35 वाद विवाद मंदिर संचालन तथा मंदिर की परिसम्पत्तियों को पारदर्शिता पूर्वक नगर के श्रद्धालु जनों के ट्रस्ट माँ महामाया मंदिर कमिटी को सौंपा जाए, जिससे माता के मंदिर तथा परिसर को भव्यता प्रदान करते हुए समस्त भवनों को सुविधाएँ उपलब्ध की जा सकें। ज्ञात हो कि मंदिर की साफ सफाई, रख रखाव, पूजा-अर्चना देवांगन परिवार द्वारा लगभग अस्सी वर्षों से सतत किया जा रहा है। मंदिर की प्रसिद्धि नगर, प्रदेश, देश ही नहीं वरन विदेश में बसे भारतीय विशेषकर छत्तीसगढ़ के लोगों के मध्य विस्तारित है, हजारों की संख्या में चैत्र एवं शारदेय नवरात्र में प्रज्वलित कराये जाने वाले मनोकामना जोत इसका प्रमाण है। आस्था और श्रद्धा की देवी माँ महामाया के इस स्थल को एकाधिकार की स्थिति से बदलकर सार्वजनिक रूप से संचालित कर तीर्थ स्थल के रूप में विकसित किये जाने हेतु प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन था, जिस पर बिलासपुर

उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ के विद्वान न्यायाधीश ने माँ महामाया मंदिर ट्रस्ट कमिटी के पक्ष में 35 वाद विवाद मंदिर संचालन तथा मंदिर की परिसम्पत्तियों को पारदर्शिता पूर्वक नगर के श्रद्धालु जनों के ट्रस्ट माँ महामाया मंदिर कमिटी को सौंपा जाए, जिससे माता के मंदिर तथा परिसर को भव्यता प्रदान करते हुए समस्त भवनों को सुविधाएँ उपलब्ध की जा सकें। ज्ञात हो कि मंदिर की साफ सफाई, रख रखाव, पूजा-अर्चना देवांगन परिवार द्वारा लगभग अस्सी वर्षों से सतत किया जा रहा है। मंदिर की प्रसिद्धि नगर, प्रदेश, देश ही नहीं वरन विदेश में बसे भारतीय विशेषकर छत्तीसगढ़ के लोगों के मध्य विस्तारित है, हजारों की संख्या में चैत्र एवं शारदेय नवरात्र में प्रज्वलित कराये जाने वाले मनोकामना जोत इसका प्रमाण है। आस्था और श्रद्धा की देवी माँ महामाया के इस स्थल को एकाधिकार की स्थिति से बदलकर सार्वजनिक रूप से संचालित कर तीर्थ स्थल के रूप में विकसित किये जाने हेतु प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन था, जिस पर बिलासपुर

5 जनवरी से बाबा मोहतरा में श्री भागवत पुराण कथा

पायनियर संवाददाता < बेमेतरा
www.dailypioneer.com

जिला मुख्यालय बेमेतरा से 8 किलोमीटर की दूरी में स्थित ग्राम बाबा मोहतरा में दिव्य संगीतमय श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन समस्त ग्रामवासीयों द्वारा एवं महंत शेखर शरण देव महाराज के संरक्षण में आयोजित किया गया है 5 जनवरी से 13 जनवरी तक चलने वाली कथा की तैयारी प्रारंभ हो गई है 5 जनवरी को व्यास के रूप में श्री राधा कृष्ण मंदिर के महंत शुकदेव शास्त्री के



जाएगा श्रीमद् भागवत कथा के व्यास के रूप में श्री राधा कृष्ण मंदिर के महंत शुकदेव शास्त्री के

कृपा पात्र शिष्य भागवताचार्य गणेश्वर शास्त्री महाराज होंगे। जो कि वर्तमान में अखिल भारतीय संत समिति के प्रदेश सह सचिव भी हैं सभी भक्त जनो से आग्रह किया गया है की अधिक से अधिक संख्या में पधारें और 5 जनवरी से 13 जनवरी तक होने वाले भव्य आयोजन में ग्राम पुरोहित पंडित भेषज शुक्ला एवं मुख्य यजमान सावित्री मोहन साहू होंगे। श्रीमद् भागवत कथा में उपस्थित होकर भगवान के विभिन्न चरित्रों का श्रवण कर अपने जीवन को कृतार्थ करें।

विभिन्न क्षेत्रों में सेवा कार्य करने वाले का गौरव सम्मान से सम्मानित

पायनियर संवाददाता < बेमेतरा
www.dailypioneer.com

राठी, मयूर गंगवानी तथा गौ माता की सेवा के लिए देवेंद्र ताप्रकार को आध्यात्मिक व मैडिटेशन के लिए शशि दीदी ब्रह्मकुमारी प्रभारी एवं सिख समाज के अध्यक्ष समाज सेवा



समाजसेवी ताराचंद माहेश्वरी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 2024-25 में चयनित सीए शुभांगी सोनी, निकित

व स्वच्छता के लिए बेमेतरा गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ताराचंद माहेश्वरी ने कहा हमारा बेमेतरा धार्मिक व संस्कारिक नगरी है। यहां पर हर क्षेत्रों में सेवा करने का भाव है इसलिए यहाँ सामाजिक सदभावना है तथा नशामुक्त समाज बनाने के लिए हम सभी को मिल कर काम करना होगा। इस अवसर पर पाण्डे नीतू कोटरी, रेखा माहेश्वरी, अर्पित राठी, हरीश गंगवानी, प्रदीप सोनी, जगजीत सिंह, राजू सलुजा, रिंकू छबड़ा, सिख समाज के प्रमुख शामिल थे।

झेरिया यादव समाज कुम्हारी परिक्षेत्र के युवक युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन



पायनियर संवाददाता < कुम्हारी
www.dailypioneer.com

झेरिया यादव समाज कुम्हारी परिक्षेत्र का वार्ड क्रमांक 3 महामाया पारा स्थित सामाजिक भवन में बैठक आयोजित की गई। जिसमें मुख्य रूप से दुर्गा जिला उपाध्यक्ष मंगल यादव, भिलाई से शिवचरण यादव, राजू यादव, गोविंद यादव कुम्हारी अध्यक्ष गोपाल प्रसाद यादव सम्मिलित हुए। बैठक का शुभारंभ ईष्टदेव पूजा-अर्चना के साथ अतिथि स्वागत एवं उद्बोधन से प्रारंभ हुआ। बैठक में आगामी 19 जनवरी भिलाई-3 में जिला स्तरीय सामाजिक सम्मेलन एवं युवक-युवती परिचय कार्यक्रम को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। वहीं बैठक

में कुम्हारी परिक्षेत्र अंतर्गत सामाजिक गति विधियों में सहभागिता के साथ समाज को संगठित एवं मजबूत बनाने का संकल्प लिया गया। बैठक में वरिष्ठ मार्ग दर्शक के रूप में पूर्व पार्षद राधेलाल यादव, केजऊ यादव, भागीरथी यादव, सुंदर यादव, शिवकुमार यादव, नंदू, नंदलाल, अखिलेश, ईश्वर, देवनारायण, नरेंद्र यादव, वीरू यादव, मुकेश, पूनानंद, महिला प्रकोष्ठ में हेमलता यादव, रोहिणी यादव, बिंदा, तारिणी यादव, अमरीका यादव, लगनी यादव, सुखबती, पंचबती यादव, प्रतिमा यादव, रानी, उमा, गंगा, सुनीता यादव, खेमिन यादव सहित बड़ी संख्या में समाज के सदस्य उपस्थित रहे।

प्रधान पाठक ने जन्मदिन पर कराया नेवता भोजन

पायनियर संवाददाता < बेमेतरा
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग के महत्वपूर्ण योजना नेवता भोजन के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला बिटकुली, संकुल नवागांव, विकासखंड बेमेतरा में प्रधान पाठक पून लाल साहू ने अपने जन्मदिन पर प्राथमिक शाला एवं संलग्न पूर्व माध्यमिक शाला बिटकुली के बच्चों को नेवता भोजन कराया छ भोजन में खीर, पुरी हलवा अचार, पापड़ एवं सलाद दाल, चावल, सब्जी के साथ दिया गया। भोजन के पूर्व केक काटकर बच्चों ने शिक्षक को जन्मदिन की एवं नव वर्ष की बधाई दी, इस अवसर पर पूर्व माध्यमिक शाला के प्रधान पाठक तीर्थ राम साहू, संत कुमार बंजारे, विजेता भुवाल प्राथमिक शाला



पाटिल, देवेंद्र पाटिल कौशल पाटिल, सुरेश साहू नवागांव स्कूल से जितेंद्र कुमार पाटिल एवं झेरिया से देवनाथ साहू उपस्थित रहे।

नए वर्ष में मगरघटा स्कूल में बच्चों ने बनाये विविध त्यंजन

पायनियर संवाददाता < बेमेतरा
www.dailypioneer.com

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला मगरघटा विकासखण्ड नवागढ़ में बच्चों ने नए वर्ष का स्वागत विविध पकवान बनाकर किया। नए वर्ष के पहले दिन छत्र छात्राओं के बीच में पाक कला प्रदर्शनी कार्यक्रम का आयोजन किया गया गया था। जिसमें कक्षा 6वीं, 7वीं और 8वीं के सभी बच्चों ने पूरे उत्साह से भाग लिया। सभी बच्चे पकवान बनाने का समान अपने घर से लाए और विद्यालय परिसर में ही कई समूहों में बंटकर तुरंत बनाए। बच्चों के द्वारा पूरे उत्साह से कुछ पारंपरिक और कुछ पाश्चात्य त्यंजन बनाए गए। जिसमें खीर, पुरी, टमाटर चटनी, गुलाबजामुन, मोमोस, चाइनीज पकोड़ा, सबूदाना की बड़ा, गाजर का हलवा, आलू पकौड़ा, मैगी, गुपचुप, पराठ, कई स्वादिष्ट सब्जियां जैसे लौकी कोफते, आलू गोभी मटर और कढ़ी भी बनाये गये। पकवान को बनाने के उपरांत सभी बच्चों ने उसे अपनी थाल में बहुत सुंदर ढंग से सजाकर प्रदर्शन के लिए टेबल में रखे गये। जिसे सभी शिक्षक गण



एवं प्रदर्शन की भावना का भी विकास होता है। इस प्रकार बच्चों ने अंग्रेजी नववर्ष में नए नए पकवान बनाकर सबको खिलाकर अपने पूरे दिन को उत्साह से बिताए। समस्त आयोजनों में शिक्षकों व पालकों का विशेष योगदान रहा। प्रधान पाठिका वीणा साहू द्वारा आयोजन के संबंध में बच्चों की प्रशिक्षण भी ली गई।

विद्यालय के प्रधान पाठिका वीणा साहू, शिक्षक दुष्यंत कुमार निषाद, अनिता दुबे, स्वयं सेवी शिक्षिका मंजुला निषाद के साथ संकुल समन्वयक रामकुमार वर्मा और शासकीय प्राथमिक शाला मगरघटा से नवाचारी शिक्षिका शीतल बैस ने निरीक्षण किया। तत्पश्चात शिक्षक शिक्षिकाओं ने इन विविध त्यंजनों को खाकर स्वादिष्ट पकवान का लुप्त उठाए। संकुल समन्वयक रामकुमार वर्मा द्वारा इस आयोजन की प्रशंसा की और कहा कि इस तरह के आयोजनों से छात्र छात्राओं की कला को निखारने में बहुत मदद मिलती है। साथ ही इससे बच्चों की आपसी तालमेल, कार्य क्षमता, सहयोगी प्रवृत्ति गुलाबजामुन, मोमोस, चाइनीज पकोड़ा, सबूदाना की बड़ा, गाजर का हलवा, आलू पकौड़ा, मैगी, गुपचुप, पराठ, कई स्वादिष्ट सब्जियां जैसे लौकी कोफते, आलू गोभी मटर और कढ़ी भी बनाये गये। पकवान को बनाने के उपरांत सभी बच्चों ने उसे अपनी थाल में बहुत सुंदर ढंग से सजाकर प्रदर्शन के लिए टेबल में रखे गये। जिसे सभी शिक्षक गण

गुरु का आशीर्वाद लेकर की क्षेत्रवासियों के खुशहाली की कामना संत समागम मेला के शुभारंभ पर निकली शोभायात्रा राष्ट्रीय अध्यक्ष योगेश तिवारी ने किया स्वागत



पायनियर संवाददाता < बेमेतरा
www.dailypioneer.com

पंथ हनुज उग्र नाम साहब की स्मृति में चार दिवसीय संत समागम मेला का शुभारंभ हुआ।

इस अवसर पर सर्व हिंदू सनातन संगठन राष्ट्रीय अध्यक्ष योगेश तिवारी ने गुरु का आशीर्वाद लेने के साथ शोभायात्रा में शामिल हुए। राष्ट्रीय अध्यक्ष व उनके समर्थकों ने

सिग्नल चौक के पास शोभा यात्रा का पुष्प वर्षा व आतिशबाजी कर भव्य स्वागत किया। इस दौरान शोभायात्रा में शामिल हजारों कबीर पंथियों को पत्त वितरण किया गया।

कार्यकर्ताओं ने कबीरपंथियों का किया स्वागत

चार दिवसीय संत समागम मेला की शोभायात्रा के दौरान पंथमुनि वंशचार्य उदित मुनिनाम साहेब गुरु गोसाईं डॉ भानुनाम साहेब का स्वागत शोभायात्रा बेमेतरा नगर घड़ी चौक में सर्व हिंदू सनातन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष योगेश तिवारी के नेतृत्व में किया गया इस दौरान पीयूष शर्मा, सत्यम शर्मा, तीर्थ वर्मा, शुभम सोनी, मृत्युंजय दुबे, नरेश राय मनुज सिन्हा सुनील पटेल संजय माडले यशवंत टंडन सार्थक साहू, शिवम दीवान, सोमेश वर्मा, प्रिंस गुप्ता, सागर यादव, राहुल साहू, शिवम साहू आदि कार्यकर्ता शामिल हुए।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे ने योजनाओं की समीक्षा की



पायनियर संवाददाता < दल्लीराजहरा
www.dailypioneer.com

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे ने जिला पंचायत के सभाकक्ष में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। डॉ. कन्नौजे ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, महात्मा गांधी नरगा, स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण, एनआरएलएम

की समीक्षा करते हुए लंबित कार्यों को निर्धारित समयवधि में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने केन्द्र शासन की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत वर्ष 2016-23 तक स्वीकृत प्रमाणित प्राप्त अपूर्ण, निर्माणाधीन आवासों तथा द्वितीय एवं तृतीय प्राप्त पूर्णता हेतु लंबित आवासों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। वित्तीय वर्ष 2024-25 में जिले को आबंटित नवीन लक्ष्य के विरुद्ध में

आवास स्वीकृति एवं प्रथम किरत हेतु राशि अंतरण की जानकारी ली। उन्होंने प्रथम किरत प्राप्त हितग्राहियों से मुलाकात कर एवं जनसामान्य में योजना के प्रति जागरूकता लाने की दृष्टि से उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित कर हितग्राहियों को आवास निर्माण के संबंध में पूर्ण जानकारी प्रदान करने को कहा। बैठक में उप-संचालक पंचायत आकाश सोनी एवं अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित थे।

जिला चिकित्सालय बेमेतरा में 26 महिलाओं का हुआ सफल नसबंदी



पायनियर संवाददाता < बेमेतरा
www.dailypioneer.com

जिला चिकित्सालय बेमेतरा में 1 जनवरी 2025 को 26 हितग्राहियों का सफल महिला नसबंदी ऑपरेशन डॉ विनीता ध्रुव एवं डॉ नेहा साहू द्वारा संपन्न हुआ। बेमेतरा कलेक्टर रणबीर शर्मा के आदेश पर नसबंदी

ऑपरेशन के लिए सीएमएचओ डॉ यशवंत कुमार ध्रुव के दिशानिर्देश और अस्पताल प्रमुख सलाहकार डॉ स्वाति यदु के मार्गदर्शन पर महिला नसबंदी ऑपरेशन कराया जा रहा है, इस नसबंदी ऑपरेशन में डॉ विनीता ध्रुव एवं डॉ नेहा साहू के द्वारा 26 महिला हितग्राहियों का सफल

नसबंदी ऑपरेशन किया गया। इस महिला नसबंदी ऑपरेशन के सफल आयोजन में मेट्टन रेखा कविलास, स्टॉफ नर्स रूखमणि साहू, दिवंगल साहू, रागिनी यदु, ओ टी अटेंडर धीव दास, कृष्णा साहू, राम यादव के साथ अन्य जिला अस्पताल स्टाफ का विशेष सहयोग रहा।

माता एवं शिशु के स्वास्थ्य के लिए जरूरी है परिवार नियोजन

परिवार नियोजन के स्थाई साधन महिला नसबंदी एवं पुरुष नसबंदी सुरक्षित एवं असह्यर उपाय है। जिला बेमेतरा के जिला चिकित्सालय में निर्धारित दिवसों पर सर्जन के माध्यम से महिला नसबंदी की सुविधा प्रदाय की जाती है। विश्व जनसंख्या दिवस पर जनसंख्या स्थिरीकरण परववाड़ा का आयोजन भी किया जाता है, जिसमें सास-बहू सम्मेलन के माध्यम से परिवार नियोजन को लेकर जुड़ी क्षातियों को दूर किया जाता है। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार बसोड एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक लता बंजारे ने जानकारी दी कि जिला चिकित्सालय बेमेतरा में प्रत्येक सप्ताह के मंगलवार, बुधवार, शुक्रवार को महिला नसबंदी की सेवा प्रदाय की जाती है। जिला चिकित्सालय दुर्ग से डॉ. विनीता ध्रुव एवं जिला चिकित्सालय बेमेतरा से डॉ. नेहा साहू के माध्यम से निर्धारित दिवसों में नसबंदी की सेवा प्रदाय किया जा रहा है। शासन के द्वारा महिला नसबंदी में प्रोत्साहन राशि का प्रावधान है, महिला नसबंदी अपरेशन करने पर हितग्राहियों को 2000 रु. एवं पुरुष नसबंदी अपरेशन करने पर हितग्राहियों को 3000 रु. की प्रोत्साहन राशि प्रत्येक हितग्राही को प्रदाय किया जाता है। परिवार नियोजन का उद्देश्य बढ़ती जनसंख्या को रोकने के साथ-साथ माता एवं शिशु के स्वास्थ्य के लिए भी आवश्यक है। मां एवं बच्चे के बेहतर स्वास्थ्य के लिए दो बच्चों के बीच 03 साल का अंतर जरूरी है। जिले के समस्त शासकीय केंद्रों में परिवार नियोजन के अस्थाई साधन जैसे-काप-टी, छाया गोली, अंतरा इंजेक्शन, माला-पूव व कियोड उपलब्ध है एवं मितालिन के माध्यम से घर-घर जाकर भी परिवार नियोजन के अस्थाई साधन जैसे-माला-पूव, कियोड का वितरण किया जाता है।

शिविर आयोजित कर 70 साल से अधिक उम्र के लोगों का प्राथमिकता से बनाएं आयुष्मान कार्ड : कलेक्टर



पायनियर संवाददाता < कोरबा
www.dailypioneer.com

कलेक्टर अजीत वसंत की अध्यक्षता में समय सीमा की बैठक आयोजित हुई। उन्होंने विभागीय कार्यों एवं शासकीय योजनाओं के कार्य प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रगति लाने एवं समय सीमा के लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में वरमंडलाधिकारी कटचौरा कुमार शिशांत, निगम आयुक्त अशुतोष पाण्डेय, जिला पंचायत सीईओ दिनेश कुमार नाग, अपर कलेक्टर मनोज बंजारे, सभी एसडीएम, सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर ने जिले में धान खरीदी प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए

निर्देशित किया कि धान खरीदी की प्रक्रिया अनवरत बिना किसी व्यवधान के चलती रहे। उन्होंने खरीदी केंद्र में शासन के नियमों का पालन करते हुए गुणवत्तापूर्ण धान खरीदी करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों को संवेदनशील धान खरीदी केंद्रों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने धान उठाव कार्य भी प्राथमिकता से करने की बात कही साथ ही केंद्र में बारदाने की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कराने की बात कही। कलेक्टर ने जिले में अभियान चलाकर 70 साल एवं इससे अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों का वयवर्द्धन योजना अंतर्गत आयुष्मान कार्ड बनाने कार्य में गम्भीरता से प्रगति लाने के निर्देश दिए। इस हेतु उन्होंने सभी ग्रामों एवं वार्डों में शिविर लगाकर छुटे हुए पात्र व्यक्तियों का आयुष्मान कार्ड बनाने की बात कही।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कोई भी पात्र व्यक्ति इस योजना से वंचित न हो, इसका विशेष ध्यान रखें। बैठक में कलेक्टर ने अनुविभागावार स्कूली विद्यार्थियों के जाति प्रमाण पत्र निर्माण की समीक्षा करते हुए सभी एसडीएम को शिक्षण सत्र समाप्त होने से पूर्व जाति प्रमाण पत्र बनवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्य भी प्राथमिकता से करने की बात कही साथ ही केंद्र में बारदाने की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कराने की बात कही। कलेक्टर ने जिले में अभियान चलाकर 70 साल एवं इससे अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों का वयवर्द्धन योजना अंतर्गत आयुष्मान कार्ड बनाने कार्य में गम्भीरता से प्रगति लाने के निर्देश दिए। इस हेतु उन्होंने सभी ग्रामों एवं वार्डों में शिविर लगाकर छुटे हुए पात्र व्यक्तियों का आयुष्मान कार्ड बनाने की बात कही।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चेन्द्रा में टीबी मुक्त पंचायत के लिए रणनीति बनाई गई



पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

विकासखण्ड ओडुगी के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चेन्द्रा में मितानिनों एवं स्वास्थ्य कर्मियों का बैठक सम्पन्न हुआ जिसमें निश्चय निरामय कार्यक्रम को गति देने के लिए कार्य योजना बनी। इस अवसर पर मेडिकल आफिसर डॉ. डी के पैकरा ने कहा कि राज्य शासन के निर्देशानुसार हमें एक एक घरों का

सर्वेक्षण कर टीबी के सम्भावित लक्षण वाले व्यक्तियों का पहचान करना है। एक भी व्यक्ति हमारे गलती से छूट जायेगा तो हम सभी का परिश्रम बेकार हो जायेगा। इसी लिए बड़े तन्मयता और निष्ठा के साथ इस कार्य को पूरा करना है। लैब टेक्नीशियन सरोज राजवाड़े ने क्लालिटी स्पूटम पर विशेष जोड़ दिया। जब भी किसी व्यक्ति का सेम्पल कलेक्शन करे तो उसे

बलगम निकालने का सही तरीका को बारम्बार बतायें। ऐसा नहीं करने पर जांच का सही रिपोर्ट नहीं आयेगा। पिरामल फाउंडेशन के जिला कार्यक्रम समन्वयक राज नारायण द्विवेदी ने बलगम निकालने का डेमो कर दिखाया और उन्होंने बताया कि टीबी की जड़ से सफाया करने के लिए सामुदायिक सहभागिता आवश्यक है। वार्ड पंचों का सहयोग लेकर कार्य करना लाभकारी होगा। स्वयं सहायता समूह की बैठकों में भी बताने से लाभ मिलेगा। मितानिन प्रशिक्षिका बसंती सिंह ने रिपोर्टिंग फॉर्मट और पंजी संधारण के विषय में बताते हुए कहा कि किसी भी कार्य का महत्वपूर्ण विषय रिपोर्टिंग है यदि किसी को समस्या है तो तत्काल मुझे बतायें मैं सहयोग करूंगी।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने डॉ. अजय सहाय को दिया राष्ट्रीय पुरस्कार



पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

हैदराबाद में आयोजित इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की नेशनल कांफ्रेंस में रायपुर के चिकित्सा विशेषज्ञ एवं समाज सेवी प्रो. डॉ. अजय सहाय डॉ ज्वाला प्रसाद गांगुली स्मृति राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किए गए। यह पुरस्कार वंचित समाज की दीर्घकालीन निःशर्त सेवाओं के लिए दिया जाता है। विदित हो कि छत्तीसगढ़ एवं आसपास के राज्यों

में गरीबों के डॉक्टर के नाम से प्रसिद्ध डॉ अजय सहाय विगत कई दशकों से सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों, ट्राइबल एवं नक्सल प्रभावित अंचलों एवं समाज के कमजोर वर्गों को निःशुल्क इलाज की सुविधा मुहैया करवा रहे हैं। जरूरतमंदों छत्र छात्राओं को जो स्टेशनरी एवं स्पॉट आइटम्स, चरण पादुकाएं, छतरियां, टिफिन बॉक्स, रैनकोट, सेनेटरी नैपकिनस आदि भी उपहार स्वरूप प्रदान करते हैं। समाज को सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति जागरूक करने के लिए गोष्ठियों एवं विभिन्न प्रकार के इन्फोटेनमेंट प्रोग्रामों का भी आयोजन करते हैं और समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं को सम्मानित भी करते हैं। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की इस राष्ट्रीय कांफ्रेंस में उच्चाटन अवसर पर तेलंगाना के राज्यपाल जीशू नू देव वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। चिकित्सकों की सबसे बड़ी राष्ट्रीय संस्था द्वारा आयोजित इस कांफ्रेंस में देश भर से सैकड़ों चिकित्सकों ने हिस्सा लिया।

नए साल के पहले दिन रायपुर में 130 नवजीवनों की गूंज

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

नए साल 2025 के स्वागत में 130 परिवारों के लिए खुशियों की सीगात दी। बोते 48 घंटों के दौरान आंबेडकर अस्पताल और अन्य स्वास्थ्य केंद्रों में 130 बच्चों का जन्म हुआ। इनमें 73 बालक और 57 बालिकाएँ शामिल हैं। सरकारी अस्पतालों ने आपात स्थिति में भी तत्परता से सेवाएं देते हुए सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित किया। स्वास्थ्य विभाग ने नए साल की तैयारियों के बीच अस्पतालों को अलर्ट मोड पर रखा। आंबेडकर अस्पताल, जिला अस्पताल, और ब्लॉक स्तरीय स्वास्थ्य केंद्रों में विशेष रूप से स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञों के साथ अन्य चिकित्सा कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई थी। अधिकारियों ने यह सुनिश्चित किया कि गर्भवती महिलाओं और अन्य मरीजों को समय पर उचित इलाज मिल सके। आंबेडकर अस्पताल में सबसे अधिक 51 डिलीवरी हुईं। जिला अस्पताल कालीबाड़ी

में 18, धरसीवा और अभनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में 16-16 बच्चों का जन्म हुआ। शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और बीरावां में 9-9 प्रसव, आरंग में 6 और तिलदा में 5 प्रसव हुए। नए साल का जन्म मनाने के दौरान कुछ अप्रिय घटनाएँ भी हुईं। मारपीट और सड़क दुर्घटनाओं में घायल करीब 50 लोग आंबेडकर अस्पताल और जिला अस्पताल की इमरजेंसी में पहुंचे। सभी को उनकी जरूरत के मुताबिक प्राथमिक और आपात उपचार प्रदान किया गया। सीएमएचओ डॉ. मिथिलेश चौधरी ने बताया कि सभी अस्पतालों को निर्देश दिए गए थे कि किसी भी मरीज को इलाज के लिए परेशान न होना पड़े। स्वास्थ्य कर्मियों ने इस जिम्मेदारी को बखूबी निभाया और प्रसव से लेकर आपात स्थिति तक सभी सेवाएँ सुनिश्चित कीं। यह नए साल का स्वागत रायपुर के 130 परिवारों के लिए न केवल खुशी का पल बना, बल्कि एक यादगार शुरुआत का उपहार भी।

डॉक्टरों ने रक्तदान महादान की अनूठी मिसाल पेश की



पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

नववर्ष 2025 के आगमन के साथ ही डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय स्थित मॉडल ब्लड (बैंक) सेंटर में

डॉक्टरों और अन्य स्वैच्छिक रक्तदाताओं ने रक्तदान कर रक्तदान महादान के वाक्य को सार्थक किया है। डॉ. सुदित पाल (46वीं बार), डॉ. अविर्ल मिश्रा (38वीं बार), डॉ. अपूर्वा खंडूजा (07वीं बार) सहित 26 अन्य स्वैच्छिक

रक्तदाताओं ने मॉडल ब्लड सेंटर में रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों की सहायता की। डॉक्टरों के इस नेक कार्य के लिए पं. जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. विवेक चौधरी और डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने पैथोलॉजी विभाग और ब्लड सेंटर की सराहना करते हुए शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं। मॉडल ब्लड सेंटर के इंचार्ज डॉ. अमित कुमार भारद्वाज के मुताबिक यह चिकित्सालय राज्य में सबसे बड़ा शासकीय चिकित्सालय है एवं यहाँ अत्यंत गंभीर और विभिन्न बीमारियों के मरीज इलाज करवाने आते हैं तथा ऐसे मरीजों को इलाज के साथ रक्त की जरूरत होती है। ऐसे मरीजों के जरूरत के लिए मॉडल ब्लड सेंटर निरंतर तत्पर रहता है और इस तारक्य में ब्लड सेंटर में कार्यरत डॉक्टरों और अन्य स्टाफ निरंतर रक्तदान करते रहते हैं और मानवता के प्रति अपना फर्ज निभाते हैं। विदित हो कि पैथोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अरविंद नेरल 125वीं बार रक्तदान कर चुके हैं और संभवतः छत्तीसगढ़ राज्य के डॉक्टरों में सबसे ज्यादा बार रक्तदान करने का रिकॉर्ड इन्हें के नाम दर्ज है। साथ ही उन्हें इस महा कृत्य के लिए राज्यपाल द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है।

साइबर क्राइम पर नियंत्रण पाने के लिए सभी स्कूलों में लगाए जाएंगे कैंप

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज साइबर क्राइम पर नियंत्रण पाने के लिए राजधानी के सभी स्कूलों में कैंप लगाकर छात्र-छात्राओं को सभी तरह के साइबर क्राइम से बचाने, मोबाइल के सुरक्षित उपयोग की जानकारी के माध्यम से जागरूक कर ठगी से बचने और साइबर अपराधियों पर अंकुश लगाने कैंप लगाकर इस अभियान की शुरुआत कर रहा है। छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज द्वारा साइबर क्राइम जागरूकता अभियान का एक पोस्टर जारी किया गया है जिसका विमोचन रायपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अमरीश कुमार मिश्रा के द्वारा किया गया। इस साइबर क्राइम जागरूकता अभियान में छत्तीसगढ़ पुलिस का भी योगदान रहेगा। इस जन जागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को साइबर क्राइम से बचने की जानकारी देकर उन्हें अपने माता-पिता, रिश्तेदारों, पड़ोसियों के



साथ-साथ अपने जान पहचान वालों, मोहल्ले के दुकानदारों, सब्जी वालों तक ठगों की जानकारी पहुंचाकर उन्हें साइबर ठगी से बचाने में सहयोगी बनने की भूमिका के लिए तैयार करना है। छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज के प्रदेश अध्यक्ष साइबर सिंह सिंघोत्रा ने बताया कि हर सप्ताह शहर के प्रमुख स्कूलों में साइबर क्राइम जागरूकता कैंप लगाया जाएगा, जिसके तहत 3 जनवरी को खालसा स्कूल में इस साइबर क्राइम जागरूकता कैंप की शुरुआत की जा रही है। छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज के

साइबर क्राइम जागरूकता अभियान के पोस्टर का विमोचन करते हुए पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज अमरीश कुमार मिश्रा ने कहा कि छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज का यह अभियान सराहनीय है, छत्तीसगढ़ पुलिस आपके इस अभियान में आपके साथ है। साइबर क्राइम जागरूकता अभियान के पोस्टर विमोचन के दौरान छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज के प्रदेश अध्यक्ष सुखबीर सिंह सिंघोत्रा, कुलदीप सिंह मोंगा, आम सिंह मकड़ और सुरजित सिंह छाबड़ा उपस्थित थे।

एनआईटी रायपुर में कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग करेगा विभिन्न कार्यशालाओं और सर्टिफिकेट कोर्स का आयोजन

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

एनआईटी रायपुर में कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा विभिन्न कार्यशालाओं और सर्टिफिकेट कोर्स का आयोजन किया जाएगा 7 विभाग द्वारा 6 जनवरी से 7 मार्च 2025 तक साइबर फिजिकल सिस्टम (सीपीएस) विषय पर हाइब्रिड मोड में 45 दिन के सर्टिफिकेट कोर्स, 13 जनवरी से 29 जनवरी 2025 तक डेटा साइंस एंड इट्स एप्लीकेशन पर 15 दिन की ऑनलाइन कार्यशाला, और 27 जनवरी से 12 फरवरी 2025 तक एथिकल हैकिंग एंड डिजिटल फोरेंसिक्स पर 15 दिन की कार्यशाला आयोजित की जाएगी। इन कार्यशालाओं के मुख्य संरक्षक एन आई टी रायपुर के निदेशक डॉ. एन.वी. रमना राव होंगे। इन कार्यक्रमों की अध्यक्षता कंप्यूटर साइंस विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रदीप सिंह द्वारा की जाएगी। डेटा



साइंस एंड इट्स एप्लीकेशन कार्यशाला के समन्वयक डॉ. आकांक्षा शराफ डॉ. जितेंद्र कुमार राउत और डॉ. नितेश के. भारद्वाज होंगे। एथिकल हैकिंग और डिजिटल फोरेंसिक्स पर आयोजित कार्यशाला के समन्वयक डॉ. प्रदीप सिंह, डॉ. आकांक्षा शराफ, और डॉ. नितेश के. भारद्वाज हैं। इसके अतिरिक्त साइबर फिजिकल सिस्टम (सीपीएस) पर आधारित सर्टिफिकेट कोर्स के

समन्वयक डॉ. मनु वर्धन, डॉ. नितेश के. भारद्वाज और डॉ. मधुकृष्णा प्रियदर्शिनी हैं। कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित इन आकर्षक कार्यशालाओं और सर्टिफिकेट कोर्स से सम्बंधित अन्य जानकारी संस्थान की वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है। यह सभी कार्यक्रम भाग लेने वाले प्रतिभागियों की सुविधा का ध्यान रखते हुए हर दिन शाम 5 बजे के बाद संचालित

किये जाएंगे, ताकि ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थी और इंस्ट्रुटी प्रोफेशनल्स इस कार्यक्रम से जुड़कर इसका लाभ उठा सकें। साइबर-फिजिकल सिस्टम (सीपीएस) पर आधारित पाठ्यक्रम इस क्षेत्र की व्यापक समझ प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो ए.आई. के माध्यम से ऑटोमेशन पर ध्यान केंद्रित करता है और केस स्टडी अनुभव प्रदान करता है। पाठ्यक्रम के प्रमुख विषयों में गणना प्लेटफॉर्म, रीयल-टाइम सेंसिंग, संचार, हमले का पता लगाना, सुरक्षा ढांचे आदि शामिल हैं। यह पाठ्यक्रम छात्रों के रोमांचक क्षेत्र में करियर बनाने के लिए तैयार करने का लक्ष्य रखता है। इस कोर्स के रजिस्ट्रेशन हेतु का प्रयोग कर सकते हैं। डेटा साइंस और इसके अनुप्रयोगों पर 15 दिन की ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को डेटा साइंस सिद्धांतों और इसके वास्तविक जीवन

अनुप्रयोगों, जैसे डेटा प्री-प्रोसेसिंग, मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग और निर्णय-निर्माण प्रक्रियाओं की गहरी समझ प्रदान करने का उद्देश्य रखती है। यह कार्यक्रम छात्रों, शोधकर्ताओं और शिक्षकों के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस कोर्स के रजिस्ट्रेशन हेतु 279 का प्रयोग करें इसी तरह एथिकल हैकिंग और डिजिटल फोरेंसिक्स पर 15 दिन की ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यशाला साइबर सुरक्षा में रूचि रखने वालों को सुरक्षा संवेदनशीलताओं, शोषणों और डिजिटल फोरेंसिक्स को कानूनी और नैतिक तरीके से पहचानने की ट्रेनिंग देने पर केंद्रित होगी। यह कार्यक्रम उन लोगों के लिए है जो साइबर सुरक्षा और डिजिटल फोरेंसिक्स में करियर बनाना चाहते हैं। इसके विषयों में फोरेंसिक जांच, ओएसएसआईटी टूल्स, पेनिट्रेशन टेस्टिंग आदि शामिल हैं।

कोड़नार में स्वच्छता ही सेवा है की थीम पर एनएसएस शिविर का हुआ शुभारंभ



पायनियर संवाददाता < किटंदुल
www.dailypioneer.com

राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय किरन्दुल के छात्र-

छात्राओं द्वारा सात दिवसीय एनएसएस शिविर का शुभारंभ ग्राम पंचायत कोड़नार में किया गया। शिविर के शुभारंभ अवसर पर ग्राम पंचायत कोड़नार सरपंच मीना

मंडावी, भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय सोढ़ी, डी पी मिश्रा, राजेन्द्र सिंह चौहान, लक्ष्मी वर्मा, प्राचार्या उमा ठाकुर, लक्ष्मी नेताम एवं अन्य उपस्थित थे।

जिला मुख्यालय स्थित पड़ाव चौक में 36वां राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का शुभारंभ किया गया

पायनियर संवाददाता < मुंगेली
www.dailypioneer.com

जिला मुख्यालय स्थित पड़ाव चौक में 36वां राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर राहुल देव और पुलिस अधीक्षक भोजराज पटेल ने यातायात जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह जागरूकता रथ 31 जनवरी तक जिले में लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार करेगी।

सभी लोग यातायात को लेकर जागरूक रहें : कलेक्टर
कलेक्टर ने कहा कि सड़क सुरक्षा माह स्वयं के साथ-साथ दूसरे के प्रति जागरूकता बढ़ाने का एक प्रयास है। सड़क पर चलते समय सतर्क रहना अत्यंत महत्वपूर्ण है, ताकि दुर्घटनाओं से बचा जा सके। मोबाइल फोन का उपयोग करते समय सड़क पार बिल्कुल भी न करें। इसके अलावा यदि वाहन चला रहे हैं, तो गति सीमा का पालन करें और संकेतों का ध्यान रखें। जिले में यातायात व्यवस्था सुचारु रूप से चले, जो नियमों का उल्लंघन करता है, उनका



लाईसेंस निरस्त करने की कार्रवाई करें। सभी लोग यातायात को लेकर जागरूक हों, ताकि कम उम्र में खोने वाली जिंदगियों को बचाया जा सके। कलेक्टर ने बताया कि सर्गांव क्षेत्र से 04 जगहों पर ब्लैक स्पॉट का निराकरण पुलिस विभाग के प्रस्ताव के आधार पर राष्ट्रीय राजमार्ग द्वारा किया गया है। वहां लाइटिंग सहित अन्य व्यवस्था अच्छी हो गई है। अब वहां किसी भी प्रकार की दुर्घटना नहीं होगी। उन्होंने पुलिस प्रशासन को यातायात व्यवस्था को बेहतर करने में हरसंभव मदद का आश्वासन दिया और लोगों को यातायात नियमों का पालन करने और अपने आसपास के लोगों को प्रेरित करने की बात कही।

यातायात नियमों के बारे में जानकारी अवश्य रखें : पुलिस अधीक्षक

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सड़क सुरक्षा माह न केवल सड़क सुरक्षा बढ़ाने का प्रयास है, बल्कि लोगों को जागरूक करने का एक अनूठा तरीका भी है। इससे दुर्घटनाएं कम होने के साथ यातायात नियमों के प्रति नागरिकों में जिम्मेदारी की भावना भी विकसित होती है। उन्होंने कहा कि आज के समय में प्रत्येक व्यक्ति किसी भी प्रकार से वाहन का इस्तेमाल करता है। हम सभी यदि वाहन और यातायात नियमों के बारे में जानकारी नहीं रखेंगे, तो निश्चित रूप से बड़ी संकट में फंस सकते हैं। उन्होंने कहा कि अपने वाहन का नियमित जांच कराएं। वाहन चलाने के लिए ड्राइविंग लाईसेंस और बीमा अवश्य होना चाहिए। नवाबलिक

बच्चा वाहन बिल्कुल न चलाएं। हम अपनी वाहन किसी को देते हैं, तो इस बात का ध्यान अवश्य रखें कि उस व्यक्ति को वाहन चलाने आना चाहिए। उन्होंने सड़क दुर्घटना के कुछ उदाहरण दिए और सावधानी बरतने व यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि हम सुरक्षित रहेंगे, तो जनता सुरक्षित रहेगी और हमारा शहर भी सुरक्षित रहेगा। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवनीत कौर खड्का ने बताया कि राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह अंतर्गत 31 जनवरी तक आम नागरिक, स्कूल, कॉलेजों, युवाओं को नियमों के प्रति जागरूक करने प्रतिदिन विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना है। उन्होंने यातायात नियमों के बारे में जानकारी दी और कहा कि दोपहिया वाहन पर तीन सवारी ना बैठाएं, सतर्क रहें, सुरक्षित रहे। बिना हेलमेट लगाए वाहन चलाना सुरक्षित नहीं है। शराब पीकर वाहन न चलाएं। जट्टबाजी न करें सड़क पार करने से पहले चारों तरफ देखें। सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें। कार में बैठे प्रत्येक व्यक्ति सीट बेल्ट जरूर लगाएं। गाड़ी चलाने समय फोन उपयोग का पर 01 हजार से 05 हजार रूपए का जुर्माना या 06 महीने से 01 साल का कारवांस या दोनों है। वाहन चलाने समय इयरफोन का इस्तेमाल न करें। बीच सड़क पर वाहन न रोकें।

तोरेसिंह में जेएमपी कप क्रिकेट स्पर्धा संपन्न खम्हारपाली बना पुनः चैम्पियन



पायनियर संवाददाता < सदायपाली
www.dailypioneer.com

तोरेसिंह में जेएमपी कप क्रिकेट प्रतियोगिता ड्यूज बाल का आयोजन हुआ जिसमें खम्हारपाली की टीम पुनः चैम्पियन बन गयी। खैरमाल के साथ फाइनल मुकाबला बहुत ही रोमांचक रहा। जेएमपी नवजागरण युवा मंडल तोरेसिंह द्वारा 23 से 31 दिसंबर तक आयोजित किया गया था। समापन समारोह में मुख्य अतिथि सहकारी समिति अध्यक्ष संघ के ब्लाक अध्यक्ष कामता पटेल थे।

अध्यक्षता सरपंच विनय पटेल ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में कोलता मंडल अध्यक्ष बलोदा नीलांबर तांडी, हूईपाली अध्यक्ष अनिल साहू, सोसायटी अध्यक्ष तोरेसिंह राजकुमार पटेल, कुसमीसरार वीरेंद्र साहू, गंगलबेड़ा राजकुमार भोई, पीसीएस अध्यक्ष शैलेश साहू, आकाश दास आदि मंचासीन थे। मुख्य अतिथि पटेल ने कहा लगातार 28 वर्षों लगातार आयोजन करना बहुत बड़ी उपलब्धि और खिलाड़ियों की एकता

को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पहले खिलाड़ी थे संसाधन नहीं था और आज संसाधन है खिलाड़ी नहीं है। उन्होंने अधिक से अधिक युवाओं को खेलकर अपना स्वास्थ्य बनाने की सलाह दी। साहू ने कहा कि खिलाड़ी को हमेशा नशे से दूर रहना चाहिए तभी वह खिलाड़ी आगे बढ़ सकता है। तांडी ने विजेता टीम खम्हारपाली को बधाई दिया उपविजेता खैरमाल को सतत प्रयास करने की सलाह दी। आभार प्रदर्शन पूर्व सरपंच व क्रिकेट राजकुमार पटेल ने किया।

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ने वनांचल क्षेत्र दलदली में 3000 से अधिक बैगा आदिवासियों को कंबल का वितरण किया

पायनियर संवाददाता < कवर्धा
www.dailypioneer.com

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आज अपने दलदली क्षेत्र दौरे के दौरान 3000 से अधिक बैगा आदिवासियों को कंबल का वितरण किया। यह आयोजन विशेष रूप से ठंड के मौसम में आदिवासी समुदाय के जीवन में राहत देने के उद्देश्य से किया गया था। बैगा आदिवासी समुदाय प्रदेश के वनांचल क्षेत्र में मुख्य रूप से निवास करता है और इन इलाकों में सर्दियों के दौरान ठंड बहुत अधिक बढ़ जाती है, जिससे इन आदिवासियों को खास कठिनाई का सामना करना पड़ता है। दौरे के दौरान उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आदिवासी समुदाय के लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना। इसके बाद



उन्होंने सर्दी से बचाव के लिए कंबल वितरित किए। उन्होंने इस पहल को सराहनीय बताया है और कहा कि राज्य सरकार आदिवासी समुदाय की भलाई और उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए निरंतर काम कर रही है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य प्रत्येक नागरिक की भलाई और विकास है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां तक विकास की योजनाएं समय से

नहीं पहुंच पाई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार का उद्देश्य इन समुदायों को न केवल मौलिक सुविधाएं मुहैया कराना है, बल्कि उनके सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए भी काम करना है। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने इस दौरान आदिवासी समुदाय के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में भी जानकारी दी।

नए साल का स्वागत : गार्डन में युवाओं एवं बच्चों की भीड़ नजर आई

पायनियर संवाददाता < मुंगेली
www.dailypioneer.com

नए साल का स्वागत शहर वासियों ने हर साल की तरह पूरे जोश-खरोश के साथ किया। शराब की दुकान में मद्य प्रमियों की भीड़ लगी रही। गली-मोहल्लों में महफिल सजाई गई और देर रात लोग डीजे की धुनों पर झूमते-नाचते रहे। घड़ी में 12 बजते ही शुरू हुआ उल्लस पूरे रात जारी रहा। पटाखों और आतिशबाजी के बीच नए साल की शुरुआत की गई। दूसरे दिन 1 जनवरी को लोग एक-दूसरे को नये वर्ष की शुभकामना देते रहे। नये वर्ष का स्वागत जहां नगर में नवयुवकों के द्वारा जोश-खरोश के साथ मनाया गया। होटलों और पिकनिक स्पॉटों पर अपने परिवार के साथ सैर-सपाटे में लगे रहे। वहीं नगर के नवागढ़ रोड स्थित गार्डन में युवाओं एवं बच्चों की भीड़ नजर आई। नगर में नवयुवक गली-कूचों में डीजे लगाकर नये वर्ष मनाने में जुटे राउंडीजों की धुन में कदम



धरकते रहे, वहीं सड़कों में भीड़ और मोहल्लों में सजी महफिल में लोगों को जाम टकराते देखा गया। यह नजारा शहर में थर्टी फर्स्ट की रात देखा गया। नये साल के पूर्व संध्या में कैफ तिराहे गुलजार रहे। भारी ठंड के बाद लोग ठंड भगाने व नये साल मनाने के उत्साह में जुट गए। रात के 12 बजते ही तारीख के साथ साल भी बदल गया और पार्टियों में गुंज उठा हैप्पी न्यू ईयर.....। न्यू ईयर सेलेब्रेट करने के लिए बेताब लोगों की नजरें घड़ी की सुइयों पर टिकी थी। जैसे ही 12 बजे, आतिशबाजी शुरू हो गई।

बीते साल की खट्टी-मीठी यादों को शहर भूल गया। सड़क गलियों से लेकर घरों में लोगों ने जश्न मनाते हुए रात के तीसरे पर तक धमाल मचाया। मोहल्लों में अलग-अलग महफिल सजी रही और लोग पकवानों का लुत्फ उठाते रहे। शांती और सौहार्दपूर्ण माहौल के बीच नववर्ष 2025 का आगाज हुआ, 2024 को विदाई और 2025 के आगमन को लेकर युवाओं में भारी उत्साह नजर आ रहा है। जगह-जगह केक काटकर नये वर्ष के स्वागत में जुटे रहे। पुलिस प्रशासन के द्वारा नये वर्ष को लेकर

विशेष व्यवस्था की गई थी। जिसके तहत मोटर साइकल में तीन सवारी और तेज रफ्तार सहित प्रेशर हॉर्न के खिलाफ विगत दो दिनों से कार्यवाही में जुटी हुई है। गांव में लोग डीजे की धुन पर थिरकते नजर आये तो कुछ जगहों पर डॉस प्रतियोगिता का आयोजन जन सहयोग से किया जाता है। जो लोग इन सब चीजों को नापसंद करते हैं वे अपने समूह में खाने का आयोजन करते हैं और लजीज व्यंजनों व पकवानों का स्वाद लेते रहे। इंटरनेट और वाट्सएप का बोलबाल-लोग आज कल मोबाइल पर इंटरनेट, वाट्सएप, मैसेंजर, मैसेज आदि के माध्यम से शुभकामनाएं देने लगे हैं। अब ग्रीटिंग का उपयोग कम और मोबाइल, कम्प्यूटर नेट का उपयोग अधिक होने लगा है। जिससे ग्रीटिंग कार्ड का क्रेज कम हो गया है। नववर्ष के आगमन पर लोग इंटरनेट, वाट्सएप का उपयोग किए। ग्रीटिंग कार्ड का जमाना

भी समाप्त हो चुका है एक समय था जब दीपावली, क्रिसमस, न्यू ईयर, वेलेंटाइन डे के मौके पर लाखों रुपये का व्यवसाय होता था पहले कार्ड चलता था अब सिर्फ मोबाइल चलता है पूर्व में जहां ग्रीटिंग कार्ड, चिट्ठी का जमाना था अब वह इतिहास का पन्ना बन गया है। संचार क्रांति के युग में पुरानी परंपरा बरकरार है। गिफ्ट के बिना अधूरा माना जाता है। शहर के बाजारों में गिफ्ट सज चुके हैं। मोबाइल, फेसबुक के बढ़ते क्रेज से हलांकि मैसेज के माध्यम से शुभकामना देने का प्रचलन बढ़ गया है। इसके बावजूद ग्रीटिंग्स की डिमांड कम नहीं हुई है। युवा वर्ग के अनुसर मैसेज के अलावा ग्रीटिंग देने में अपनापन झलकता है। इस बार बाजार में विशेष रूप से म्यूजिक वाले ग्रीटिंग के अलावा परफ्यूम की महक सहित अनेक प्रकार के ग्रीटिंग्स उपलब्ध हैं। गिफ्ट आईटम में डॉल, ट्वाइज, खिलौने, बेसलेट, कपड़े एवं परफ्यूम की मांग ज्यादा रही।

वार्ड चलो अभियान का सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहा

पायनियर संवाददाता < मुंगेली
www.dailypioneer.com

जिले के नगरीय निकायों में शासन की योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत की जांच करने और वार्डवासियों से चर्चा कर उनकी समस्याओं का समाधान करने के उद्देश्य से चलाए गए वार्ड चलो अभियान का सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहा है। वहीं दाउपारा चौक से लगी गली पालिका प्रशासन की कुछ और हाल बया करती है। चुनाव नजदिक आते ही अब जनप्रतिनिधियों द्वारा अपने वार्डों की ओर अपने चरण पटना प्रारंभ हो गये हैं। ताकि वार्ड की जनता को एक बार फिर छला जा सके। वहीं दूसरी तरफ जनता का मिजाज किस ओर रहेगा वह तो आने वाला समय ही बतायेगा। इसी कड़ी में मुंगेली नगर पालिका में अभियान के दौरान वार्ड वासियों ने अपनी समस्याओं को बया किया, जिसके बाद कलेक्टर ने इसे तत्काल संज्ञान में लिया और



नगरपालिका सीएमओ को तत्काल साफ-सफाई कराने और दीवाल पर वाल लेखन के निर्देश दिए। मुख्य नगर पालिका आशीष तिवारी ने बताया कि कलेक्टर के निर्देश पर गली से कचरा को साफकराया गया है और दीवार पर स्वच्छता संबंधी वॉल लेखन भी कराई गई है, ताकि लोग दोबारा कचरा न फेंकें, जिससे लोगों काफ़ी राहत मिल रही है। आयुष सोनी ने जिला प्रशासन की इस संवेदनशील पहल की सराहना की और शासन-प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित किया।

कलेक्टर एवं एसपी ने किया कुसमी विकाश खण्ड के दूरस्थ ग्रामों का दौरा

पायनियर संवाददाता < बलरामपुर
www.dailypioneer.com

कलेक्टर राजेंद्र कटारा एवं पुलिस अधीक्षक बैंकर वैभव रमनलाल ने जिले के विकासखंड कुसमी के दूरस्थ ग्रामों का दौरा कर विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने ग्राम सभाग के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर का भ्रमण कर पंजीकरण कक्ष, प्रसव कक्ष, चिकित्सा उपकरणों, दवाइयों की उपलब्धता, परिसर की साफ-सफाई एवं कर्मचारियों की उपस्थिति पंजी मरीजों को दी जा रही सेवाओं मरीजों से बातचीत कर नवजात शिशु देखभाल कॉर्नर का जायजा लिया, जहां नवजात शिशुओं में जोखिम वाले लक्षणों की त्वरित पहचान कर तत्काल उपचार सेवाएं प्रदान की जाती हैं। कलेक्टर ने स्वास्थ्य केंद्र के बेहतर व्यवस्था के लिए आवश्यक निर्देश दिए। वही प्राथमिक शाला पुंरा एवं माध्यमिक शाला में उपस्थित शिक्षकों से स्कूल में पदस्थ शिक्षकों



की जानकारी लेते हुए छात्रों से उनके पढ़ाई के सम्बंध में पूछा और बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने को कहा। इस दौरान कलेक्टर राजेंद्र कटारा ने प्रधान मंत्री जनमन योजना के तहत बनाने जा रहे सड़कों और पुल-पुलियों के निर्माण कार्य का जायजा लिया। उन्होंने इन कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि इन क्षेत्रों में निवासरत पहाड़ी कोरवा परिवारों को जल्द से जल्द बेहतर परिवहन सुविधा मिल सके।

जन चौपाल में दिखाई संवेदनशीलता -कलेक्टर राजेंद्र कटारा और पुलिस अधीक्षक बैंकर वैभव रमनलाल ने जनचौपाल लगाकर ग्रामीणों से बातचीत की। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और समाधान का आश्वासन भी दिया। कलेक्टर ने ग्रामीणों को शासन की विभिन्न योजनाओं से अवगत कराते हुए उन्हें योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया तो वही पुलिस अधीक्षक ने यातायात नियमों के बारे में जानकारी देते हुए नियमों का पालन करने को कहा। कलेक्टर और एसपी ने संवेदनशीलता दिखाते हुए ग्रामीणों को ठंड से बचाव के लिए साल,कंबल,टोपी और बच्चों के लिए कॉपी-पेन व खेल सामग्री का वितरण किया।

कलेक्टर ने ली निर्माण एजेंसियों की बैठक निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समय का ध्यान रखें : कलेक्टर

पायनियर संवाददाता < सूरजपुर
www.dailypioneer.com

कलेक्टर कक्ष में कलेक्टर एस. जयवर्धन ने सर्व निर्माण एजेंसियों की बैठक लेकर जिले में चल रहे विकास कार्यों व निर्माण कार्यों की समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर ने स्वीकृति, प्रगति व अप्रारंभ कार्यों को विस्तार से समीक्षा की और संबंधित एजेंसियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में स्कूल जतन योजना के कार्यों की समीक्षा भी की गई जिसमें उन्होंने स्कूल जतन योजना के तहत विभिन्न मदों में स्वीकृत कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूर्ण गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश संबंधितों को दिए। लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क, मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क, हाउसिंग बोर्ड, आरईएस, सीजीएमएससी व सेतु विभाग के निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। उन्होंने स्पष्ट निर्देशित किया कि अधिकारी अपने विभागों के कार्यों का मूल्यांकन करें और



निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग व निर्माण कार्यों की प्रगति का मूल्यांकन करें। गुणवत्ता युक्त निर्माण सामग्री का उपयोग करें। किसी भी दशा में गुणवत्ताहीन निर्माण कार्यों को स्वीकार नहीं किया जायेगा। इसके साथ ही कलेक्टर ने निर्वाह बिजली व्यवस्था हेतु, नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश बिजली विभाग के संबंधित अधिकारियों को दिए। बिजली खपत का अनुसर ट्रॉसफार्मर की क्षमता बढ़ाने के निर्देश दिये ताकि बेहतर बिजली व्यवस्था स्थापित हो सके। बैठक में सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को लाभ देने 'आयुष्मान वय वंदना' का शुभारंभ हुआ है। योजना अंतर्गत 5 लाख तक निःशुल्क इलाज किए जाने का प्रावधान है। इसी तारम्य में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंत्रारूप जिले के सभी वरिष्ठ नागरिकों को योजना का लाभ दिए जाने हेतु सतत रूप से कार्ड बनाने का कार्य जारी है।

प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत वनांचल क्षेत्र में होगा बेहतर कनेक्टिविटी

सड़क के निर्माण से वनांचल वासियों के लिए खुलेगी विकास की नई राह: उपमुख्यमंत्री

पायनियर संवाददाता < कवर्धा
www.dailypioneer.com

प्रदेश के कबीरधाम जिला के बोड़ला विकासखंड के सुदूर वनांचल क्षेत्र में विकास की गुंज सुनाई देने लगी है। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत 5 करोड़ 12 लाख 54 हजार रूपए की लागत से दो महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण कार्य का शुभारंभ करते हुए बड़ी सौगात दी है। यह सड़कों का निर्माण न केवल इस क्षेत्र को यातायात सुविधा प्रदान करेगा, बल्कि वनांचल के नागरिकों के लिए विकास की नई राहें खोलेगा। लंबे समय से सड़क संपर्क के अभाव में परेशान ग्रामीणों के जीवन में अब बदलाव की शुरुआत हो चुकी है। बेहतर सड़कों के जरिए शिक्षा, स्वास्थ्य, और व्यापार के नए अवसर साकार होंगे।



उपमुख्यमंत्री शर्मा ने प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत 5 करोड़ 12 लाख 54 हजार रूपए की लागत से दो सड़कों के निर्माण कार्य का वनांचल क्षेत्र के स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ विधिवत पूजा-अर्चना कर भूमिपूजन किया। इन निर्माण कार्यों में दो प्रमुख सड़कों का समावेश है। पहला सड़क निर्माण कार्य दलदली मेन रोड खरिया मांदिभाटखुर्द से अगरी तक 3.60 किलोमीटर लंबाई में होगा, जिसकी लागत 2 करोड़ 78 लाख 61 हजार रूपए है। दूसरा

निर्माण कार्य खुरीदा से साजाटोला तक 3.50 किलोमीटर लंबाई में होगा, जिसकी लागत 2 करोड़ 3 लाख 93 हजार रूपए के निर्धारित की गई है। सड़कों के निर्माण से ग्राम साजाटोला और अगरी बी के 350 से अधिक नागरिकों को लाभ होगा, जो अब बेहतर सड़क नेटवर्क की सुविधा का उपयोग कर सकेंगे। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि यह सड़क निर्माण वनांचल क्षेत्र के नागरिकों के लिए एक बड़ी सौगात है। इन सड़कों के निर्माण

से न केवल इन क्षेत्रों के लोगों को बेहतर यातायात सुविधा प्राप्त होगी, बल्कि यह आर्थिक विकास और सामाजिक समृद्धि की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम धुर्वे, निवेश अग्रवाल, काशीराम उड्के, मोहन धुर्वे सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। वनांचल क्षेत्र के ग्राम साजाटोला और अगरी में पिछले कई वर्षों से बेहतर सड़क नेटवर्क की कमी के कारण नागरिकों को यातायात की समस्या का सामना करना पड़ता था। इस क्षेत्र के लोग अक्सर खराब सड़कों की स्थिति से परेशान रहते थे, जिससे उनका दैनिक जीवन प्रभावित होता था। लेकिन अब इस समस्या का समाधान हो गया। प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत 5 करोड़ 12 लाख 54 हजार रूपए की लागत से सड़क निर्माण

का कार्य शुरू किया जा रहा है। जिसका आज भूमिपूजन किया गया। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत आज हम एक बड़ी पहल की शुरुआत कर रहे हैं। इस सड़क के निर्माण से वनांचल क्षेत्र के नागरिकों को न केवल बेहतर यातायात सुविधा मिलेगी, बल्कि यह विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इस अवसर पर विकास की दिशा में एक मील का पत्थर-उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि यह सड़क वनांचल क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के सुधार की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा। प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत वनांचल क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। आज की इस सड़क परियोजना से न केवल यातायात की समस्या दूर होगी।

पत्थलगांव में घर-घर जाकर बनाया जा रहा आयुष्मान वय वंदना कार्ड



पायनियर संवाददाता < जयपुरनगर
www.dailypioneer.com

कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देशानुसार पत्थलगांव विकासखण्ड क्षेत्र में घर-घर भ्रमण 70 प्लस हितग्राहियों का 'आयुष्मान वय वंदना' कार्ड बनाया जा रहा है। विदित हो कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आयुष्मान योजना अंतर्गत समस्त 70 वर्ष एवं उससे

अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को लाभ देने 'आयुष्मान वय वंदना' का शुभारंभ हुआ है। योजना अंतर्गत 5 लाख तक निःशुल्क इलाज किए जाने का प्रावधान है। इसी तारम्य में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंत्रारूप जिले के सभी वरिष्ठ नागरिकों को योजना का लाभ दिए जाने हेतु सतत रूप से कार्ड बनाने का कार्य जारी है।

फ्रांस में नये साल पर हिंसा, प्रदर्शनकारियों ने एक हजार कारों को जलाया

वार्ता < पेरिस

www.dailypioneer.com

फ्रांस में नए साल की रात हिंसा और उपद्रव के दौरान लगभग एक हजार कारों को जला दिया गया और करीब 400 लोगों को हिरासत में लिया गया है। बीएफएमटीवी ब्रॉडकास्टर ने गृह मंत्रालय के हवाले से बताया कि यह घटना न्यू ईयर सेलिब्रेशन के दौरान हुई जब कुछ इलाकों में प्रदर्शनकारियों ने सार्वजनिक संपत्तियों को निशाना बनाया। उन्होंने बताया कि एक जनवरी की रात को कुल 984 वाहनों को आग लगा दी गई जिसमें 420 लोगों को पकड़ा गया और 310 लोगों को हिरासत में लिया गया। फ्रांस के गृह मंत्री ब्रूनो रिटेलेउ ने कहा कि शहर में आतिशबाजी शुरू करने से जुड़ी कई घटनाएँ हुईं। इसमें एक अन्य व्यक्ति को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया। पेरिस पुलिस ने कहा कि वह छुट्टियों के दौरान पेरिस



महानगरीय क्षेत्र में लगभग दस हजार अधिकारियों को तैनात करेगी। इस अवधि के दौरान फ्रांस में कुल एक लाख पुलिस कर्मी तैनात हैं। फ्रांस में कई समुदायों ने 31 दिसंबर को किशोर-किशोरियों के लिए रात 10

बजे तक कर्फ्यू लगा दिया था। कई जिलों में पटाखों और परिवहन कटेनरों में ईंधन की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसी बीच रिटेलेउ ने 'प्रोफेक्ट' और सुरक्षा अधिकारियों से 'देश पर

ब्राजील में पुल ढहने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 12 हुई



साओ पाउलो। उत्तरी ब्राजील में गत 22 दिसंबर को एक पुल ढहने की घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है। टोकेंटिन नदी से दो और शव बरामद किए गए। ब्राजील की नौसेना ने यह जानकारी दी। टोकेंटिन और मारानहाओ राज्यों को जोड़ने वाले राजमार्ग पर जुसेलिनो कुबित्सचेक डी ओलिवेरा पुल पर हुई दुर्घटना के बाद से पाँच लोग अभी भी लापता हैं। सरकारी समाचार आउटलेट एजेंसिया ब्राजील के एक आधिकारिक बयान के अनुसार नौसेना के सामरिक गोताखोर पुलिस और अग्निशमन कर्मियों की मदद से पीड़ितों की तलाश जारी रखे हुए हैं। पुल ढहने से कम से कम 10 वाहन जिनमें 25,000 लीटर कीटनाशक और 76 टन सल्फ्यूरिक एसिड ले जाने वाले तीन ट्रक शामिल हैं नदी में गिर गए। राष्ट्रीय जल एजेंसी ने कहा कि पानी के नमूनों के परीक्षण से पता चलता है कि पानी में कोई रासायनिक पदार्थ नहीं गिरा है।

पाकिस्तानी नौसेना ने अरब सागर में जब्त की 10 लाख डॉलर की ड्रग्स



वार्ता < इस्लामाबाद

www.dailypioneer.com

पाकिस्तानी नौसेना की ओर से हाल ही में उत्तरी अरब सागर में चलाये गये, मादक पदार्थ विरोधी अभियान में भारी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त किया गया। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक

बयान में कहा कि यह अभियान नौसेना के विमानों की सहायता से चलाया गया। उन्होंने कहा कि मोआविन नामक पाकिस्तानी नौसेना के जहाज ने एक सदिध जहाज को रोककर उसकी छानबीन की। इस दौरान, जहाज के छिपे हुए डिब्बों में रखी नशीली दवाएँ बरामद की गईं। सेना के अनुसार, जब्त किए गए

नशीले पदार्थों की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगभग 10 लाख डॉलर है, जिन्हें विभिन्न अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों पर तस्करी के लिए ले जाया जा रहा था। आईएसपीआर ने कहा, 'पाकिस्तानी नौसेना सतर्क है और क्षेत्र के समुद्री क्षेत्र में सभी प्रकार की अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है।'

नॉर्वे की ट्रेन में 100 लोग फंसे



एजेंसी < ओस्लो

www.dailypioneer.com

दक्षिण-पश्चिमी नॉर्वे में खराब मौसम और भारी बर्फबारी होने के कारण एक ट्रेन के इंजन में समस्या आ गयी, जिसके कारण लगभग 100 यात्री ट्रेन में फंसे रहे। डेनब्लैट अखबार ने बैन नोर रेल एजेंसी के प्रवक्ता गुनार बोरेसेथ के हवाले से बताया कि ट्रेन का इंजन मिडल और हॉलिंगरिड

स्टेशनों के बीच बर्गेन रेलमार्ग पर खराब हो गया और बाद में, एक और ट्रेन मौके पर पहुंची तथा ट्रेन को मिडल स्टेशन तक खींचकर ले गई। इस दौरान, यहां का तापमान शून्य से 11 डिग्री सेल्सियस (12 डिग्री फारेनहाइट) था। रेलवे अधिकारियों एवं बचाव दल ने तत्काल कार्रवाई की और यात्रियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने का प्रयास किया।

पिछले वर्ष श्रीलंका से अधिक लोग विदेशों में कमाने गये

एजेंसी < कोलंबो

www.dailypioneer.com

श्रीलंका से पिछले वर्ष 2024 सबसे अधिक लोग विदेशों में कमाने गये हैं। यह संख्या अन्य पिछले वर्षों की तुलना में सबसे अधिक है। स्थानीय मीडिया ने बुधवार को श्रीलंका ब्यूरो ऑफ फॉरेन एम्प्लॉयमेंट (एसएलबीएफई) के आंकड़ों के हवाले से बताया कि 2024 वर्ष के दौरान, कुल 3,12,836 श्रीलंकाई लोग विदेश में नौकरी के लिए देश छोड़कर चले गये। इनमें से 1,85,162 पुरुष और 1,27,674 महिला कर्मचारी हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि कुवैत शीर्ष गंतव्य के रूप में उभरा, जिसने 77,546 श्रीलंकाई श्रमिकों को काम दिया है। संयुक्त अरब अमीरात दूसरे स्थान पर है, जहां 51,550 लोग रोजगार की तलाश में हैं। इसके अलावा, पिछले साल 7,098



श्रीलंकाई दक्षिण कोरिया, 9,665 इजरायल और 8,665 जापान चले गए। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रवास में वृद्धि के कारण विदेशों से आने वाले धन में

भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों से पता चलता है कि नवंबर 2024 के अंत तक विदेशों में काम करने वाले श्रीलंकाई लोगों से आने

वाला धन 6.46 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, जो विदेशों में काम करने वाले नागरिकों की संख्या में इसी अनुपात में वृद्धि को दर्शाता है।

न्यूयॉर्क में नाइट क्लब के बाहर सामूहिक गोलीबारी में 10 घायल



एजेंसी < न्यूयॉर्क

www.dailypioneer.com

न्यूयॉर्क शहर के एक लोकप्रिय नाइट क्लब के बाहर हुई सामूहिक गोलीबारी में रात भर में कम से कम 10 लोग घायल हो गए, मीडिया ने पुलिस और मामले से परिचित स्रोतों के हवाले से यह खबर दी है। सूत्रों ने न्यूयॉर्क पोस्ट

को बताया कि गोलीबारी रात बुधवार को 11:20 बजे से कुछ देर पहले अमाजुरा नाइट क्लब के पास शुरू हुई। सभी पीड़ितों को क्षेत्रीय अस्पतालों में ले जाया गया। न्यूयॉर्क पुलिस विभाग के अनुसार उनमें से किसी की भी हालत गंभीर नहीं है और सभी को जीवित है।

फिलिपींस में नाव डूबने से दो लोगों की मौत



मनीला/शिन्हुआ। फिलिपींस के उत्तरी समर प्रांत के तट पर एक निजी मोटरबोट के डूबने से दो लोगों की मौत हो गयी है। फिलिपींस कोस्ट गार्ड (पीसीजी) ने बुधवार को बताया कि छह यात्रियों और दो चालक दल के सदस्यों को ले जा रही नाव सोमवार को लाओआंग शहर के पास डूब गई। शुरुआती जांच से पता चला है कि मोटरबोट लाओआंग से रवाना हुई थी और जब दुर्घटना हुई, तब वह बटांग द्वीप जा रही थी। रिपोर्ट में कहा गया समुद्र में बड़ी लहरों से टकराने के बाद मोटरबोट पलट गई। बचाव दल ने चार यात्रियों और चालक दल के दो सदस्यों को पानी से सुरक्षित बाहर निकाला, जबकि अन्य दो शव शहर के तट पर बरामद किये गये।

फिलिस्तीन ने अल जजीरा का प्रसारण निलंबित किया

एजेंसी < रामल्लाह/शिन्हुआ

www.dailypioneer.com

फिलिस्तीन के अधिकारियों ने अपने देश में नियमों का पालन करने में विफल रहने पर कतर स्थित अल जजीरा मीडिया नेटवर्क के प्रसारण संचालन को निलंबित कर दिया है। फिलिस्तीनी आधिकारिक समाचार एजेंसी डब्ल्यूएफए ने बुधवार को बताया कि फिलिस्तीनी मंत्रिस्तरीय समिति जिसमें संस्कृति, आंतरिक और दूरसंचार मंत्रालयों के प्रतिनिधि शामिल हैं ने 'अल जजीरा से जुड़े सभी पत्रकारों, कर्मचारियों और संबन्धित चैनलों के काम को अस्थायी रूप से निलंबित करने का भी आदेश दिया है। डब्ल्यूएफए के अनुसार यह निर्णय अल जजीरा की ओर से 'फिलिस्तीनी कानूनों और नियमों का बार-बार उल्लंघन' करने के कारण लिया गया क्योंकि इसने भड़काऊ सामग्री



प्रसारित करके, गलत सूचना फैलाकर और आंतरिक फिलिस्तीनी मामलों में हस्तक्षेप करके, 'विभाजन और अस्थिरता को बढ़ावा दिया। उन्होंने कहा, 'यह निर्णय तब तक प्रभावी रहेगा जब तक नेटवर्क अपनी कानूनी स्थिति का समाधान नहीं

कर लेता। हाल ही में अल जजीरा और फतह के बीच तनाव बढ़ गया है क्योंकि नेटवर्क पश्चिमी तट के शहर जेनिन में फिलिस्तीनी सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच झड़पों को कवर कर रहा है।

टेस्ला लास वेगास में साइबरट्रक विस्फोट की कर रही है जांच : मस्क

एजेंसी < वाशिंगटन

www.dailypioneer.com

अमेरिका के अरबपति एलन मस्क ने कहा है कि टेस्ला कंपनी की वरिष्ठ टीम लास वेगास में टेस्ला साइबरट्रक में हुए विस्फोट की घटना की जांच कर रही है। मस्क ने 'एक्स' पर कहा, टेस्ला की पूरी वरिष्ठ टीम अभी इस मामले की जांच कर रही है। जैसे ही हमें कुछ पता चलेगा हम अधिक जानकारी पोस्ट करेंगे। हमने ऐसा कभी नहीं देखा। उन्होंने बताया कि बुधवार देर रात लास वेगास में ट्रंप इंटरनेशनल होटल के पास एक टेस्ला साइबरट्रक में विस्फोट हो गया। लास वेगास पुलिस विभाग ने कहा कि विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई और सात अन्य घायल



हो गए। उन्होंने कहा कि जांच जारी है। सूत्रों ने एबीसी न्यूज को बताया कि कानून प्रवर्तन अधिकारी आतंकवादी हमले की संभावना से

इनकार नहीं कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि यह होटल आंशिक रूप से अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के स्वामित्व में है।

मोंटेनेग्रो में बंदूकधारी ने की 10 लोगों की हत्या



एजेंसी < पोटोरोरिका

www.dailypioneer.com

मोंटेनेग्रो के सेटिजे शहर में एक व्यक्ति ने दो बच्चों सहित करीब 10 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी और बाद में खुदकुशी कर ली। गृह मंत्री डेनिलो सरनोविक ने बुधवार को संवाददाताओं से कहा, 'व्यक्ति पर करीब 10 लोगों की हत्या करने का आरोप है। इनमें से दो नाबालिग थे।' उन्होंने कहा कि सदिध ने अपने परिवार के कई सदस्यों की भी हत्या कर

दी और बाद में आत्महत्या कर ली। मंत्री ने बताया कि मृतकों की संख्या बढ़कर 12 हो सकती है। सरनोविक ने कहा, 'हमलावर ने गोलीबारी करने के बाद आत्महत्या करने की कोशिश की। घायल अवस्था में पोटोरोरिका में मोंटेनेग्रो के क्लिनिकल सेंटर ले जाते समय रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। मोंटेनेग्रिन के प्रधानमंत्री मिलोज्को स्पान्जिक ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सेटिजे गोलीबारी के बाद बंदूक रखने पर प्रतिबंध लगाने पर विचार

करेगी और उन्होंने अवैध बंदूक रखने के लिए सख्त दंड का आह्वान किया। स्थानीय मीडिया ने बताया कि हमले से पहले हमलावर की पीड़ितों में से एक के साथ बहस हुई थी, फिर वह बंदूक लेने के लिए घर गया, एक कैफे में वापस आया और कई लोगों को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया तथा इसमें कुछ लोग घायल हो गये। बाद में, उसने कैफे मालिक के बच्चों और एक महिला की भी हत्या कर दी।

हौती ने अमेरिकी एमक्यू-9 ड्रोन को मार गिराया

एजेंसी < बेरुत

www.dailypioneer.com

पूर्वोत्तर यमन में हौती (यमन के आंदोलन अंसार अल्लाह) ने एक अमेरिकी सैन्य एमक्यू-9 ड्रोन को मार गिराया है। हौती के सैन्य प्रवक्ता याह्या सारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। सारी ने बयान में कहा, यमनी सशस्त्र बलों की हवाई सुरक्षा एक अमेरिकी एमक्यू9 विमान को मार गिराने में सक्षम थी जब वह मआरिब गवर्नरट के हवाई क्षेत्र में शत्रुतापूर्ण मिशन को अंजाम दे रहा था। उन्होंने कहा कि यमन निर्मित सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल ने ड्रोन को मार गिराया। प्रवक्ता ने कहा कि यह पिछले तीन दिनों में मार गिराया गया



दूसरा ऐसा ड्रोन है और गाजा के अभियान शुरू करने के बाद से यह समर्थन में हौती द्वारा सक्रिय युद्ध 14वां ड्रोन है।

रूस के दूतावास ने वियना में बांदेरा के सम्मान में आयोजित रैली की निंदा की

माँस्को। ऑस्ट्रिया में रूस के दूतावास ने यूक्रेन के राष्ट्रवादियों के नेता और नाजी सहयोगी स्टीफन बांदेरा के जन्मदिन के अवसर पर वियना शहर में आयोजित एक रैली की निंदा की है। राजनयिक मिशन ने टेलीग्राम पर एक बयान में कहा, 'ऑस्ट्रिया में बसने वाले मुझे भर यूक्रेनी राष्ट्रवादियों की हरकत जिन्होंने एक जनवरी को वियना में एक बार फिर हिटलर के सहयोगी, युद्ध अपराधी स्टीफन बांदेरा का जन्मदिन मनाने का फैसला किया, घृणा के अलावा कुछ नहीं करता है। दूतावास ने कहा कि वह इस रैली की कड़ी निंदा करता है।

सैकड़ों कोलंबियाई लोगों ने किया यूक्रेनी सेना के साथ समझौता



लुगान्स्क। डेनेट्सक पीपुल्स रिपब्लिक में पकड़े गए ब्रिटेन के भाड़े के सैनिक हेडन विलियम डेविस ने कहा कि सैकड़ों कोलंबियाई लोगों ने यूक्रेन की सशस्त्र सेनाओं के साथ लड़ने के लिए यूक्रेन की अंतरराष्ट्रीय सेना के साथ हस्ताक्षर किए हैं। डेविस ने स्मृतनिक द्वारा प्राप्त एक वीडियो में यह जानकारी दी। डेविस ने कहा अंतरराष्ट्रीय सेना में नाटो के लोग हैं। फ्रांसीसी, इटालियन, जर्मन, अमेरिकी, अंग्रेज सबसे अधिक कोलंबियाई हैं। ब्रिटेन ने कहा कि यूक्रेनी सशस्त्र बलों के साथ रहते हुए भाड़े के सैनिकों को जो प्रशिक्षण दिया जाता है वह उस बटालियन पर निर्भर करता है जिसमें उन्हें रखा गया है। डेविस ने कहा हमारे पास कोई भारी बंदूकें नहीं थीं, इसलिए कोई प्रशिक्षण नहीं हुआ। हमें दो डीएसएचके (भारी मशीन गन) दी गईं। सीखने के लिए कोई बारूद नहीं था। उन्होंने कहा कि वे यूक्रेनी सेना के साथ अनुबंध को तोड़ना चाहते थे, ब्रिटेन ने यूक्रेनी कमांडों द्वारा महिलाओं और बच्चों सहित नागरिकों की हत्या का आदेश देने के बारे में शिकायत की। उन्होंने कहा कि एक दर्जन विदेशी लड़ाके युद्ध अपराधों को होने देने से खुश हैं। डेविस ने यूक्रेनी कमांड पर सैन्य कर्मियों की परवाह नहीं करने और उनके साथ ऐसा व्यवहार करने का आरोप लगाया जैसे कि वे जानवर हैं।

मुख्यमंत्री साय के प्रयासों से आईटी हब के रूप में उभर रहा है नवा रायपुर

नवा रायपुर में युवाओं के लिए खुल रहे हैं रोजगार के नए अवसर, मिल रही हैं बेहतर सुविधाएं

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

सतरूपा विकसित भारत की तर्ज पर विकसित छत्तीसगढ़ की संकल्पना को साकार करने की दिशा में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार सतत प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में नवा रायपुर अटल नगर में सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं पर कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री साय की पहल का नतीजा है कि छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर क्षेत्र में आईटी और आईटी- इनेबलड सर्विसेस का तेजी से विकास हो रहा है। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं। राज्य सरकार की योजनाओं और संस्थाओं की पहल से नवा रायपुर



युवाओं के लिए रोजगार और विकास का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। वित्त मंत्री ओ पी चौधरी ने बताया कि नवा रायपुर में स्कायर बिजनेस सर्विसेज और टेली परफॉर्मिस जैसी प्रमुख आईटी कंपनियों ने अपनी सेवाएं शुरू की हैं, जिससे अब तक 260 से

गर्व है, क्योंकि पढ़ाई पूरी करने के बाद सतरूपा न केवल आत्मनिर्भर है, बल्कि परिवार को भी आर्थिक संबल प्रदान कर रही है। नवा रायपुर के स्वकार्य बिजनेस सर्विसेज में नौकरी कर रही सतरूपा ने मेहनत और लगन से तस्की की राह पकड़ ली। पहले साल में ही उसे पदोन्नति मिली और उसका वेतन बढ़ा, जिससे उसने अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूती दी। नवा रायपुर में स्वकार्य बिजनेस सर्विसेज ने 180 और टेली परफॉर्मिस ने 80 पदों पर भर्ती की है। इसके अलावा, टेली परफॉर्मिस ने 100 और कर्मचारियों की भर्ती करने की योजना बनाई है और सीएसएम टेक्नोलॉजीज ने 200 प्रोफेशनल्स की भर्ती के लिए आवेदन मांगा है।

यह न केवल नवा रायपुर के लिए बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए सकारात्मक बदलाव के संकेत है। नवा रायपुर के आईटी हब बनने की प्रक्रिया में राज्य सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। रायपुर और नवा रायपुर के बीच आईटी पेशेवरों के लिए मुफ्त बस सेवा की तथा स्कायर बिजनेस सर्विसेज के कर्मचारियों के लिए आवासीय समाधान भी उपलब्ध कराने की योजना है। सीबीडी सेक्टर 21 में अत्याधुनिक कार्यालयों का निर्माण किया जा रहा है, जो कर्मचारियों को बेहतर कार्य वातावरण प्रदान करेंगे। नवा रायपुर में आईटी क्षेत्र के विकास के साथ ही आने वाले समय में 10,000 से अधिक रोजगार के अवसर उत्पन्न होने की संभावना है।

राज्यपाल रमेन डेका को मुख्य सचिव एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने दी नए वर्ष की शुभकामनाएं

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

राज्यपाल रमेन डेका से राजभवन में मुख्य सचिव छत्तीसगढ़ शासन अमिताभ जैन, पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा और प्रधान मुख्य वन संरक्षक व्ही. श्रीनिवास राव ने सौजन्य भेंट की। उन्होंने राज्यपाल को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। डेका ने भी उन्हें नववर्ष की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। डेका ने इन अधिकारियों से केन्द्र शासन की प्रयोगशील योजनाओं, राज्य शासन की योजनाओं की प्रगति, प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति आदि के संबंध में भी जानकारी ली।



राज्य में अब तक 93.44 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी

राज्य में 14 नवम्बर से शुरू हुए धान खरीदी का सिलसिला अन्वर्त रूप से जारी है। अब तक लगभग 93.44 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हो चुकी है। धान खरीदी के एका में 18.69 लाख किसानों को बैंक लिफ्टिंग व्यवस्था के तहत 21 हजार 040 करोड़ रूपय का भुगतान किया गया है। धान खरीदी का यह अभियान 31 जनवरी तक चलेंगे। प्रदेश के समस्त पंजीकृत कृषकों को खरीद पिपान वर्ष 2024-25 में धान वि य हेतु टोकन की सुविधा ऑनलाइन एम् (टोकन लुंहर हॉब) एवं उपजान केन्द्रों में 25 जनवरी 2025 तक के लिए उपलब्ध कराया गया है। किसान सुविधा अनुसार लिथी का चयन कर नियमनुसार धान वि य कर सकते हैं। धान खरीदी के साथ-साथ मिलर्स द्वारा धान का उठाव भी तेजी से हो रहा है। धान उठाव के लिए लगभग 62.72 लाख मीट्रिक टन धान के लिए डीओ और टीओ जारी किया गया है।

जे.एस. नेताम की विदाई, एम.जामुलकर ने संभाला रायपुर शहर क्षेत्र का कमान

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

पॉवर कंपनीज के रायपुर शहर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक जे.एस. नेताम की स्थानांतरण उपरान्त विदाई दी गई। नेताम ने जामुलकर को रायपुर शहर क्षेत्र का पदभार सौंपा। इसी के साथ नवपदस्थ मुख्य अभियंता एम.जामुलकर ने पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर दोनों अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ का आदान प्रदान कर परस्पर सम्बन्धित अधिकारियों को दिए।



इस दायित्व के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि नये वर्ष में प्रवेश के साथ नई जिम्मेदारी को निष्ठा के साथ पूर्ण करेंगे। रायपुर शहर क्षेत्र की विद्युत विकास की गति को आगे बढ़ाने में टीम के साथ सतत प्रयासरत रहेंगे। नये साल में अब रायपुर शहर क्षेत्र का कमान एम.जामुलकर संभालेंगे। उन्हे दुर्ग क्षेत्र से स्थानांतरित कर रायपुर शहर क्षेत्र का कार्यभार सौंपा गया है। वे विगत 4 वर्ष से दुर्ग क्षेत्र में पदस्थ थे इसके पूर्व वे मुख्य अभियंता ओएंडएम व राजस्व (रायपुर) की बड़ी जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। जामुलकर बीई इलेक्ट्रिकल हैं, उन्होंने वर्ष 1993 से सहायक अभियंता के पद पर विद्युत मंडल में सेवाएं प्रारंभ की,सेवाकाल के दौरान प्रदेश के बड़े शहर रायपुर, भिलाई, राजनांदगांव, डोंगरगढ़ और दुर्ग में सेवाएं दीं। वर्ष 2007 में केन्द्रीय स्तर पर राजस्व वृद्धि हेतु उन्हें पुरस्कृत किया गया।

सफाई, पेयजल, सड़क बत्ती, विकास कार्यों को जनहित में देवें प्राथमिकता : आयुक्त

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अविनाश मिश्रा ने निगम मुख्यालय भवन महारत्ना गाँधी सदन के तृतीय तल सभाकक्ष में साप्ताहिक टीएल बैठक में कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिए। बैठक में आयुक्त ने रायपुर नगर पालिक निगम के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नववर्ष 2025 की हार्दिक शुभकामनाएं दीं, वहीं आयुक्त राधेन्द्र प्रसाद गुप्ता एवं अधीक्षक



अभियंता संजय बागडे ने आयुक्त अविनाश मिश्रा को बुके प्रदत्त कर नए वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दी। आयुक्त ने सफाई, पेयजल, सड़क बत्ती से सम्बन्धित कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं। साथ ही नगर में सभी प्रगतिरत विकास कार्यों को समयसिमा में त्वरित कार्यवाही कर शत-प्रतिशत संख्या में निदान जनहित में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। आयुक्त ने सभी प्रगतिरत विकास कार्यों में समयसिमा में समयावधि एवं गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए हैं। आयुक्त ने जोन कमिश्नरों एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारियों को प्रतिदिन सतत मॉनिटरिंग कर रायपुर शहर की सफाई व्यवस्था को राजधानी के अनुरूप बनाने स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान की तैयारियों को पुष्टता तौर पर करवाना प्राथमिकता से सुनिश्चित करने निर्देशित किया है।

नगर पालिक निगम रायपुर अधिकारी, कर्मचारी एकता संघ ने आयुक्त एवं अपर आयुक्त से भेंट कर नववर्ष की दी बधाई

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

जन्ता एवं राष्ट्र सेवा के लिए आह्वान किया। दयानंद को भारतीय रेलवे के प्रमुख मंडलों में धनबाद एवं दीनदयाल उपाध्याय नगर मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय यातायात सेवा (इंडियन रेलवे टैपिकल सर्विसेस) के अधिकारी हैं। दयानंद इससे पहले दक्षिण पूर्व रेलवे कोलकाता में मुख्य वाणिज्य प्रबंधक फ्रेट एवं मार्केटिंग (सीसीएम - एफएम) के पद पर कार्यरत थे। दयानंद का 01 जनवरी, 2025 रायपुर आगमन हुआ, सीपी मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय पहुंचकर रायपुर रेल मंडल के विषय में जानकारी प्राप्त की एवं पूर्व मंडल रेल प्रबंधक संजीव कुमार (फ्रेट एवं मार्केटिंग) और मुख्य वाणिज्य के साथ औपचारिक भेंट करने के पश्चात कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। दयानंद ने सभी कर्मचारियों से परिचय प्राप्त करते हुए सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएं दी साथ ही उत्साह उमंग एवं विश्वास के साथ कार्य कर



कार्य के गहन अनुभव के साथ कोलकाता महानगर में भी कार्य करने का अनुभव प्राप्त है। मंडल रेल प्रबंधक दयानंद अपनी रेल सेवा के दौरान पूर्व रेलवे हावड़ा, पूर्व मध्य रेलवे हाजीपुर एवं दक्षिण पूर्व रेलवे हावड़ा में पदस्थ रहे। पूर्व मध्य रेलवे-हाजीपुर जोन के धनबाद एवं दीनदयाल उपाध्याय, समस्तीपुर, सोनपुर, मंडलों में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक एवं वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक एवं पूर्व मध्य रेलवे हाजीपुर जोन में मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (फ्रेट एवं मार्केटिंग) और मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (यात्री सेवा) एवं पूर्व रेलवे हावड़ा में मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (फ्रेट एवं मार्केटिंग) पदों पर पदस्थ रहें हैं।

03 Jan. 2025 Pride Of Raipur

जगह उपलब्ध
कोचिंग एवं ट्यूशन क्लास
के लिए शहर के प्राइड लोकेशन में फुल्ली फर्निटेड जगह उपलब्ध।
1. सिविल लाइन, 2. चौरसिया कॉलोनी, संतोषी नगर, रायपुर में, पार्किंग सुविधा के साथ। संपूर्ण सुविधायुक्त क्लबासून, टेबल, चेयर और बोर्ड्स सहित।
समय - 2 बजे से रात 10 तक
संपर्क - 7828253335, 9300253335

भामरा गार्डन
सिन्धु-बाननवापस
Book Now
KITTY PARTY ANNIVERSARY BIRTHDAY PARTY

माली चाहिए
फार्म हाऊस हेतु
पिरदा, रायपुर स्थित 4 एकड़ फार्म हाऊस के लिए अनुभवी कृषक परिवार की आवश्यकता है जो फॉर्म में लगे फलों के पौधों का रखरखाव और सज्जी लगाने में जानकार हो साथ ही गार्डन साफ-सफाई करने में सक्षम हो, रहने की सुविधा उपलब्ध।
संपर्क : 8435034111

अंकित बाउण्ड्रीवॉल
अब आपके वेशकीमती प्लॉट को सुरक्षित रखना हुआ आसान
प्रीकार, विक्स बाउण्ड्रीवाल, डी.पी. सी पोल फेंसिंग करवाने हेतु संपर्क करें।
V.I.P. रेट रायपुर
98279-59655

RIDERZONE
SINCE 2017
A Complete Riding Gear Store
रयाम-नगर, रायपुर (छ.ग.)
CONTACT - 80162-38584

TENSILE SHADE
WE PERSENT ONLY THE BEST CAR PARK SHADE WEATHER PROTECTION
R. B. Plus 81091 11313 RAIPUR 86028 11220

होमलोन व माईगेज लोन
10 लाख से 10 करोड़ तक
सर्वोत्कृष्ट एवं प्रतिष्ठित बैंक द्वारा
होम लोन ब्याज दर मात्र 6.70%
माईगेज लोन ब्याज दर मात्र 9.50%
SHRI SIDDHI VINAYAK FINACE
Near Samudayik Bhawan, Jorapara, Raipur
Mob.: 9329002356

क्या आपके यहां बार - बार तोरी हो रही है ?
तो बॉर्डेड कैमरे ही लगवाये
हम सामान ही नहीं, सर्विस भी अच्छी देते हैं
शहर से बाहर गोडाउन, घर एवं शॉप को मोबाईल पर लाईव देखें
क्या आप तस्से कैमरे लगवाकर नाकूश है ?
लक्ष्मी सिक्यूरिटी सिस्टम
91652-22223, 93292-94567

Cartridge Refilling
Refilling @ Your Door Step
JB Mall, Lower Ground Floor. M.G. Road, Raipur (G.G.)
Callaway Print Your Images with us.
9302787900, 9425211789

विज्ञापन के लिये संपर्क करें : 9827146567, 9329846567